6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष तृतीया 07:25 उपरांत चतुर्थी विक्रम संवत 2082

रविवार, 23 नवंबर 2025, वर्ष 6, अंक 364, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

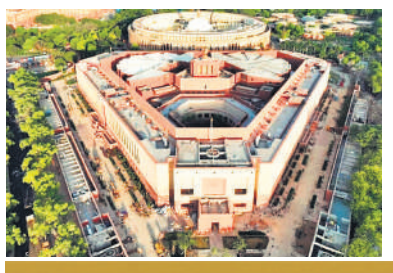

- शीतकालीन सत्र के लिए 10 विधेयक सूचीबद्ध, उच्च शिक्षा आयोग विधेयक भी शामिल - 8

- श्रम संहिता से मजबूत होगा देश का निर्यात तंत्र - 8

- अमेरिका की अड़चन के बावजूद जारी किया गया जी-20 घोषणा पत्र - 9

- गुवाहाटी टेस्ट में कुलदीप यादव ने कराई भारत को वापसी - 10

SINCE 1986
ajanta™
SWEETS N' BAKES

For the moments that matter

Ajanta Sweets brings you handcrafted Indian delicacies, perfected for the Wedding Season

SINCE 1986
ajanta™
SWEETS N' BAKES

SWEETS . SNACKS . BAKERY . WEDDING HAMPERS

BAREILLY | LUCKNOW | RAMPUR

आज का मौसम

25.0° अधिकतम तापमान

11.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.40

सूर्यास्त 05.17

न्यूज ब्रीफ

छात्रा को प्रताड़ित करने का आरोपी गिरफ्तार

पीलीभीत, अमृत विचार : संपूर्णानगर लखीमपुर खीरी क्षेत्र में घर में संचालित स्कूल की प्रबंधक युवक के साथ चली गई थी। आरोप है हजारा क्षेत्र की रहने वाली एक छात्रा को प्रबंधक के परिवार वालों ने बंधक बना लिया था। मारपीट करते हुए उसकी अश्लील वीडियो बनाई। जिससे आहत होकर छात्रा ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली थी। एसओ हजारा शरद यादव ने बताया कि आरोपी जनार्दन दुबे को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया है।

एसएसबी के कैंप में 77 लोगों को मिला लाभ

माधोटांडा, अमृत विचार : सशस्त्र सीमा बल 49वीं वाहिनी की ओर से नजुलिया नकटा गांव में एमसीए कैंप लगाया गया। इस कैंप में सीएचसी से डॉ. राकेश कुमार पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों का चेकअप कर दवाई वितरित की।

ठेकेदार ने छोड़ा काम,सफाईकर्मी मानदेय को परेशान

तीन माह से नहीं मिला मानदेय ,नाराज कर्मियों ने शुरू की हड़ताल, सफाई व्यवस्था लड़खड़ाई

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- नगर पंचायत नौगवां पकड़िया का मामला, ईओ का किया घेराव
- नाराज सफाई कर्मचारियों ने जमकर की नारेबाजी

मानदेय न मिलने पर कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन करते कर्मचारी। ● अमृत विचार

नगर पंचायत नौगवां पकड़िया में ईओ से वार्ता करते आउटसोर्सिंग कर्मचारी।

अमृत विचार : नगर पंचायत नौगवां पकड़िया में तीन माह से मानदेय न मिलने से परेशान सफाईकर्मियों के सब्र का बांध टूट गया। ठेकेदार के काम छोड़कर जाने और भुगतान व्यवस्था ठप पड़ने से हालात इतने बिगड़ गए कि शनिवार को सफाईकर्मियों ने काम बंद कर हड़ताल शुरू कर दी। अचानक ठप हुई सफाई व्यवस्था से कस्बे में गंदगी का अंबार फैलने लगा, वहीं रोष से भरे कर्मचारियों ने ईओ का घेराव कर समाधान की मांग उठाई। लंबे समय तक चली नोकझोंक और समझाइश के बाद ईओ ने मानदेय दिलाए जाने का आश्वासन देकर कर्मचारियों को शांत कराया, लेकिन व्यवस्था की लापरवाही ने स्थानीय प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। हालांकि जिम्मेदारों का तर्क है कि नया टेंडर कराने की प्रक्रिया चल रही है। जल्द ही नए ठेकेदार को काम दिया जाएगा।

शहर से सटी नगर पंचायत नौगवां पकड़िया में कस्बे की सफाई व्यवस्था से लेकर कार्यालय के अन्य कार्य तक के लिए आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की तैनाती की गई है। यहां करीब 88 कर्मचारी कार्यरत हैं। जिनमें 70 सफाई कर्मी हैं। यहां सरकारी कर्मचारी के रुप में सिर्फ लिपिक अर्जुन ही तैनात है। यह ठेका कई सालों से चल रहा था। अक्टूबर माह में राजनीतिक समन्वय के चलते ठेका लखनऊ की एक फर्म को दे दिया गया। ठेका बदलने की जानकारी कर्मचारियों तक को नहीं हुई। वह अपना कार्य करते रहे, लेकिन दिवाली पर जब कर्मचारियों को मानदेय नहीं मिला तो वह परेशान हो गए। उन्होंने चेयरमैन से लेकर ईओ तक सभी को अपनी परेशानी बताई। मगर किसी ने समस्या का समाधान नहीं किया। सिर्फ जल्द ही मानदेय मिलने का आश्वासन देकर टरका दिया। धीरे-धीरे समय बीता चला गया, मगर मानदेय नहीं मिल सका। इस पर कर्मचारियों ने शनिवार को एकत्र होकर हड़ताल कर दी। साथ ही नगर पंचायत कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया। इतना ही नहीं वहां पहुंचे कर्मचारियों ने फर्जी तरीके से कर्मचारियों के भुगतान न करने का तक का आरोप लगाया। हंगामे की सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। लेकिन कर्मचारी जिद पर अड़े रहे। जानकारी होने पर ईओ हरिपाल गंगवार मौके पर पहुंचे। इस पर कर्मचारियों ने ईओ का चैंबर में घेराव किया। कर्मचारियों का कहना था कि उन्हें तीन माह से मानदेय नहीं मिला। दिवाली के त्योहार पर लोगों के घरों में दीपक नहीं जल सके। अब हालात यह है कि कर्मचारियों के बच्चों का स्कूल वालों ने फीस न जमा होने पर नाम तक काट दिए हैं। काफी देर चली बहस के बाद ईओ ने 30 नंवबर तक भुगतान कराने का आश्वासन देकर काम पर लौटने की बात कही। इस पर कर्मचारियों ने आश्वासन को स्वीकार तो किया लेकिन काम पर नहीं लौटे। सफाई न होने से नगर पंचायत क्षेत्र में गंदगी के अंबार लगे रहे।

ईओ बोले: ठेकेदार गायब, जारी कर चुके नोटिस

नगर पंचायत के कर्मचारियों का तीन माह का मानदेय न मिलने के मामले ईओ हरिपाल गंगवार का तर्क है कि अक्टूबर माह में टेंडर लखनऊ की फर्म को दिया गया था। उनके द्वारा कर्मचारियों के न बिल बाउचर दिए गए हैं और न ही ईपीएफ के अभिलेख जमा किए गए। अब वह काम करने में असमर्थ हैं। इसको लेकर उन्हें नोटिस जारी किया गया हैं। मगर उनके द्वारा कोई जवाब नहीं दिया। ऐसे में व्यवस्था बाधित न हो इसलिए नए सिरे से टेंडर किया जा रहा है। जिसकी प्रक्रिया शुरु कर दी गई है।

निलंबित किए गए इंस्पेक्टर की एक और शिकायत

घुंघचिहाई, अमृत विचार: गोकशी की घटनाओं की रोकथाम करने में नाकाम साबित होने पर एक दिन पूर्व निलंबित किए गए इंस्पेक्टर प्रकाश सिंह की एक और शिकायत एसपी से की गई है। आरोप है कि थाने से चंद कदम दूर हुई चोरी की घटना में कार्रवाई करने के बजाय पीड़ित पर ही एफआईआर दर्ज कर दी गई थी। अब एसपी से शिकायत की गई है।

कस्बे के रहने वाले मिथलेश गुप्ता ने एसपी को दिए शिकायत पत्र में बताया कि उनकी जनसेवा केंद्र की दुकान है। 19 नवंबर की शाम 8 बजे दुकान बंद कर घर आ गए थे। दूसरे दिन सुबह पहुंचे तो पता चला कि दुकान में चोरी हो चुकी है। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। दुकान से काफी सामान चोरी हो चुका था।

आरोप है कि तत्कालीन इंस्पेक्टर प्रकाश सिंह ने चोरी की घटना को दबाने के लिए उनके खिलाफ ही रिपोर्ट दर्ज कर दी। मामले की जांच कराकर न्याय की गुहार लगाई है।

अवैध खनन में जेसीबी और ट्रैक्टर ट्रॉली सीज

संवाददाता, बिलसंडा

सीज किए गए वाहन।

अमृत विचार : करेली थाना क्षेत्र में रात के वक्त अवैध खनन किया जा रहा था। इसकी सूचना पर टीम ने छापामारी कर जेसीबी और दो ट्रैक्टर ट्रॉलियों को पकड़ा। उन्हें सीज कर दिया है।

बताते हैं कि गांव घुंघौरा में शुकवार रात भट्टे के समीप जेसीबी से अवैध खनन किया जा रहा था। गांव के बाहर पंचायत घर के सामने पटान किया जा रहा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने खनन में प्रयुक्त वाहनों को कब्जे में ले लिया। एसओ विपिन शुक्ला ने बताया कि अवैध खनन की सूचना पर पहुंची टीम मौके पर गई थी। जेसीबी और दो ट्रैक्टर ट्रॉलियों को सीज कर रिपोर्ट खनन विभाग को भेजी है।

नशे में धुत युवक पुलिस से उलझा कार्रवाई

पीलीभीत, अमृत विचार: आयुर्वेदिक कॉलेज चौराहा पर एक बार फिर हुड़दंग किया गया। कार सवार युवक ने शुक्रवार रात वाहन बीच सड़क रोक लिया। इससे आवागमन बाधित होने लगा। कार सवार नशे की हालत में थे। इसकी सूचना मिलने पर यूपी 112 पुलिस मौके पर पहुंच गई।पुलिस के पहुंचने के बाद भी नशे में धुत कार सवार रौब झाड़ते रहे। बताते हैं कि पुलिसकर्मियों से ही उनका आईकार्ड दिखाने की बात कहते हुए भिड़ना शुरू कर दिया। फिर पुलिस ने सख्ती कर कार सवार को पकड़ लिया। उसका मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी भेजकर रात में ही मेडिकल परीक्षण कराया गया। जिसमें नशे में होने की पुष्टि हुई। कोतवाल सत्येंद्र कुमार ने बताया कि मामले में आरोपी का मेडिकल परीक्षण कराकर नियमानुसार कार्रवाई की गई है। बता दें कि आयुर्वेदिक कॉलेज चौराहा पर नशे में धुत युवकों के हंगामे का ये कोई पहला मामला नहीं है। अभी दो दिन पहले भी मारपीट हुई थी। इसके अलावा भी कई झगड़े हो चुके हैं।

तहसील भवन के भूमि पूजन में राज्यमंत्री हुए शामिल

भूमि पूजन में शामिल राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार। ● अमृत विचार

संवाददाता, अमरिया

अमृत विचार : तहसील परिसर में शनिवार को नवसृजित तहसील अमरिया के अनावासीय भवनों के निर्माण का राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार ने भूमि पूजन कराया।

राज्यमंत्री ने कहा अमरिया तहसील के निर्माण के लिए भूमि चयनित कराने से लेकर धनराशि स्वीकृति तक काफी संघर्ष करना पड़ा। आखिरकार यह सपना भी अब पूरा हो रहा है। उन्होंने कहा कि यहां के व्यवसायियों और अधिवक्ताओं की मांग थी कि तहसील भवन कस्बा में ही स्थापित हो। नौ करोड़ 40 लाख की यह परियोजना 18 माह में पूर्ण होगी, तो लोगों को सुविधा मिलेगी। तहसील के भवन निर्माण के लिए बुनियादों की खोदाई का कार्य शुरू हो गया है। एसडीएम मंयक गोस्वामी ने कहा कि कस्बा में तहसील भवन बनने से काफी सहूलियत हो जाएगी। ब्लॉक प्रमुख निशान सिंह, कपिल अग्रवाल, परविंदर सिंह उर्फ प्रिंस, प्रमोद कश्यप समेत अन्य मौजूद रहे।

बीएलओ का नहीं कर रहे थे सहयोग 20 ग्राम प्रधानों को नोटिस

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : जनपद में चल रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान में बीएलओ का सहयोग न करने वाले 32 ग्राम प्रधानों को कारण बताओ नोटिस किया गया है। संबंधित प्रधानों को तीन दिन में कार्य में सुधार लाते हुए स्पष्टीकरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। कार्य में सुधार न मिलने पर संबंधित सचिव और ग्राम प्रधान के विरुद्ध कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

जिले में चुनाव आयोग के निर्देश पर विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं को गणना प्रपत्रों को वितरण कर रहे हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी/डीएम ज्ञानेंद्र सिंह की ओर से इस कार्य की प्रतिदिन समीक्षा भी की जा रही है। दो दिन पूर्व जिला निर्वाचन अधिकारी/ डीएम के निर्देश पर डीपीआरओ रोहित भारती ने जनपद की सभी ग्राम पंचायतों के ग्राम प्रधानों, सचिवों, पंचायत सहायकों और सफाईकर्मियों को एसआईआर कार्य में बीएलओ का सहयोग करने के निर्देश दिए गए थे। शुक्रवार को जिला निर्वाचन अधिकारी/डीएम द्वारा की गई समीक्षा में पाया गया कि जनपद की कुछ ग्राम पंचायतों में प्रधानों द्वारा सहयोग नहीं किया जा रहा है। जिस कारण गणना प्रपत्रों के वितरण कार्य के साथ- साथ वितरित किए गए फार्मों की डिजिटाइजेशन की प्रगति नगण्य रहीं। मामला संज्ञान में आने पर डीपीआरओ रोहित भारती ने बरखेड़ा ब्लॉक के 8 ग्राम प्रधानों, पूरनपुर के 4, अमरिया के 9, ललौरीखेड़ा के 5 और मरौरी ब्लाक के 6 ग्राम प्रधानों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। शनिवार को जारी किए गए नोटिस में डीपीआरओ ने संबंधित ग्राम प्रधानों को बीएलओ का सहयोग करते हुए कार्य में सुधार लाने समेत 03 दिन के अंदर स्पष्टीकरण का जवाब देने के निर्देश दिए हैं। कार्य में आपेक्षित सुधार न मिलने पर संबंधित सचिव समेत ग्राम प्रधान के विरुद्ध कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

- बीते शुक्रवार को डीएम द्वारा एसआईआर की समीक्षा में मिली लापरवाही

जनपद में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण को लेकर सभी ग्राम पंचायतों के ग्राम प्रधान समेत पंचायत कर्मियों को बीएलओ का सहयोग करने को निर्देशित किया गया था। जिलाधिकारी द्वारा की गई समीक्षा में कुछ ग्राम प्रधानों द्वारा सहयोग न करने का मामला संज्ञान में आया। जिसके बाद सहयोग न करने पर ग्राम प्रधानों को नोटिस जारी किया गया है। – रोहित भारती, जिला पंचायत राज अधिकारी।

कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, चित्रकूट।

संख्या: 1330 / जि0आ0 अ0/ चित्रकूट / अपील व आ0 सू0/2025–26/ दिनांक. नवम्बर 21. 2025

हिन्दी दैनिक अमृत विचार की ७वीं वर्षगांठ पर सभी जनपदवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

अपील/आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि युवाओं के बीच नशा का बढ़ता प्रचलन चिंता का विषय है इस नशे की आदत से युवा वर्ग समाज के रचनात्मक विकास में अपना योगदान नहीं कर पा रहा है। ऐसी स्थिति में आप सभी से अपील है कि युवाओ को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें नशीली दवाओं के दुष्प्रभाव के सम्बन्ध में जागरूक करे, ताकि युवा वर्ग नशा मुक्त जीवन यापन करते हुए समाज के रचनात्मक विकास में महत्वपूर्ण सदस्य की भूमिका अदा कर सकें।

(अखिलेन्द्र बहादुर सिंह)
जिला आबकारी अधिकारी चित्रकूट।

पुलकित गर्ग
जिलाधिकारी चित्रकूट

डीएम ने डिजिटाइजेशन का लिया जायजा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: जनपद में चल रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआइआर) के क्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी/ डीएम ने सदर तहसील एवं नगर पंचायत न्यूरिया कार्यालय पहुंचकर डिजिटाइजेशन के कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने तहसील सदर में डिजिटाईजेशन कार्यों का जायजा लेते हुए कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

जिला निर्वाचन अधिकारी/ डीएम ज्ञानेंद्र सिंह शनिवार को चल रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यों का जायजा लेने न्यूरिया पहुंचे। यहां उन्होंने नगर पंचायत कार्यालय में मतदाताओं एवं जमा किए गए गणना प्रपत्रों की संख्या के बारे में जानकारी ली। साथ ही उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकत्र और कोटेदारों को घर-घर जाकर फार्म जमा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गणना प्रपत्र भरवाने एवं जमा कराने के लिए कैंप लगाएं जाए। इसके बाद उन्होंने सदर तहसील के अंतर्गत कंपोजिट विद्यालय पकड़िया नौगवा का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने विद्यालय में मौजूद बीएलओ से घर-घर जाकर किए जा रहे गणना प्रपत्र वितरण की जानकारी ली और अभियान को प्रभावी रूप से संचालित करने के निर्देश दिए। इस दौरान एसडीएम सदर श्रद्धा सिंह, एसडीएम अमरिया मयंक गोस्वामी, तहसीलदार सदर अर्ची गुप्ता समेत नायब तहसीलदार, सुपरवाइजर, बीएलओ मौजूद रहे।

कैंपों में जमा किए गए जा रहे गणना प्रपत्र

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण को लेकर जनपद की चारों विधानसभा में कैंपों का आयोजन भी शुरू कर दिया गया है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी/एडीएम वित्त प्रसून द्विवेदी ने बताया कि कैंपों के माध्यम से मतदाताओं के गणना प्रपत्र जमा करने और डिजिटाइजेशन का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि एसआइआर निर्धारित अवधि में पूरा किया जा सके, इसको लेकर कैंपों की संख्या बढ़ाई जा सकती है।

ई–केवाईसी से बदलेगी तस्वीर एक क्लिक पर मिलेंगी सुविधाएं

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- मोबाइल नंबर सीधे बिजली कनेक्शन से जुड़ेंगे, ज्यादातर सेवाएं आएंगी व्हाट्सएप पर

अमृत विचार : बिजली सेवाओं को पूरी तरह डिजिटल और उपभोक्ता-हित में बदलने की दिशा में पावर कारपोरेशन ई-केवाईसी अभियान को पुनः शुरू कर उपभोक्ताओं के मोबाइल नंबर सीधे उनके बिजली कनेक्शन से जोड़ने की शुरुआत की है। जिसके बाद बिल से लेकर शिकायत निस्तारण तक की करीब सभी सुविधाएं एक क्लिक में मोबाइल पर उपलब्ध होंगी।

बता दें कि बिजली उपभोक्ताओं को डिजिटल रूप से और अधिक सक्षम बनाने के लिए बिजली निगम ने ई-केवाईसी अभियान को दोबारा शुरू करने का निर्णय लिया है। इस अभियान के तहत उपभोक्ताओं के मोबाइल नंबर उनके बिजली कनेक्शन से जोड़े जाएंगे, जिससे उन्हें व्हाट्सएप आधारित कई जरूरी सेवाएं घर बैठे मिल सकेंगी। अफसरों के अनुसार जेई से लेकर एसडीओ तक के अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर दी गई है और प्रत्येक स्तर पर लक्ष्य भी निर्धारित किए गए हैं। एक्सईन पंकज भारती ने बताया कि ई-केवाईसी अभियान का उद्देश्य उपभोक्ताओं को तेज सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि डिजिटल सुविधा से अधिक उपभोक्ताओं के जुड़ने पर शिकायतों का निस्तारण भी जल्दी हो सकेगा।

स्वास्थ्य शिविर में इलाज कराने के लिए लगी भीड़

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : समाजसेवा और जनकल्याण की भावना को लेकर शनिवार को उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के सहयोग से एक विशाल निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य समाज के आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद लोगों को उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उनके घर के नजदीक निःशुल्क उपलब्ध कराना था।

मुख्य अतिथि राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार ने फीता काटकर चिकित्सा शिविर की शुरुआत कराई। बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लिया। डॉ. नूरुल कमर , डॉ. प्रतीक गंगवार , डॉ. हर्षित अग्रवाल , डॉ. अभिषेक सक्सेना ,डॉ. विनय गंगवार, डॉ. रीतिका श्रीवास्तव आदि चिकित्सकों की टीम मौजूद रही। मरीजों को निशुल्क दवा दी गई। ब्लड प्रेशर, शुगर, ईसीजी समेत अन्य आवश्यक पैथोलॉजी जांचों की व्यवस्था मुफ्त की गई।

डॉक्टर के परामर्श और जांच के बाद मरीजों को आवश्यक दवाइयां भी मुफ्त में वितरित की गईं। राज्यमंत्री ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है। आज के समय में चिकित्सा सुविधाएं महंगी होने के कारण कई बार गरीब व्यक्ति अपना इलाज नहीं करा पाता। ऐसे में व्यापार मंडल द्वारा किया गया यह आयोजन नर सेवा ही नारायण सेवा का जीता जागता उदाहरण है। सरकार के साथ-साथ सामाजिक संगठनों का आगे आना समाज को एक नई दिशा देता है। व्यापार मंडल ज़िला अध्यक्ष एमए जिलानी, रणवीर पाठक , नाहिद ख़ान समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष तृतीया 07:25 उपरांत चतुर्थी विक्रम संवत 2082

रविवार, 23 नवंबर 2025, वर्ष 6, अंक 364, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

दैनिक अमृत विचार, समाचार पत्र, बरेली के
6वें स्थापना दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं

"AN ISLAND OF EXCELLENCE"
महाजन अस्पताल
टेलीफोन टॉवर के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली।
सम्पर्क: 0581-253105555, 9412289888, 8954244888

डॉ. आर.के. महाजन
M.B.B.S., M.S. , Mch (Neuro Surgery)
सीनियर न्यूरो सर्जन
✦ ब्रेन ट्यूमर ✦ दिमाग में पानी भरना ✦ दिमाग में खून का जमना
✦ सिरदर्द व माइग्रेन ✦ ब्रेन हेमरेज ✦ फालिज ✦ मिर्गी के दौरे ✦ दिमागी बुखार

डॉ.पंखुड़ी मोंगा
M.B.B.S., M.D., DNB (Psy)
गोल्ड मेडलिस्ट
मनोचिकित्सक

डॉ.नीरज कपूर
M.B.B.S., MD (Medicine)
डायबिटीज, चेस्ट
एवं हृदय रोग विशेषज्ञ

डॉ.चारु श्रीवास्तव
M.B.B.S., M.S. (Gynae)
स्त्री एवं प्रसूति
रोग विशेषज्ञ
पूर्व चिकित्सक
श्री राम मनोहर लोहिया अस्पताल, लखनऊ
पी.डी.हिन्दुजा अस्पताल, मुम्बई
24 घण्टे सम्पूर्ण शरीर का सीटी स्कैन

डॉ. निलय राज महाजन
M.B.B.S., M.S. (Orthopedic)
आर्थो सर्जन
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
पूर्व चिकित्सक
सरगंगाराम अस्पताल, नई दिल्ली
श्री राम मनोहर लोहिया अस्पताल, लखनऊ
पोर्टेबल वेड साइड एवं रेगुलर एक्स-रे यूनिट, सी-आर्म

अल्ट्रासाउण्ड, ईको, मॉड्युलर ओ.टी.
(न्यूरो, आर्थो, गायनी, जनरल एवं आई.सी.यू.)

आयुष्मान भारत के तहत
नि:शुल्क
इलाज की सुविधा

✓ हड्डी एवं जोड़ रोग विभाग
✓ यूरो सर्जरी विभाग
✓ स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग
✓ जनरल सर्जरी विभाग

दैनिक अमृत विचार, बरेली के ७वें
स्थापना दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

प्रदेश से लेकर देश तक नाम रोशन करने वाली बरेली की
मॉडल ग्राम पंचायत भरतौल की सफलता की कहानी

मॉडल ग्राम पंचायत भरतौल में पिछले कई वर्षों में राष्ट्रीय स्तर एवं राज्य स्तरीय कई पुरस्कार प्राप्त किये है।

1. निर्मल ग्राम पुरस्कार (महामहिम ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जी के द्वारा वर्ष 2007)
2. सार्क सम्मेलन में प्रतिभाग किया (स्थान विज्ञान भवन नई दिल्ली वर्ष 2008)
3. नरेगा सम्मेलन में प्रतिभाग किया (स्थान नई दिल्ली वर्ष 2009)
4. पंडित दीन दयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तीकरण राष्ट्रीय पुरस्कार(वर्ष 2020- 2021)
5. मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन राज्यस्तरीय पुरस्कार (वर्ष 2020-2021)
6. डा. राम मनोहर लोहिया राज्य स्तरीय पुरस्कार (वर्ष 2020-2021)
7. स्मार्ट ग्राम पंचायत राज्यस्तरीय पुरस्कार (वर्ष 2020-2021)
8. यशस्वी प्रधान चुने जाने पर सम्मान पत्र राज्यस्तरीय (वर्ष 2021-2022)
9. मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन राष्यस्तरीय (वर्ष 2022-2023)
10. आई.एस.ओ. सर्टीफिकेट क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम राष्ट्स्तरीय (वर्ष 2023)
11. स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) उत्तर प्रदेश स्वच्छ ग्राम पंचायत सम्मान राज्यस्तरीय पुरस्कार (वर्ष 2023)
12. देश मे दूसरा राष्ट्रीय बाल हितैषी पंचायत पुरुस्कार-2025
13. 26 जनवरी 2025 को राष्ट्रपति द्वारा लाल किला परेड में आमन्त्रण
14. स्मार्ट ग्राम पंचायत पुरस्कार 2025
15. मॉडल गांव में प्रदेश में पहला स्थान 2025
16. पीएआई इंडेक्स में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मान 2025

भरतौल की प्रधान प्रवेश कुमारी को बाल हितैषी पंचायत का राज्य पुरस्कार मिला

विवेक गंगवार
सचिव

अमृत विचार के 6वें स्थापना दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

DR. BASU EYE HOSPITAL
Ayurvedic Centre to care Cataract and Retinal Diseases without Operation
Estd. 1980

FIRST TIME
IN THE WORLD
Curing Cataract and Retinal
Problems with Ayurveda Treatment

बिना आपरेशन के इन बीमारियों का इलाज करते हैं
- कम पका मोतियाबिंद
- कलर ब्लाइंडनेस
- डायबिटिक रेटिनोपैथी
- मैक्यूलर डिजनरेशन
- काला पानी या काला मोतिया
- निकट एवं दूर दृष्टि
- रेटिनाइटिस पिगमेंटोसा
- कंप्यूटर विजन सिंड्रोम

Dr. MAHENDER SINGH BASU
Founder Jagat Pharma &
Dr. Basu Eye Hospital

Dr. MANDEEP SINGH BASU
Director of Jagat Pharma &
Dr. Basu Eye Hospital

JAGAT PHARMA
MANUFACTURER OF AYURVEDIC PRODUCTS

Our Vision is to
Create a World free from Blindness

www.drbasueyehospital.com | 1800 4122 2104
23-B, EKTA NAGAR STADIUM ROAD, BAREILLY 243122 U.P. INDIA
135 GROUND FLOOR, POCKET 1 JASOLA NEW DELHI 110025 INDIA

अमृत विचार के 6वें स्थापना दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं

Sethi Sons
Retail
A Unit of Bombay Hosiery Family

KIDS LADIES GENTS

Twin Tower, Macnair Road,
Near Dharamkanta,
Prem Nagar, Bareilly (UP)

Rakesh Sethi

पिछले 62 सालों से आपकी सेवा में

Geet Sethi

9837026936, 9450175782

न्यूज ब्रीफ

एसपी के आदेश पर मारपीट की रिपोर्ट दर्ज

बीसलपुर, अमृत विचार : एसपी के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने रंजिशन हमला करने के मामले में रिपोर्ट दर्ज की है। गांव वैदखेड़ा निवासी नंदराम ने बताया 15 नवंबर की शाम 5 बजे वह घर के बाहर बैठे थे। इसी दौरान पड़ोसी पूरनलाल, सत्यपाल, हिमांशु, प्रियांशु, दीपक, गौरव रंजिशन घर के बाहर आकर गाली गलौज करने लगा। विरोध करने पर हमला कर मारपीट की गई। शोर सुनकर बचाने पहुंची बेटी गायत्री देवी , रूबी देवी और चचेरा भाई नरेंद्र को भी पीटा। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

घर में घुसकर महिला को पीटा, केस दर्ज

पीलीभीत,अमृत विचार : गजरौला थाना क्षेत्र के ग्राम नदहा निवासी प्रमिला देवी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 13 अक्टूबर की दोपहर 12 बजे वह घर में बच्चों के साथ बैठी हुई थी। तभी पड़ोस के रहने वाले हरप्रसाद उनकी पत्नी धनदेवी, पुत्र राजेश, पुत्रवधू शारदा, दूसरा पुत्र सत्यपाल और उसकी पत्नी मंजू लाठी डंडे धारदार हथियार लेकर उसके घर में घुस आए। आरोपियों ने गाली गलौज करते हुए हमला कर दिया। जिसमें वह घायल हो गई।

धान रिजेक्ट करने से पूर्व किसानों को देना होगा सुखाने का मौका

जिलाधिकारी ने धान रिजेक्ट करने की प्रक्रिया को लेकर केंद्र प्रभारियों को दिए निर्देश, बिचौलियों पर सख्ती करने के लिए कहा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : क्रय केंद्रों पर पहुंच रहे किसानों को अब धान के रिजेक्ट किए जाने की समस्या से परेशान नहीं होना पड़ेगा। इसमें पारदर्शिता लाने के लिए डीएम ने निर्देश जारी किया है। अब धान रिजेक्ट करने से पहले सुखाने का समय किसानों को देना पड़ेगा। इसके अलावा दो गवाहों की मौजूदगी में सैंपलिंग करनी होगी। एक सैंपल किसान को भी देना होगा। डीएम के निर्देश के बाद सुधार की उम्मीद किसान जता रहे हैं।

बता दें कि 3 अक्टूबर से जिलेभर में सरकारी धान खरीद की शुरुआत की गई है। इसके पचास दिन पूरे हो चुके हैं। अभी तक 5523 किसानों 36892.01 मीट्रिक टन धान की खरीद की गई है। मंडी समिति में शनिवार को भी चंद क्रय केंद्रों पर ही धान की तौल की गई। अधिकांश क्रय केंद्रों पर सन्नाटा छाया रहा। डस्टर तराजू ताले में बंद थे, जबकि कइयों

मंडी समिति पीलीभीत में एक क्रय केंद्र पर होती धान की तौल। ● अमृत विचार

- क्रय केंद्रों के बाहर ट्रैक्टर ट्रॉलियां तौल के इंतजार में खड़ी थी

के क्रय केंद्र प्रभारी भी नदारद थे। पूर्व की भांति क्रय केंद्रों के बाहर ट्रैक्टर ट्रॉलियां तौल के इंतजार में खड़ी थी। हालांकि उठान की दिक्कत अभी भी बनी हुई है। बीते कुछ दिनों से क्रय केंद्रों पर सन्नाटे के पीछे एक वजह ये भी बताई जा रही है कि बिचौलियों की दस्तक है। ऐसे में धान की जांच टीम बनाकर की जा रही है। उधर, किसानों का आरोप था कि धान मनमानी करते हुए रिजेक्ट किया जा रहा है। ऐसे में इन समस्याओं का डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने संज्ञान लिया है।

उन्होंने समस्त क्रय केंद्र प्रभारियों को निर्देश दिए हैं कि किसी भी किसान का धान रिजेक्ट करने से पहले उसे सुखाने का मौका देना होगा। धान रिजेक्ट करते वक्त दो गवाहों की मौजूदगी में सैंपल शील्ड किया जाएगा और किसान को शील्ड सैंपल की एक प्रति देनी होगी। इतना ही किसान किसान को ये भी बताना होगा कि रिजेक्शन को लेकर तहसील व जिला स्तर पर बनी कमेटियों को पुनः अपील कर उसकी गुणवत्ता का विश्लेषण कराया जा सकता है। ऐसे में किसानों के सामने आ रही धान रिजेक्ट करने की परेशानी का काफी हद तक समाधान हो सकेगा। वहीं, बिचौलियों को लेकर सख्ती बरकरार रहेगी।

केंद्र प्रभारी कर रहे तौल करने से इन्कार, किसान परेशान

बीसलपुर, अमृत विचार : राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के कार्यकर्ताओं ने मंडी समिति गेट पर धान क्रय केंद्र के प्रभारियों द्वारा किसानों का धान क्रय न करने पर नाराजगी जताई। कार्यकर्ता मंडी गेट पर ही धरने पर बैठ गए और फिर मांगों से जुड़ा ज्ञापन तहसीलदार अवधेश कुमार को सौंपा। ज्ञापन में राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के जिला अध्यक्ष गुल्लू पहलवान ने कहा कि किसानों का शोषण मंडी में स्थित धान क्रय केंद्रों पर किया जा रहा है। धान क्रय करने से मना कर दिया जा रहा है। जिस वजह से किसान का धान मंडियों में ट्रालियों में कई दिनों से खड़ा है। आरोप है, कि यूपीएसएस केंद्र संख्या 6,7,8 का संचालन कर रहे कर्मचारी किसानों के धान की तौल करने से स्पष्ट मना करते हैं। इसके अतिरिक्त बिचौलियों का धान की तोल कराई जा रही है। मांग की गई कि जो प्रभारी धान की तौल से मना करते हैं उनके केंद्र बंद कर दिए जाएं। प्रभावी कार्रवाई न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी। नायब तहसीलदार अवधेश कुमार से वार्ता के बाद भी काफी देर तक धरना चलता रहा।

बिना स्टेंन्सिंल मिला धान तो कार्रवाई तय

धान खरीद के दौरान बीच-बीच में उठ रहे सवालों को देखते हुए नियमों का पालन कराने पर भी जोर दिया जा रहा है। डिप्टी आरएमओ वीके शुक्ला ने निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक बोरे पर स्टेंन्सिल अवश्य लगाएं। अगर किसी भी क्रय केंद्र पर बिना स्टेंन्सिंल के धान पाया गया तो इसे शासनादेश का उल्लंघन मानते हुए सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कई एजेंसियों के क्रय केंद्र पड़े सूने

बता दें कि बीते दिनों अनियमित्ता एवं लापरवाही मिलने पर कार्रवाइयां की जा चुकी है। पीसीयू, पीसीएफ और यूपीएसएस के जिला प्रबंधकों को डीएम ने कारण बताओ नोटिस भी जारी किए थे। इसके बावूजद अभी भी इन एजेंसियों के क्रय केंद्रों पर हालात सुधरते नहीं दिख रहे हैं। मंडी समिति पीलीभीत की बात करें तो संबंधित एजेंसियों के क्रय केंद्र कई दिन से सूने पड़े हैं। उन पर मौजूद कर्मचारी भी कोई सटीक जानकारी नहीं दे रहे। इससे तमाम तरह की चर्चाएं भी तेज हो रही है।

मुलायम सिंह यादव को किया याद

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : सपा कार्यालय में शनिवार को मुलायम सिंह यादव की जयंती मनाई गई। उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया गया।

जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा ने कहा मुलायम सिंह यादव भारतीय राजनीति के एक प्रमुख नेता थे। उन्हें केंद्र सरकार ने पद्म विभूषण पुरस्कार से सम्मानित भी किया, उनका राजनीतिक जीवन बहुत ही समृद्ध और चुनौतीपूर्ण रहा। वरिष्ठ नेता अशोक शमशा एडवोकेट ने भी विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव नफीस अहमद अंसारी ने किया। इसके बाद खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया। राहगीरों को भी खिचड़ी बांटी गई। इस मौके पर नरेंद्र मिश्रा कट्टर, हाजी अकबर अहमद अंसारी, बालक राम सागर, विनोद वर्मा, सतेन्द्र मौर्य आदि मौजूद थे। वहीं पूरनपुर में समाजवादी युवजन सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार राजू के आवास पर कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष संजय सिंह यादव ने की। मुख्य अतिथि वरिष्ठ सपा नेता उमाशंकर यादव रहे। राजकुमार राजू ने कहा कि नेताजी सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि संघर्ष, सादगी और समाजवादी विचारधारा की जीवंत पहचान थे। हम सभी का कर्तव्य है कि उनके अधूरे सपनों को पूरा करें और समाजवादी मूल्यों को घर-घर तक पहुंचाएं। इस मौके पर मीता सिंह, मीनू शर्मा, अहीद खान, नाबीर अली मंसूरी, अनिल शर्मा, डॉ. वख़्श, भगवानदीन वर्मा, ठाकुरदास, आकाश भारती, इमरान वली खां आदि मौजूद रहे।

याद किए गए सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव

बीसलपुर, अमृत विचार : नगर स्थित सपा कार्यालय पर पार्टी के संस्थापक, पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की जयंती मनाई गई। गोष्ठी को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष शैलेश शर्मा एडवोकेट ने कहा कि सभी कार्यकर्ता मुलायम सिंह यादव के विचारों एवं नीतियों पर चलने का संकल्प लें, जिससे पार्टी को और अधिक गति प्रदान की जा सके। संचालन छात्र सभा जिलाध्यक्ष अभिषेक गंगवार ने किया। इस मौके पर हरिपाल सिंह लोधी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य राम प्रताप गंगवार, केदारनाथ गौतम, बीडी प्रजापति, मोहम्मद वलीउल्ला, वीरेश यादव, विनोद दिवाकर, मोहम्मद हारुन खान, अविनाश गंगवार, बंटी शर्मा, मुफस्सिल हसन अंसारी, विवेक गंगवार, देवदत्त गंगवार आदि मौजूद रहे।

अफसरों-कर्मियों को मुख्यालय से बाहर नहीं जाने के निर्देश

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : जनपद में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआइआर) अभियान चलाया जा रहा है। तमाम प्रयास के बाद अभियान गति नहीं पकड़ पा रहा है। समीक्षा के दौरान गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन की कार्रवाई की गति धीमी पाई गई। इस पर जिला निर्वाचन अधिकारी/डीएम ने अभियान की अवधि के दौरान किसी भी अधिकारी-कर्मचारी को बिना अनुमति मुख्यालय से बाहर न जाने के आदेश दिए हैं।

चुनाव आयोग के निर्देश पर जिले में 4 नवंबर से विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। सभी चारों विधानसभा में बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित करने और डिजिटाइजेशन का कार्य किया जा रहा है। इसमें 1522 बीएलओ लगाए गए हैं। 172 सुपरवाइजरों के अलावा पर्यवेक्षण के लिए 52 जिला स्तरीय अधिकारियों को भी लगाया गया है। इसके अलावा अन्य विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों की भी मदद ली जा रही है।

रविवार को खुले रहेंगे स्कूल-कॉलेज

जनपद में चल रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के क्रम में जिन स्कूल-कॉलेजों में मतदेय स्थल स्थापित होते हैं, ऐसे विद्यालय-कॉलेज अब रविवार को भी खोले जाएंगे। इसको लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी/डीएम ने आदेश जारी किए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी/डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने जारी आदेश में कहा कि 23 नवंबर को विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों से संबंधित जनपद के सभी शिक्षण संस्थाएं जहां पर मतदेय स्थल स्थापित होते हैं। ऐसे परिषदीय स्कूल, इंटर कॉलेज, डिग्री कॉलेज, पंचायत घर, नगर पंचायतें आदि खुले रहेंगे, ताकि वहां पर बीएलओ उपस्थित रहकर कार्य कर सकें।

सीओ के आश्वासन पर माने साधु संत, भूख हड़ताल की समाप्त

संवाददाता, बीसलपुर

अमृत विचार : ढाकुलिया बाबा स्थल के पास पुलिस द्वारा श्रद्धालुओं को पूजा अर्चना करने पर रोक टोक करने के खिलाफ साधु -संतों की ओर से शुरू की गई भूख हड़ताल समाप्त हो गई। दूसरे दिन सीओ ने पहुंचकर वार्ता की और आश्वासन दिया तो अनशनकारी मान गए।

बीसलपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम सखिया स्थित डॉक्टर ढाकुलिया बाबा स्थान पर संत सत्यागिरी महाराज ने संतों के साथ भूख हड़ताल शुक्रवार को शुरु की थी। उनका कहना था कि संबंधित स्थल पर श्रद्धालु जाते हैं तो उनको परेशान किया जाता है। पुलिस उन्हें वापस कर दे रही है। रास्ता भी बंद कर दिया गया है। शनिवार को सीओ प्रगति चौहान ने अनशन पर बैठे साधु -संतों से वार्ता की। वार्ता के दौरान साधु संतों ने आरोप लगाया कि पुलिस धार्मिक स्थल पर जाने वाले श्रद्धालुओं को रास्ते मे ही रोककर वापस लौटा रही है। धार्मिक स्थल के आसपास तार खिंचवाकर रास्ता बंद करा दिया गया है, जिससे श्रद्धालुओं को यहां तक आने में काफी परेशानी हो रही है। उन्होंने धार्मिक स्थल के पास व रास्ते में तैनात पुलिस को हटाने व रास्ते को खोले जाने की मांग की। सीओ ने समस्या का समाधान कराने का आश्वासन दिया। इस पर साधु संतों ने भूख हड़ताल समाप्त कर दी। इस मौके पर महंत सत्यगिरी, निर्मल गिरी, जितेंद्र गिरी, वीरेंद्र पुरी, बाबा श्याम गिरी, सुनील अवस्थी, अवनीश रात रत्न आदि मौजूद रहे। सीओ ने बताया कि धार्मिक स्थल पर सुरक्षा की दृष्टि से दो पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। पूजा अर्चना शुरू हो गई है।

भूख हड़ताल पर बैठे साधू संत से वार्ता करतीं सीओ प्रगति चौहान। ● अमृत विचार

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 98978382286

अब तक 17.42 लाख क्विंटल गन्ने की हो चुकी खरीद

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- रोजाना चीनी मिलों को 1.93 लाख क्विंटल गन्ने की हो रही सप्लाई
- डीसीओ ने पूरनपुर चीनी मिल गेट व यार्ड का किया निरीक्षण दिए निर्देश

अमृत विचार : गन्ना पेराई सत्र के तहत अब तक 17.42 लाख लाख क्विंटल गन्ना खरीद की जा चुकी है। वहीं गन्ना किसानों द्वारा रोजाना 1.93 लाख क्विंटल गन्ने की सप्लाई चीनी मिलों को की जा रही है। जिला गन्ना अधिकारी ने सभी सचिवों और ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षकों को भ्रमणशील रहते हुए गन्ना खरीद पर नजर रखने के निर्देश दिए हैं। शनिवार को जिला गन्ना अधिकारी ने किसान सहकारी चीनी मिल पूरनपुर गेट और यार्ड का निरीक्षण किया।

इस समय जिले की पीलीभीत, बरखेड़ा एवं पूरनपुर चीनी मिलें संचालित की जा चुकी हैं। बीसलपुर चीनी मिल भी 24 नवंबर से संचालित कर दी जाएगी। गन्ना विभाग के मुताबिक जनपद में 37371 गन्ना किसानों से प्रतिदिन 1.93 लाख क्विंटल गन्ना आपूर्ति की जा रही है। अब तक 17.42 लाख क्विंटल गन्ना खरीद की जा चुकी है। जिला गन्ना अधिकारी खुशीराम भार्गव ने सभी सचिवों एवं ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षकों को फील्ड में लगातार भ्रमण के निर्देश दिए है। उन्होंने किसानों से तौल कार्य में किसी भी असुविधा के लिए समिति के सचिव या चीनी मिल के अधिकारियों से संपर्क करने की की बात कही है। इधर, शनिवार को जिला गन्ना अधिकारी किसान सहकारी चीनी मिल पूरनपुर गेट एवं यार्ड का निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने किसानों से ताता एवं जड़ पत्ती अगोला रहित गन्ने की आपूर्ति करने का अपील की। उन्होंने बताया कि किसानों के पास पर्याप्त एसएमएस पर्ची उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर भेजी जा चुकी है। इस पेराई सत्र के लिए पूरनपुर चीनी मिल को मिल गेट सहित 14 गन्ना क्रय केंद्र आवंटित किए गए है। सभी क्रय केंद्र संचालित है। गन्ना का भी नियमित उठान किया जा रहा है। सभी क्रय केंद्रों पर लाइसेंस युक्त तौल लिपिकों की ही तैनाती की गई है। बताया कि निरीक्षण करने वाले अधिकारियों की सुविधा के लिए सभी मिल गेट एवं वाह्य गन्ना क्रय केंद्रों पर मानक बांट एवं निरीक्षण पुस्तिका उपलब्ध कराई गई है। निरीक्षण के दौरान चीनी मिल जीएम त्रिवेणी पाल, मुख्य गन्ना अधिकारी अजय यादव, किसान रतन लाल, खूब लाल, अवनीश कुमार, वेद प्रकाश मिश्रा आदि मौजूद रहे।

पूरनपुर चीनी मिल यार्ड में निरीक्षण के दौरान जानकारी लेते डीसीओ खुशीराम भार्गव।

तीन दिवसीय स्काउट गाइड शिविर का समापन

शिविर में बच्चों को पुरस्कृत करते अतिथिगण। ● अमृत विचार

दियोरियाकलां, अमृत विचार: एजीएम इंटर कॉलेज बिहारीपुर हीरा में शनिवार को तीन दिवसीय स्काउट गाइड शिविर का समापन किया गया। शिविर की शुरुआत 20 नवंबर को हुई थी।

छात्र छात्राओं ने सुंदर टेंट बनाकर शिविर सजाए। जिसमें कुल 19 टोलियां बनाई गई। जिसमें प्रथम टोली - मदर टेरेसा, द्वितीय टोली रानी लक्ष्मीबाई, तृतीय टोली शहीद भगत सिंह रही। तीनो टोलियों को अतिथियों द्वारा पुरुस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। स्काउट गाइड ट्रेनर रोहित कुमार ने छात्र छात्राओं को प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम के दौरान पूर्व जिला पंचायत सदस्य डॉ. तौलेराम गंगवार, पूर्व जिला पंचायत सदस्य विजयपाल गंगवार, राजकीय हाईस्कूल ईंटगांव के प्रधानाचार्य सुरेश चंद्र वर्मा रहे। संस्थापक एलपी गंगवार, अध्यक्ष इंद्रजीत गंगवार, प्रबंधक सर्वेश गंगवार, प्रधानाचार्य पंकज कुमार गंगवार, उपप्रधानाचार्य ओविद प्रकाश शुक्ला, सुनील कुमार, मनोज कुमार आदि मौजूद रहे।

कर्मचारियों के तबादले पर बढ़ी रार, ईओ पर भड़के सभासद, हंगामा

कार्यालय संवाददाता,पीलीभीत

- बोर्ड बैठक में जन्म-मृत्यु से लेकर तमाम कार्य में हो रही देरी पर उठे सवाल, पहुंची पुलिस
- चेयरमैन बोलीं: कार्यप्रणाली में नहीं हुआ सुधार तो शासन में करेंगी लिखित शिकायत

अमृत विचार : नगरपालिका में कर्मचारियों के तबादले का आदेश निरस्त करने को लेकर बढ़ी रार बोर्ड बैठक में दिखी। कुछ सभासद ईओ पर जमकर बरसे। कर्मचारियों के मनमाने तबादले और कार्यप्रणाली की अनियमितताओं को लेकर सभासदों ने ईओ पर आरोप लगाए। जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्रों से लेकर दैनिक कार्यों में हो रही लगातार देरी पर जब जवाब मांगा गया तो माहौल इतना तनावपूर्ण हो गया कि बैठक हंगामे में बदल गई। सभासदों का आरोप था कि ईओ की कार्यशैली से जनता परेशान हैं। हालात बिगड़ते देख चेयरमैन ने भी स्पष्ट शब्दों में चेताया कि यदि व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो शासन को लिखित शिकायत भेजी जाएगी। अंत में कुछ प्रस्ताव पर चर्चा की गई।

नगरपालिका में सभागार कक्ष में शनिवार को बोर्ड बैठक बुलाई गई। जिसकी अध्यक्षता चेयरमैन डॉ. आस्था अग्रवाल ने की। ईओ संजीव कुमार की निगरानी में बैठक की कार्यवाही शुरु हुई। कुछ दिन पहले किए गए कर्मचारियों के तबादले को लेकर घमासान शुरु हो गया। बैठक में सभासद अनस अंसारी का तर्क था कि ईओ द्वारा कार्यों को सही तरीके से नहीं किया जा रहा है। उनकी वजह से विकास कार्यों में बाधा पहुंच रही है। वे अपने मन से आदेश करते हैं और अपने मन से ही उन आदेशों को निरस्त कर देते हैं। इसके बाद सभासदों ने पूछा कि पूर्व में चेयरमैन और ईओ की संस्तुति से कर्मचारियों के तबादले हुए थे।उन्हें क्यों निरस्त किया गया। सभासदों ने हंगामा करते हुए ईओ पर मनमर्जी करने का आरोप लगाया। जिसके बाद ईओ बैठक छोड़कर चले गए। चेयरमैन ने कहा कि अगर ईओ की कार्यप्रणाली में सुधार नहीं हुआ तो उनके खिलाफ शासन में लिखा जाएगा। हंगामे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामला शांत कराया गया। इसके बाद बोर्ड की कार्रवाई शुरू हो सकी। बैठक में राज्य मंत्री प्रतिनिधि राकेश सिंह, सभासद साकेत सक्सेना, वतन दीप मिश्रा, विपिन कुमार राजू फौजी, गोकुल प्रसाद मौर्य, इकबाल हजरत, राशिद हुसैन, शरीफ अंसारी, जाहिदा बी, शैलेंद्र कौर, पुष्पा उपाध्याय, निर्मल सिंह टीटू, रत्ना शुक्ला, सुनीता सिंह, श्यामलता आदि मौजूद रहे।

बोर्ड बैठक में अपनी बात रखती नगर पालिका चेयरमैन डॉ. आस्था अग्रवाल।

बैठक में यह प्रस्ताव हुए स्वीकृत

बोर्ड बैठक में सर्वसहमति से ब्रह्मचारी घाट पर पर्यटन विभाग द्वारा रिटेंशन वाल बनाए जाने की जगह के परिवर्तन की बात कही। जिस पर सभासद ने सहमति दी। सेना के सहायक कमांडेंट शहीद राजेश राठौर की स्मृति में बल्लभनगर स्थित पार्क में उनके जूते और वर्दी लगाकर स्मारक बनाया जाएगा। इतना ही नहीं पालिका की व्यवस्था में सुधार करने के लिए नए अधिवक्ता की नियुक्ति करने पर भी विचार किया गया। सभासदों शिखा वर्मा द्वारा जन्म मृत्यु के प्रमाण पत्र के बनाए जाने में अत्यधिक देरी और सही समय पर काम न किए जाने की शिकायती की। इस पर बोर्ड ने जन्म मृत्यु के स्टाफ को तत्काल हटाकर जल्द ही अन्य स्टाफ को कार्यरत करने के लिए कहा। 15वें वित्त टाइड / अनटाइड के अंतर्गत व शासन द्वारा संचालित विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं (पंडित दीनदयाल उपाध्याय योजना सीवरेज एवं जल निकासी योजना वंदन योजना आदि) के अंतर्गत डीपीआर बनाकर स्वीकृति उपरांत विकास कार्य किए जाने के लिए सहमति बनी।

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष तृतीया 07:25 उपरांत चतुर्थी विक्रम संवत 2082

रविवार, 23 नवंबर 2025, वर्ष 6, अंक 364, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

■ शीतकालीन सत्र के लिए 10 विधेयक सूचीबद्ध, उच्च शिक्षा आयोग विधेयक भी शामिल - 8

■ श्रम संहिता से मजबूत होगा देश का निर्यात तंत्र - 8

■ अमेरिका की अड़चन के बावजूद जारी किया गया जी-20 घोषणा पत्र - 9

■ गुवाहाटी टेस्ट में कुलदीप यादव ने कराई भारत को वापसी - 10

शुभकामना संदेश

दैनिक **अमृत विचार** के छह वर्ष पूर्ण होना केवल एक औपचारिक पड़ाव नहीं, बल्कि निरंतर उत्कृष्टता, मेहनत और जनविश्वास की एक उल्लेखनीय यात्रा है। इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई।

कम समय में आपने जिस निष्ठा और संतुलन के साथ पत्रकारिता के अपने कर्तव्य को निभाया है, वह प्रशंसनीय है। समाचारों की सत्यता, विचारों की सार्थकता और जन सरोकारों के प्रति आपकी प्रतिबद्धता ने आपको पाठकों का भरोसेमंद मंच बनाया है। आज बरेली, लखनऊ, कानपुर, मुरादाबाद, हल्द्वानी और अयोध्या में प्रकाशित होकर आप एक व्यापक पाठक वर्ग के लिए विश्वसनीय सूचना का स्रोत बने हैं।

लोकतंत्र में मीडिया केवल सूचना का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को सही दिशा देने वाली महत्वपूर्ण शक्ति है। जनहित के मुद्दों को तथ्यपरक और रचनात्मक ढंग से उठाने में आपकी भूमिका सराहनीय रही है। सुशासन, पारदर्शिता और विकास के मुद्दों पर आपकी दृष्टि ने संवाद की गुणवत्ता को मजबूत किया है।

मुझे विश्वास है कि इसी भावना के साथ आगामी समय में भी आप सकारात्मक और निर्भीक पत्रकारिता के माध्यम से समाज और राष्ट्र के विकास में अपनी भूमिका और सशक्त करते रहेंगे।

अमृत विचार के सम्पूर्ण परिवार को भविष्य के लिए शुभकामनाएं। सतत प्रगति करें और नई ऊंचाइयों को स्पर्श करें।

योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश

घुसपैठियों पर सख्त कार्रवाई की तैयारी

जिलाधिकारियों को सीएम योगी के निर्देश- जिले में बनाएं निरुद्ध केंद्र

• कहा- कानून-व्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा को सर्वोच्च स्थान पर रखें

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में सरकार घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू करने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं कि घुसपैठियों की पहचान कर उन पर त्वरित और सख्त कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने घुसपैठियों को हिरासत में रखने के लिए सभी जिलों में अस्थाई निरुद्ध केंद्र भी बनाने का निर्देश दिया है।

मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों को जारी निर्देश में कहा है कि प्रदेश की कानून-व्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक समरसता सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और राज्य में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आधिकारिक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक जिले का प्रशासन अपने क्षेत्र में मौजूद घुसपैठियों की पहचान सुनिश्चित करें और उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई शुरू करें। अवैध घुसपैठियों को हिरासत में लेने और निरुद्ध करने के लिए मुख्यमंत्री ने प्रत्येक जिले में अस्थाई निरुद्ध केंद्र बनाने के भी निर्देश दिए हैं।

विदेशी नागरिकता वाले अवैध प्रवासियों को इन निरुद्ध केंद्रों में ही रखा जाएगा और सुनिश्चित किया जाएगा कि आवश्यक सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने तक वे वहीं रहें। मुख्यमंत्री ने कहा कि डिटेंशन सेंटरों में रखे गए अवैध घुसपैठियों को तय प्रक्रिया के तहत उनके मूल देश वापस भेजा जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को प्रयागराज में संगम क्षेत्र का निरीक्षण किया।

माघ मेले में 15 करोड़ श्रद्धालु करेंगे स्नान : योगी

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को यहां कहा कि प्रयागराज में तीन जनवरी से प्रारंभ हो रहे माघ मेले का दायरा 2024 के मेले की तुलना में बढ़ाया गया है और इस बार मेले में 12 से 15 करोड़ श्रद्धालुओं के स्नान करने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने मेला प्राधिकरण के सभागार में समीक्षा बैठक के बाद कहा, प्रदेश के सभी विभागों को आयोजन से जोड़ा गया है। लोक निर्माण विभाग संपर्क मार्गों के साथ सात अस्थाई पुल का निर्माण करेगा। जल निगम 242 किमी लंबी पेयजल पाइप लाइन और 85 किमी की सीवर लाइन बिछाएगा ताकि एक बूंद भी दूषित जल गंगा या यमुना में ना जाने पाए। 20-20 बिस्तरों के दो अस्पताल बनाए जा रहे हैं, 12 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भी बनाए जाएंगे। क्षेत्र में 17 थाने, 42 पुलिस चौकियां, 20 दमकल गाड़ियां, सात अग्निशमन चौकियां और 20 अग्निशमन निगरानी टावर, एक जल पुलिस थाना, एक जल पुलिस नियंत्रण कक्ष और चार जल पुलिस उप नियंत्रण कक्ष होंगे।

मुख्यमंत्री के निर्देश

- सभी जिलों में प्रशासन करेगा अवैध घुसपैठियों की पहचान और सत्यापन।
- प्रशासन, पुलिस व खुफिया विभाग को संयुक्त अभियान चलाने का निर्देश।
- प्रत्येक जिले में अस्थाई डिटेंशन सेंटर (निरुद्ध केंद्र) स्थापित किए जाएंगे।
- सभी डिटेंशन सेंटरों में अनिवार्य रूप से होंगी सुरक्षा व बुनियादी सुविधाएं।
- फर्जी दस्तावेज और नेटवर्क चलाने वालों पर भी कड़ी कार्रवाई का निर्देश।

इस साल भी नहीं बढ़ेंगी बिजली दरें

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के साढ़े तीन करोड़ बिजली उपभोक्ताओं के लिए राहत की खबर है। राज्य में इस वर्ष भी बिजली की दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं की जाएगी। यह लगातार छठा वर्ष है जब उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ नहीं डाला गया है। नियामक आयोग के अनुसार अभी वर्तमान दरें ही यथावत रहेगी।

• नियामक आयोग ने खारिज किया प्रस्ताव, यथावत रहेंगी वर्तमान दरें

यूपी पावर कॉरपोरेशन ने इस बार बिजली की नई दरें बढ़ाने का प्रस्ताव नियामक आयोग के सामने रखा था। यूपी विद्युत नियामक आयोग ने इस प्रस्ताव को पूरी तरह खारिज कर दिया। आयोग के इस निर्णय के बाद उपभोक्ताओं को राहत मिली है। नियामक आयोग ने बहुमंजिला इमारतों और टाउनशिप से जुड़े मामलों के समाधान के लिए एक अलग कंसल्टेशन पेपर भी जारी किया है, ताकि इनसे संबंधित जटिलताओं का ठोस समाधान निकाला जा सके।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, **ये विरासत भी न हो जाए गुमनाम** व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

☞www.amritvichar.com

विकास मानदंडों पर पुनर्विचार करे दुनिया

मोदी ने जोहानिसबर्ग में जी- 20 सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को किया संबोधित

जोहानिसबर्ग, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक विकास मानदंडों पर गहन पुनर्विचार का शनिवार को आह्वान करने के साथ मादक पदार्थ-आतंकवाद गठजोड़ का मुकाबला करने के लिए जी-20 पहल तथा एक वैश्विक स्वास्थ्य सेवा प्रतिक्रिया दल बनाने का प्रस्ताव रखा। मोदी ने जी-20 नेताओं की बैठक के उद्घाटन सत्र में कहा कि जी-20 ने लंबे समय से वैश्विक वित्त और विकास को आकार दिया है, लेकिन प्रचलित मॉडलों ने बड़ी आबादी को संसाधनों से वंचित किया है और प्रकृति के अति-दोहन को बढ़ावा दिया है और ये चुनौतियां अफ्रीका में तीव्रता से महसूस की जा रही हैं।

मोदी ने 'एकात्म मानववाद' के सिद्धांत को भी प्रस्तुत किया और इसे भारत के सभ्यतागत मूल्यों का हिस्सा बताया। उन्होंने कहा कि यह विकास और प्रकृति के बीच संतुलन बनाने का मार्ग दिखाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाने पर ध्यान केंद्रित करना अधिक उपयुक्त है, क्योंकि यह महाद्वीप प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन का शिकार रहा है। प्रधानमंत्री ने इस दौरान वैश्विक पारंपरिक ज्ञान भंडार, जी-20-अफ्रीका कौशल विकास पहल, जी-20 वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल प्रतिक्रिया टीम और मादक पदार्थ-आतंकवाद गठजोड़ का मुकाबला करने पर जी-20 पहल समेत चार अग्रणी नई पहलों की रूपरेखा भी प्रस्तुत की।

मोदी ने 'समावेशी और सतत आर्थिक विकास, जिसमें कोई पीछे न छूटे' विषय पर आयोजित सत्र में कहा, अब हमारे लिए अपने विकास मानदंडों पर पुनर्विचार करने और समावेशी एवं सतत विकास पर ध्यान केंद्रित करने का सही समय है। भारत के सभ्यतागत मूल्य, विशेष रूप से 'एकात्म मानववाद' का सिद्धांत, आगे बढ़ने का मार्ग प्रदान करता है। उन्होंने इस बात को स्वीकार किया कि विश्वभर में अनेक समुदाय पर्यावरण-संतुलित, सांस्कृतिक रूप से समृद्ध तथा सामाजिक रूप से एकजुट जीवनशैली को संरक्षित रखते हैं।

इससे पहले जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने वाले शासनाध्यक्षों ने शनिवार को अमेरिका की अड़चन के बावजूद एक घोषणापत्र को सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया। दक्षिण अफ्रीका के अंतरराष्ट्रीय संबंध एवं सहयोग मामलों के मंत्री रोनाल्ड लामोला ने सरकारी प्रसारक 'एसएबीसी' के साथ बातचीत में इस घोषणापत्र को बहुपक्षवाद की पुष्टि करार दिया।

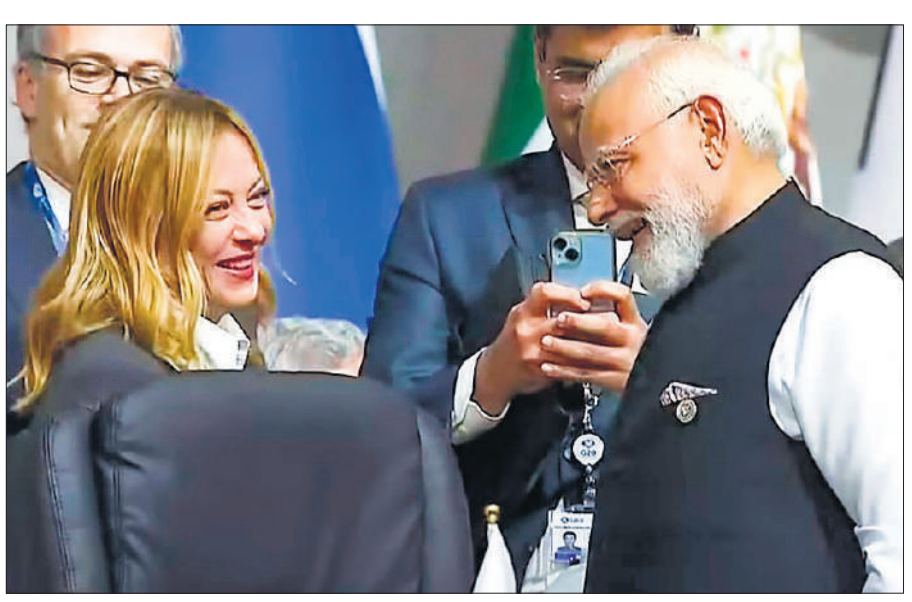

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जोहानिसबर्ग में अपनी इतालवी समकक्ष जॉर्जिया मेलोनी समेत कई वैश्विक नेताओं से मुलाकात की।

आइए मिलकर भयावह नशा आतंक गठजोड़ को करें कमजोर

प्रधानमंत्री ने कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी, विशेषकर फेंटानिल जैसे अत्यंत खतरनाक पदार्थों के प्रसार की चुनौती से निपटने के लिए भारत ने मादक पदार्थ-आतंकवाद गठजोड़ का मुकाबला करने के लिए जी-20 पहल का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने कहा, आइए मिलकर इस भयावह नशा आतंक गठजोड़ को कमजोर करें। मोदी ने कहा, इस पहल से तस्करी नेटवर्क को ध्वस्त करने, अवैध वित्तीय प्रवाह को रोकने और आतंकवाद के लिए प्रमुख वित्तपोषण स्रोत को कमजोर करने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री ने कहा, स्वास्थ्य आपात स्थितियों और प्राकृतिक आपदाओं का सामना करते समय जब हम मिलकर काम करते हैं, तो हम और भी मजबूत होते हैं। हमारा प्रयास साथी जी20 देशों से प्रशिक्षित चिकित्सा विशेषज्ञों की टीम तैयार करना होना चाहिए, जो किसी भी आपात स्थिति में तुरंत तैनाती के लिए तैयार रहें।

पारंपरिक ज्ञान भंडार के निर्माण का प्रस्ताव

प्रधानमंत्री मोदी ने जी-20 के अंतर्गत एक वैश्विक पारंपरिक ज्ञान भंडार के निर्माण का प्रस्ताव रखा। उन्होंने सभी क्षेत्रों में प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित करने के दृष्टिकोण के साथ जी20-अफ्रीका कौशल विकास का भी प्रस्ताव रखा, जिसे सभी जी20 भागीदारों द्वारा समर्थित और वित्तपोषित किया जाएगा। उन्होंने कहा, हमारा सामूहिक लक्ष्य अगले दशक के भीतर अफ्रीका में 10 लाख प्रमाणित प्रशिक्षक तैयार करना होना चाहिए।

रामाफोसा ने नमस्ते कहकर किया स्वागत

इससे पहले, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने शिखर सम्मेलन स्थल पर मोदी का 'नमस्ते' कहकर स्वागत किया। मोदी को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर, इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस जैसे वैश्विक नेताओं के साथ अनौपचारिक रूप से बातचीत करते देखा गया।

तौकीर के करीबी आरिफ का अवैध कॉम्प्लेक्स और शोरूम जमींदोज

जगतपुर रोड पर मो. आरिफ का अवैध कॉम्प्लेक्स ध्वस्त करती बीडीए की टीम।

कार्यालय संवाददाता, बरेली

• पीलीभीत रोड पर तिमंजिले शोरूम और पुराना शहर में दो मंजिला कॉम्प्लेक्स पर चला बुलडोजर
• बीडीए ने 11 अक्टूबर जारी किया था नोटिस, समयसीमा खत्म होते ही की ध्वस्तीकरण की कार्रवाई

अमृत विचार : शहर में दो माह पहले हुए बवाल के मुख्य आरोपी आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के करीबी फाहम लॉन के मालिक मो. आरिफ की करोड़ों रुपये की सील संपत्तियों को शनिवार को बीडीए ने बुलडोजरों से जमींदोज करना शुरू कर दिया। अधिकारियों और भारी पुलिस बल की मौजूदगी में पीलीभीत रोड स्थित तिमंजिला शोरूम और पुराना शहर में दो मंजिला कॉम्प्लेक्स पर शाम तक बुलडोजर चला।

बीडीए की टीम पहले जगतपुर स्थित मो. आरिफ के दोमंजिला अवैध कॉम्प्लेक्स पर पहुंची। यहां दो मंजिला कॉम्प्लेक्स में बिना नक्शा पास कराए 16 दुकानें बनाई गई थीं। बीडीए ने 11 अक्टूबर को नोटिस जारी किया था, लेकिन आरिफ ने कोई जवाब नहीं दिया। नोटिस की अवधि समाप्त होने के बाद शनिवार को पुलिस बल के साथ तीन बुलडोजर लेकर पहुंची बीडीए की प्रवर्तन टीम ने ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी। इस दौरान एडीएम सिटी सौरभ दुबे, एसडीएम रत्निका श्रीवास्तव, सीओ पंकज श्रीवास्तव मौके पर मौजूद रहे।

दूसरी ओर पीलीभीत बाईपास रोड स्थित आरिफ के ही तीन मंजिला शॉपिंग कॉम्प्लेक्स पर भी तीन बुलडोजर के साथ बीडीए की टीम पहुंची। पीएसी और पुलिस ने पूरे एरिया को घेर लिया। इस दौरान शोरूम में दुकानें चलाने वाले भी पहुंच गए। उन्हें दुकानों से सामान निकालने की मोहलत दी गई। दुकानों से सामान निकालने में करीब दो घंटे का वक्त लगा जिसके बाद बीडीए टीम ने बुलडोजर से पहले शटर तोड़ा और फिर पूरी इमारत को ढहाना शुरू कर दिया।

ब्रीफ न्यूज

पुंछ में खाई में गिरने से जेसीओ की मौत

मेंढर/जम्मू। जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में सेना के एक जूनियर कमीशन्ड अधिकारी (जेसीओ) की गलती से फिसलकर गहरी खाई गिर जाने से मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि सूबेदार शुक्रवार शाम को बेहरामगल्ला के सेरी मस्तान इलाके में एक तलाश अभियान दल का नेतृत्व कर रहे थे तभी एक खड़ी ढलान पर चढ़ते समय उनका संतुलन बिगड़ गया और वह खाई में गिर गए। उन्होंने बताया कि सेना के जवानों ने राहत अभियान शुरू किया और जेसीओ को मृत पाया। कानूनी और चिकित्सीय औपचारिकता पूरी होने के बाद जेसीओ के शव को अंतिम संस्कार के लिए उनके गृह नगर भिजवा दिया गया।

ब्राजील: पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो गिरफ्तार

साओ पाउलो। ब्राजील की संघीय पुलिस ने शनिवार को पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो को गिरफ्तार कर लिया। यह कदम ऐसे समय उठाया गया, जब तख्तापलट की कोशिश के लिए उनकी 27 साल की जेल की सजा अगले सप्ताह शुरू होने वाली थी। बोल्सोनारो (70) के एक करीबी सहयोगी ने बताया कि पूर्व राष्ट्रपति को राजधानी ब्रासीलिया में पुलिस फोर्स मुख्यालय ले जाया गया। बोल्सोनारो का नाम लिए बिना फोर्स ने एक बयान में कहा कि उसने ब्राजील के उच्चतम न्यायालय के आदेश पर कार्रवाई की। बोल्सोनारो 2019 से 2022 तक ब्राजील के राष्ट्रपति रहे थे।

तेलंगाना:37 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

हैदराबाद। तेलंगाना के डीजीपी बी शिवधर रेड्डी के समक्ष शनिवार को 37 माओवादियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। इनमें से तीन शीर्ष स्तर के माओवादी थे। रेड्डी ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों में तीन राज्य समिति के सदस्य कोय्यदा सांबैया (49) उर्फ आजाद, अप्पासी नारायण उर्फ रमेश (70), और मुचाकी सोमादा हैं। सांबैया और नारायण तेलंगाना समिति से संबंधित हैं, जबकि सोमादा माओवादियों की दंडकारण्य विशेष क्षेत्रीय समिति का हिस्सा था। इन माओवादियों ने एक एके-47 राइफल, दो एसएलआर राइफल, चार 303 राइफल, एक जी3 राइफल और 346 राउंड गोलियां सौंपी।

दिल्ली में आईएसआई से जुड़े हथियार तस्कर किए गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

• उत्तर भारत में संगठित गिरोहों को करते थे उच्च गुणवत्ता वाले विदेशी हथियारों की आपूर्ति

दिल्ली पुलिस ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह नेटवर्क पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए आने वाले विदेशी हथियारों की आपूर्ति दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश तथा पंजाब में संगठिक आपराधिक गिरोहों को करता था। इन शामिल तुर्किये निर्मित पीएक्स-5.7 मॉडल का इस्तेमाल सिर्फ स्पेशल फोर्स करती हैं।

पुलिस के अनुसार, हथियारों की तस्करी पाकिस्तान से विशेष ड्रोन के जरिए की जा रही थी जो रडार से बचने के लिए कम ऊंचाई पर उड़ने में सक्षम थे। सीमा के उस पार स्थित तस्कर हथियारों की खेप रात के समय पंजाब में अंतरराष्ट्रीय सीमा के संवेदनशील हिस्सों में पूर्व-निर्धारित जीपीएस स्थानों पर गिराते थे। इस खेप को उठाकर सुरक्षित ठिकानों तक ले जाया जाता था और फिर उसकी आपूर्ति पूरे देश के अपराध नेटवर्क को की जाती थी।

कवायद | राज्य सरकारें लेंगी फैसला, बेकाबू वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए सीएक्यूएम ने और कड़े किए ग्रैप नियम

दिल्ली-एनसीआर में वर्क फ्रॉम होम लागू करने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण के काबू से बाहर होते हालात के बीच वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (ग्रैप) के नियमों को और कड़ा कर दिया है। इसके बाद मौजूदा हालात में राज्य सरकारों को सरकारी और निजी कार्यालयों में आधे कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम देने पर फैसला करना होगा।

ग्रैप के तहत चार चरणों के प्रावधान हैं। प्रदूषण स्तर बढ़ने के साथ क्रमशः चरण-1, 2, 3 और 4 लागू होते हैं। आयोग 11 नवंबर से दिल्ली-एनसीआर में ग्रैप का तीसरा चरण लागू किया है। आयोग ने शुक्रवार को नियमों में जो बदलाव किए हैं, उसके तहत स्टेज-4 के कुछ प्रावधान अब स्टेज-3 का हिस्सा बन गए हैं। एनसीआर और राष्ट्रीय राजधानी प्रशासन के अधीनस्थ सरकारों को सरकारी, स्थानीय निकायों के और निजी कार्यालयों के 50 प्रतिशत कर्मचारियों को घर से काम करने की अनुमति देने पर फैसला करना होगा।

केंद्र सरकार भी ले सकती है ऐसा ही फैसला

केंद्र सरकार भी दिल्ली-एनसीआर में अपने कार्यालयों के लिए इसी तरह का फैसला ले सकती है। अब ग्रैप के पहले चरण में ही बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करनी होगी ताकि डीजी सेट तथा अन्य वैकल्पिक साधनों के इस्तेमाल को हतोत्साहित किया जा सके। यातायात को सुगम बनाना होगा। टेलिविजन, रेडियो और समाचार माध्यमों से लोगों को सुझाव दिया जायेगा और मेट्रो तथा बसों के फेरे बढ़ाकर सार्वजनिक परिवहन को प्रोत्साहित करना होगा। अब तक ये सभी प्रावधान स्टेज-2 में शामिल थे।

स्टेज-4 के कुछ प्रावधानों को अब स्टेज-3 में शामिल किया गया है। इनमें राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में सरकारों के लिए अपने कार्यालयों की टाइमिंग में अलग-अलग स्लॉट तैयार करना होता है। इसमें दिल्ली के साथ गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद और गौतम बुद्ध नगर शामिल हैं। एनसीआर के अन्य इलाकों के लिए भी यह नीति लागू करना संबंधित राज्य सरकारों के लिए वैकल्पिक होता है। सीएक्यूएम ने 17 नवंबर को उच्चतम न्यायालय में एक मामले की सुनवाई के दौरान नियमों में इन बदलावों का प्रस्ताव रखा था। अगली सुनवाई में 19 नवंबर को शीर्ष अदालत ने कहा था कि आयोग को इन प्रस्तावों को लागू कर सकता है।

विश्वस्तरीय होगी यूपी की चिकित्सा व्यवस्था

स्वास्थ्य सेवाओं में बेहतरी, लोगों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने, हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और सुदूर क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए योगी सरकार 8.5 वर्षों से मिशन मोड में काम कर रही है। 'स्वास्थ्य सबका अधिकार' नारा नहीं, बल्कि डबल इंजन सरकार की प्राथमिकता है। प्रदेश में 9 करोड़ से भी अधिक लोगों को आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पांच लाख रुपये का चिकित्सा सुविधा दिया गया है, ताकि समाज के अंतिम पायदान पर स्थित लोग पैसे के अभाव में इलाज से वंचित न रहें। 'एक जिला-एक मेडिकल कॉलेज' के संकल्प के तहत प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों का विस्तार किया गया है। हर जिले में डायलिसिस, सी.टी. स्कैन की सुविधा उपलब्ध कराने के साथ हेल्थ एटीएम स्थापित किये गये हैं। इसी क्रम में प्रदेश में मेडिकल डिवाइस पार्क, बल्क ड्रग पार्क व मेडटेक पार्क मूर्त रुप ले रहे हैं। प्रदेश अपनी सुदृढ़ रणनीतियों, नीतिगत पहल एवं प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से एक नवीन युग की ओर तेजी से अग्रसर है। यह परिवर्तन आकस्मिक नहीं, बल्कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में राज्य सरकार की दूरदर्शिता, मजबूत प्रतिबद्धता तथ जनहितैषी दृष्टिकोण का सशक्त प्रतिफल है। सरकार के प्रयासों से उत्तर प्रदेश आज बेहतर स्वास्थ्य सेवा देने में अग्रणी राज्य बन चुका है।

विकसित उत्तर प्रदेश समर्थ उत्तर प्रदेश 2047

प्रदेश के विकास के लिए अपने विचार और संकल्प साझा करने के लिए अभी क्यूआर कोड स्कैन करें या इस वेबसाइट पर विजिट करें।

http://samarthuttarpradesh.up.gov.in

वर्ष 2047 तक स्वास्थ्य के क्षेत्र में रणनीतिक लक्ष्य

- सार्वभौमिक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा की उपलब्धता
- स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के नेटवर्क का सुदृढ़ीकरण
- फार्मा और मेडटेक हब का विकास
- स्वास्थ्य कार्यबल का समग्र विकास
- स्वास्थ्य में एआई और जीनोमिक्स का प्रयोग
- डिजिटल स्वास्थ्य प्रणालियों का क्रियान्वयन

8.5 सालों में बेहतर होती स्वास्थ्य सुविधाएं

हर गरीब परिवार को 5 लाख रुपये तक का नि:शुल्क सुरक्षा कवच मिला। अब तक 56.30 लाख लाभार्थियों को मिला उपचार लाभ

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत देश में सर्वाधिक 5.21 करोड़ लाभार्थियों के कार्ड बनाये गये, अब तक लगभग 9 करोड़ से अधिक लाभार्थी आच्छादित

एडवांस लाइफ सपोर्ट सेवा की 250, नेशनल एंबुलेंस सेवा की 2,270 एवं 108 सेवा के तहत 2,200 एंबुलेंस संचालित

- प्रदेश के सभी पीएचसी में हेल्थ एटीएम की स्थापना
- प्रदेश में 5,000 नये स्वास्थ्य उप केंद्रों की स्थापना
- राज्य में 13.18 करोड़ आभा हेल्थ अकाउंट के निर्माण के साथ उत्तर प्रदेश देश में है प्रथम स्थान पर

- आयुष्मान भारत योजना प्रदेश के अंतर्गत प्रदेश में 5,834 अस्पताल (जिसमें 2,949 सरकारी और 2,885 निजी अस्पताल शामिल) सूचीबद्ध
- राज्य कर्मचारियों एवं पेंशनर्स के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय कैशलेस चिकित्सा योजना लागू
- राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत 6.81 लाख क्षय रोगी पंजीकृत, निक्षय पोषण योजना अंतर्गत इन रोगियों के इलाज के साथ 500 रुपये प्रतिमाह का हो रहा भुगतान
- प्रदेश के दूरदराज के मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा टेली कंसल्टेशन की व्यवस्था, अब तक 3.64 करोड़ मरीज लाभान्वित
- प्रदेश के 75 जनपदों में जिला चिकित्सालयों में डायलिसिस की नि:शुल्क सुविधा उपलब्ध
- मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेलों में अब तक 13.50 करोड़ मरीजों का उपचार
- नि:शुल्क डायग्नोस्टिक सेवा के अंतर्गत प्रदेश के 74 जनपदों में सी.टी. स्कैन सेवा उपलब्ध

चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ते कदम

- 'एक जिला एक मेडिकल कॉलेज' नीति के अंतर्गत प्रदेश में 80 मेडिकल कॉलेज संचालित
- गोरखपुर में योग एवं नैचुरोपैथी में उत्कृष्ट शोध को बढ़ावा देने हेतु महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय की स्थापना
- गोरखपुर और रायबरेली में एम्स का संचालन
- अयोध्या में राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय की स्थापना
- वाराणसी में राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज की स्थापना
- लखनऊ में अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय संचालित

- प्रदेश में वर्तमान में 2,110 आयुर्वेदिक, 254 यूनानी एवं 1,585 होम्योपैथिक चिकित्सालयों के साथ ही 8 आयुर्वेदिक कॉलेज एवं उनसे संबद्ध चिकित्सालय, 2 यूनानी कॉलेज एवं उनसे संबद्ध चिकित्सालय तथा 9 होम्योपैथिक कॉलेज एवं उनसे संबद्ध हुई चिकित्सालय संचालित
- एमडी, एमएस और डिप्लोमा सीटों की संख्या 900 से बढ़ाकर 1,871 हुई, निजी क्षेत्रों में कुल 2,100 पीजी सीटें हैं उपलब्ध
- सरकारी क्षेत्रों में 5,250 एम.बी.बी.एस. सीट, निजी क्षेत्र में 6,550 एम.बी.बी.एस. सीट तथा पीपीपी मोड के मेडिकल कॉलेजों में एम.बी.बी.एस. की 350 सीटें उपलब्ध
- नर्सिंग में 7,000 सीट्स और पारामेडिकल क्षेत्र में 2,000 सीटों की वृद्धि
- प्रदेश में कुल 31 नर्सिंग महाविद्यालयों की स्थापना की गई

ADVERTORIAL

न्यूज ब्रीफ

लापता किशोरियां सकुशल बरामद

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना मितौली क्षेत्र से छह दिन पहले लापता हुईं दोनों किशोरियों को एसओ रविंद्र सोनकर की टीम ने शनिवार सुबह उनके पिता की ननिहाल ओयल स्थित मामा के घर से बरामद किया है। पूछताछ में किशोरियों ने बताया कि मां की डांट से क्षुब्ध होकर वह मामा के घर चली गईं थीं।

ट्रैक्टर का एक्सल टूटने से लगा जाम

पलिया कला, अमृत विचार : कमल चौराहा पर ट्रैक्टर का पिछला एक्सल टूट गया। इससे ट्रैक्टर बीच सड़क पर फंस गया। इससे मार्ग पर दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गई। पुलिस ने किसी तरह से ट्रैक्टर को हटाकर किनारे किया। तब जाकर करीब दो घंटे बाद यातायात सुचारू हो सका।

चोरी की पर्स के साथ एक युवक गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना मैलानी पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। उसके पास से चोरी किया गया पर्स बरामद होने का दावा पुलिस ने किया है। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने सुशील गुप्ता निवासी नई बस्ती थाना भीरा को गिरफ्तार किया है। उसके पास से चोरी हुई पर्स और उसमें रखी 500 रुपये की नगदी बरामद हुई है। आरोपी का चालान भेजा गया है।

सिन्हौना के पंचायत भवन की हो रही दुर्दशा

दशकों पहले निर्मित भवन में बांधे जा रहे पशु, उपलने और भूसा रखने के आ रहा काम, कूड़े के लगे ढेर

संवाददाता, सिंगाही

अमृत विचार: ब्लॉक निघासन की ग्राम पंचायत सिन्हौना में दशकों पहले निर्मित पंचायत भवन जर्जर हालत में पहुंच चुका है। ग्रामीण उसमें पशु बांध रहे हैं और उपला-भूसा रखने लगे हैं। परिसर में चारों ओर गंदगी और अतिक्रमण का अंबार है। रखरखाव के अभाव में यह भवन कबाड़ का रूप ले लिया है।

शासन-प्रशासन स्तर पर नए पंचायत भवनों के निर्माण और आधुनिक सुविधाओं से लैस करने की योजनाएं लगातार चलाई जा रही हैं, लेकिन सिन्हौना में बना पुराना पंचायत भवन मरम्मत न होने से जर्जर हो चुका है। हालात यह हैं कि ग्राम पंचायत की बैठकें भवन में न होकर बाहर कभी प्राथमिक विद्यालय में तो कभी मंदिर परिसर में आयोजित की जाती हैं। ग्रामीणों का कहना है कि 35 से 40 वर्ष पहले बना यह भवन पूरी तरह जीर्ण-शीर्ण हो चुका है, लेकिन न तो ग्राम पंचायत स्तर से और न ही ब्लॉक स्तर पर इस दिशा में किसी तरह की सक्रियता दिखाई दे रही है। पंचायत सचिव आशीष कुमार उन्होंने कहा

पशुओं का डेरा बना जर्जर पंचायत भवन। ● अमृत विचार

जर्जर पंचायत भवन पर लगा कूड़े का ढेर । ● अमृत विचार

> सिन्हौना का पंचायत भवन पूरी तरह जर्जर है और इसकी मरम्मत संभव नहीं है। नवनिर्माण के लिए उच्चाधिकारियों को प्रस्ताव भेज दिया गया है। आवश्यकता होने पर नए पंचायत भवनों का निर्माण कराया जाएगा और ग्रामीणों की समस्याएं सुनने के लिए बैठक भी की जाएगी।
> –जयेश कुमार सिंह, बीडीओ निघासन।

● **35 साल पुराना है भवन में चारों तरफ फैली गंदगी**

कि पंचायत भवन को नव निर्माण हेतु कार्य योजना में शामिल किया गया है। ग्रामीणों की मांग है कि जल्द से जल्द नया पंचायत भवन बनाया जाए, ताकि ग्राम पंचायत की बैठकें और विकास कार्य व्यवस्थित रूप से संचालित हो सकें।

अधिकारी अक्सर इन भवनों की अनदेखी करते हैं। कई पंचायत भवन कागजों में दिखाई देते हैं, पर जमीन पर उपयोग नहीं हो पाता, जिससे वर्षों के भीतर ही वे बर्बाद हो जाते हैं। इसका असर सीधे विकास योजनाओं पर पड़ता है।
–नेवल किशोर, पूर्व प्रधान प्रत्याशी।

पंचायत भवन की मरम्मत के लिए प्रस्ताव दिया गया था, लेकिन पूरी प्रधानी बीत गई और न मरम्मत हुई, न नया भवन बना। मजबूरी में पंचायत की कार्य योजनाएं प्राथमिक विद्यालय, प्रधान के घर या ब्लॉक परिसर में तैयार की जा रही हैं।
–बलभद्र गुप्ता पूर्व प्रधान।

जनपद में कई पंचायत भवन केवल दिखावे के लिए बनाए जाते हैं। उनका उपयोग नहीं किया जाता है। जिसे कारण से उसकी देखभाल नहीं हो पाती है। धीरे-धीरे खरपतवार उग आते हैं, जिसके कारण वे समय से पहले ही जर्जर हो जाते हैं।
–जसबीर सिंह समाजसेवी।

कार्य योजनाओं की बैठकें प्राथमिक विद्यालय में कराई जाती हैं। गांव में बनाए गए पंचायत भवन की दुर्दशा के संबंध में कई बार ब्लॉक अधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन जांच के अलावा कोई कार्रवाई नहीं की गई।
–शिवराज कनौजिया, प्रधान पति।

भवनों का नियमित निरीक्षण होना चाहिए ताकि समस्या बढ़ने से पहले मरम्मत हो सके। जर्जर भवनों का तत्काल नवीनीकरण आवश्यक है।
–सुधीर गुप्ता ग्रामीण।

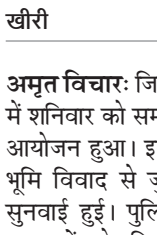

गांवों में बनने वाले पंचयत भवनों का ब्लाक स्तर से अधिकारियों को कभी-कभी निरीक्षण करना चाहिए। ग्रामसभा को भी पंचायत भवनों के रखरखाव पर नजर रखनी चाहिए और आवंटित धन का सही उपयोग सुनिश्चित करना चाहिए।
–पवन वर्मा ग्रामीण।

कोतवाली सदर में डीएमव एसपी ने सुनी समस्याएं

कोतवाली सदर में शिकायत सुनती डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल व एसपी संकल्प शर्मा ।

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● **राजस्व-पुलिस से संबंधित शिकायतें का निस्तारण आपसी सामंजस्य से कराएं**

अमृत विचार: जिले के सभी थानों में शनिवार को समाधान दिवस का आयोजन हुआ। इसमें पुलिस और भूमि विवाद से जुड़े मामलों की सुनवाई हुई। पुलिस, प्रशासनिक अफसरों ने शिकायत सुनकर निस्तारण कराया। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल और एसपी संकल्प शर्मा ने कोतवाली सदर में फरियादियों से रूबरू होकर समस्याएं सुनी।

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि राजस्व-पुलिस से सम्बन्धित शिकायतें का निस्तारण आपसी सामंजस्य से सुनिश्चित कराएं। इसमें किसी भी स्तर पर हीलाहवाली क्षम्य नहीं होगी। पीड़ितों की समस्याओं को खुद समझ कर दूर करें। फोर्स के साथ राजस्वकर्मी मौके पर जाकर विवादित मामलों का निस्तारण करें। अगर मामला गंभीर है तो तत्काल एसडीएम, तहसीलदार को अवगत कराएं, ताकि अधिकारी मौके पर जाकर समाधान करें। डीएम-एसपी ने फरियादियों की समस्याओं को सुनकर संबंधित अधिकारियों को मौके पर जाकर जन शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर निस्तारण के निर्देश दिए।

बरात देखने पहुंची ढाई साल की बच्ची से दुष्कर्म

संवाददाता, मितौली (लखीमपुर खीरी)

● **बच्ची की हालत बिगड़ी, जिला अस्पताल में भर्ती**

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के एक गांव में ढाई साल की बच्ची से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। गांव में आई बारात देखने पहुंची एक ढाई साल की बच्ची को युवक उठा ले गया और दुष्कर्म किया। इससे बच्ची का हालत बिगड़ गई। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। बच्ची को जिला महिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार जारी है।

थाना क्षेत्र के एक गांव में शुक्रवार की देर रात बारात आई थी। बच्ची भी अपने परिवार वालों के साथ बारात देखने गई थी। जहां से एक 35 वर्षीय युवक मौका पाकर बच्ची को उठा ले गया और कुछ दूर एकांत में उसके साथ दुष्कर्म किया। इससे बच्ची की हालत बिगड़ गई। इधर बच्ची जब परिजनों को दिखाई नहीं पड़ी तो उसकी तलाश शुरू हुई। तलाश के दौरान बच्ची बदहवास हालत में आते हुए रास्ते में मिली। बच्ची की हालत देख परिवार के लोगों के होश उड़ गए। परिजनों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। बच्ची की हालत गंभीर होने पर आनन-फानन में उसे सीएचसी लाया गया, जहां से हालत में कोई सुधार न होने पर डॉक्टर ने उसे जिला महिला अस्पताल रेफर कर दिया। सूचना पाकर सीओ यादवेंद्र सिंह भी मौके पर पहुंच गए। हरकत में आई पुलिस ने आरोपी की पहचान कर उसकी तलाश शुरू की। करीब सात घंटे बाद पुलिस ने गांव के ही आरोपी श्यामपाल उर्फ पालू को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि सीओ यादवेंद्र सिंह का कहना है कि बच्ची से दुष्कर्म के प्रयास का मामला सामने आया है। बच्ची का मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है। मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ साफ होगा। पीड़ित बच्ची का अस्पताल में इलाज चल रहा है। आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज की गई है। एससीएसटी एक्ट भी लगाया गया है। उन्होंने बताया कि पीड़िता के परिजनों को हर संभव मदद मुहैया कराई जा रही है।

आरोपी के खिलाफ ग्रामीणों में आक्रोश

ढाई साल की बच्ची से दुष्कर्म की जानकारी जब गांव के लोगों को हुई तो वह सन्न रह गए। घटना को लेकर जहां उनमें रोष है। वहीं बच्चियों की सुरक्षा की अब उन्हें चिंता सताने लगी है। ग्रामीणों ने आरोपी के खिलाफ कठोर कार्रवाई किए जाने की मांग उठाई है। घटना के बाद से पुलिस ने गांव में सतर्कता बढ़ा दी है।

महिलाओं की शक्ति और भूमिका पर हुआ विमर्श

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● **संस्कार केंद्र लालापुर में सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम संपन्न**

अमृत विचार: सरजू सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज बेलरायां से संचालित पोषक गांव लालापुर स्थित संस्कार केंद्र पर शनिवार को 'सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम' का आयोजन किया गया, जिसमें विद्या, सेवा, संगठन, संस्कृति, संस्कार, स्वावलंबन और संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की वंदना से हुई। इसके बाद विद्यालय की आचार्य अर्चना शर्मा ने अतिथियों का परिचय कराया और आचार्य रेनू वर्मा ने कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत की।

सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम में शपथ लेती महिलाएं। ● अमृत विचार

कार्यक्रम की अध्यक्षता सीता वर्मा ने की, जबकि मुख्य वक्ता रजनी वर्मा और साधना वर्मा रहीं। रजनी वर्मा ने मातृशक्ति की भूमिका पर प्रकाश डाला।

साधना वर्मा ने कुटुंब प्रबोधन तथा भारत के विकास में महिलाओं के योगदान विषय पर अपनी बात रखी। कार्यक्रम में सरजू सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य अजीत सिंह व कार्यक्रम संयोजक वरिष्ठ आचार्य अनिल मिश्र भी मौजूद रहे। आचार्या रेनू वर्मा द्वारा संचालित प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम को खूब सराहा गया। कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाली महिलाओं में काफी उत्साह रहा। स्वरूप धारी महिलाओं, विशिष्ट महिलाओं एवं प्रश्नोत्तरी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया और उन्हें आगे बढनें के लिए प्रोत्साहित किया ।

आदित्य, संजना व संजनी को मिली चैंपियनशिप

पलिया कलां, अमृत विचार: उत्तर प्रदेश कंपोजिट विद्यालय बिशेनपुरी में ब्लॉक स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिताओं आयोजित हुई, जिसका शुभारंभ एसएसबी इंस्पेक्टर अरुण कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। विधायक रोमी साहनी ने विजेता बच्चों को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता खंड शिक्षा अधिकारी रमन सिंह के दिशा निर्देश पर हुई। क्रीड़ा प्रतियोगिताओं का संचालन व्यायाम शिक्षक राजेश मिश्रा, शिक्षक संघ के उपाध्यक्ष उमाशंकर कनौजिया, प्रधानाध्यापक शकील अंसारी व अन्य विद्यालयों के चुनिंदा शिक्षकों की देखरेख में किया गया।

कार्यकर्ताओं ने जयंती पर मुलायम सिंह यादव को किया याद

कार्यालय संवाददाता लखीमपुर

● **लोहिया भवन में नेताओं ने दी श्रद्धांजलि, की गई गोष्ठी**

अमृत विचार: समाजवादी पार्टी के संस्थापक पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव की जयंती मनाई गई। शनिवार को शहर के लोहिया भवन में गोष्ठी भी आयोजित हुई, जिसका संचालन पार्टी महासचिव अंसार महलूद ने किया।

कार्यक्रम की शुरुआत नेता जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि और माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि देने से हुई। इसके बाद आयोजित विचार गोष्ठी की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष रामपाल सिंह यादव ने की। खीरी सांसद उत्कर्ष वर्मा ने कहा कि नेताजी ने 1992 में समाजवादी पार्टी की स्थापना की। जिला अध्यक्ष रामपाल सिंह यादव ने कहा कि सभी कार्यकर्ताओं को नेता जी के आदर्शों पर चलते हुए 2027 में प्रदेश में सपा की सरकार बनाने का संकल्प लेना चाहिए।

पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के चित्र पर माल्यार्पण करते सपा प्रदेश सचिव।

गोष्ठी को पूर्व विधायक आरए उस्मानी, पूर्व एमएलसी शशांक यादव, पूर्व जिला अध्यक्ष कय्यूम खान, अनुराग पटेल, अशोक वर्मा, पूर्व विधायक रामसरन सहित कई नेताओं ने संबोधित किया। कार्यक्रम में महिला सभा की राष्ट्रीय सचिव तृप्ति अवस्थी, महिला जिला अध्यक्ष प्रख्याति खरे, रन्नो दीक्षित, अशोक कश्यप, भूपेंद्र वर्माआदि मौजूद रहे।

स्व . मुलायम सिंह यादव के चित्र पर माल्यार्पण करते पदाधिकारी व कार्यकर्ता।

बिझौली। रजागंज में जिला पंचायत के पूर्व सदस्य महेशचंद कनौजिया के प्रतिष्ठान पर मनाए गये जयंती समारोह में श्री कनौजिया ने मुलायम सिंह यादव को सभी वर्गों का हितैषी बताते हुए कहा कि उनके मुख्यमंत्रित्व काल में तमाम जनहितकारी योजनाएं चालू की गई थीं। भाजपा सरकार ने उन्हें बंद कर दिया। जयंती समारोह में अंबिका प्रसाद वर्मा, अजय कुमार गौतम, राजेंद्र कुमार राजपूत, दिलीप कुमार वर्मा, प्रमोद कुमार वर्मा, समलिया प्रसाद वर्मा, सुदर्शन लाल वर्मा, राकेश वर्मा, अजय वर्मा, अयाज खान, वीरपाल वर्मा आदि मौजूद रहे।

पलिया। विधानसभा क्षेत्र कार्यालय पर मुख्य अतिथि सपा प्रदेश सचिव रेहान खान रहे। अध्यक्षता पूर्व पालिकाध्यक्ष महमूद हुसैन खां ने की। मुख्य अतिथि ने कहा कि मुलायम सिंह यादव का जीवन संघर्ष और समर्पण का प्रतीक रहा। उन्होंने गरीब, किसान, मजदूर और कमजोर वर्गों को हमेशा प्राथमिकता दी। पूर्व प्रत्याशी विधानसभा रहे प्रीत इंदर सिंह कक्कू ने कहा कि नेता जी ने कार्यकर्ताओं को परिवार की तरह सम्मान दिया और संगठन को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई। कार्यक्रम को विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष जावेद अख्तर, सईद अहमद, संजीव मिश्रा ने भी संबोधित किया। इस मौके पर राजा खान, शरीफ चंदन चौकी, रिजवान खान आदि मौजूद रहे।

बाइक सवार युवक की हादसे में मौत

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: थाना पढुआ क्षेत्र में अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चला रहे युवक की मौत हो गई, जबकि उसका जीजा और बहन घायल हो गई। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। थाना पढुआ क्षेत्र के गांव डंडौरी निवासी जफर का बेटा शौकीन (25) जीजा गुलजार और बहन छोटकन्नी के साथ बाइक से ढखेरवा से घर लौट रहा था, रास्ते में वाहन की चपेट में आने से तीनों गंभीर घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को रमियाबेहड़ सीएचसी भेजा, जहां शौकीन की हालत गंभीर देखते हुए डाक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। परिजन उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे, जहां डाक्टरों ने शौकीन को मृत घोषित कर दिया।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

आवश्यकता है
दुकान एवं कारखाने में कार्य हेतु हेल्पर/सेल्समैन/टेलर की।
सम्पर्क करें
उमंग फोम
सिकलापुर, बरेली
8923818889, 9412489471

सूचना
मैंने अपने पुत्र मो. अकील अहमद को उसक गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उसे अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **मुन्ने पुत्र वफ़ाती ग्राम उड़ला जागीर तहसील व जिला बरेली**

विकसित उत्तर प्रदेश 2047 पर हुई चर्चा, 2026-27 की कार्ययोजना को हरी झंडी

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: जिला पंचायत की बैठक में विकसित उत्तर प्रदेश 2047 पर विस्तार से चर्चा हुई। साथ ही आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए जिला निधि, 15वां वित्त आयोग एवं राज्य वित्त आयोग से प्राप्त होने वाली धनराशि के आधार पर तैयार कार्ययोजना को भी हरी झंडी दी गई। जिले में आधारभूत संरचना विकास, सड़क, पेयजल, पंचायत भवन, शौचालय, सामुदायिक स्थलों के सुदृढ़ीकरण जैसे प्रमुख कार्यों को गति प्रदान करेंगी।

जिला पंचायत सभागार में हुई बैठक में सदस्य सूरज सिंह ने कहा कि स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूर्ण होने पर वर्ष 2047 में उत्तर प्रदेश को विकसित प्रदेश के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य मुख्यमंत्री ने निर्धारित किया है। यह जनसहभागिता आधारित महाअभियान है। सदस्य पूनम सिंह ने बताया कि प्रदेश भर में आम जनमानस से भी सुझाव एकत्र किए जा रहे हैं ताकि ग्रामीण और शहरी दोनों ही स्तरों पर विकास की योजनाओं को जनता की आवश्यकताओं के अनुरूप लागू किया जा सके।

बैठक में मौजूद जिला पंचायत सदस्य। ● अमृत विचार

जिला पंचायत की बैठक को संबोधित करते विधायक अमन गिरि। ● अमृत विचार

● **जिला पंचायत सभागार में की गई बैठक**

उन्होंने कहा कि सामूहिक सहभागिता से ही यह महाअभियान एक सशक्त और विकसित उत्तर प्रदेश के निर्माण का आधार बनेगा। बैठक की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष ओम प्रकाश ने की, जबकि संचालन अपर मुख्य अधिकारी जागन सिंह ने किया। विकास, वित्तीय प्रबंधन और सरकार द्वारा संचालित महाअभियान विकसित उत्तर प्रदेश 2047 पर केंद्रित यह बैठक कई दृष्टि से अहम साबित हुई। बैठक के अंत में जिला पंचायत अध्यक्ष ओम प्रकाश ने सभी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

वित्तीय प्रस्तावों को सर्वसम्मति से मंजूरी

बैठक में वित्तीय विषयों पर चर्चा करते हुए जिला पंचायत का पुनरीक्षित आय-व्ययक वर्ष 2025-26, मूल आय-व्ययक वर्ष 2026-27, वर्ष 2025-26 की कर सूची सदन के समक्ष प्रस्तुत की गई। विस्तृत चर्चा के उपरांत सभी प्रस्तावों को सर्वसम्मति से स्वीकृति मिल गई।

अधिकारियों की अनुपस्थिति पर कड़ी नाराजगी

बैठक के दौरान कई सदस्यों ने जिले के कुछ विभागीय अधिकारियों के गैरहाजिर रहने पर नाराजगी जताई। सदस्य संदीप वर्मा, सूरज सिंह, बिलकिस बेगम, पूनम सिंह आदि ने कहा कि जिला पंचायत अनुदान से स्वीकृत अनेक कार्य अभी तक पूर्ण नहीं हो सके हैं, जिसका सीधा प्रभाव ग्रामीण विकास पर पड़ रहा है। उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी के समक्ष ऐसी लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग रखते हुए कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की देरी बर्दाशत नहीं की जाएगी।

इन जनप्रतिनिधियों की रहीं मौजूदगी

सदर विधायक योगेश वर्मा, गोला विधायक अमन गिरि, पलिया विधायक रोमी साहनी के प्रतिनिधि बृजेश सिंह, ब्लॉक प्रमुख मिथलेश सिंह, सूरज सिंह, रजीउल्ला, पूनम सिंह, बिलकिस बेगम, संदीप वर्मा सहित जिला पंचायत सदस्य एवं जनपद स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

ऑटो से खींचकर युवक के सिर पर तमंचे की बट मारी

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: थाना मितौली के कस्ता निवासी अवतेन्द्र बहादुर ने बताया कि वह कस्ता से लखीमपुर सामान खरीदने बस से आया था। बस से उतरकर वह ऑटो रिक्शा में बैठा ही था कि तभी गांव के जुबैर, पवन, विकास अपने 4-5 अन्य साथियों के साथ आए। आरोप है कि आरोपियों ने उसे जबरन ऑटो से खींच लिया और जुबैर ने तमंचे की बट से उसके सिर पर वार कर दिया। वार लगते ही उसके सिर से खून बहने लगा। इसके बाद आरोपियों ने उसे लात-घूंसों और तमंचे की बट से बेरहमी से पिटाई की। उसका कहना है कि आरोपी उसे जान से मार देना चाह रहे थे। गनीमत रही कि जब लोग मौके पर पहुंचे और विरोध जताया। तब आरोपी उसे छोड़कर भाग निकले। शहर कोतवाल राजेश कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर सभी आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। जांच की जा रही है।

आवश्यकता है
लेडीज टीचर्स की
N.C. to Vth (NTT टीचर्स को वरियता)
पढ़ाने के लिए कॉल करें:-
मो. 9412196717
बी.के.एस. मैमोरियल इंग्लिश स्कूल
रजपुरी ढकनी, फरीदपुर, बरेली

सूचना
मैंने अपने पुत्र शैलेन्द्र व उसकी पत्नी रोशनी को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उसे अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **छोटेलाल पुत्र लक्ष्मन निवासी:- भीरा पो. भीरा जनपद लखीमपुर खीरी**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अमृत विचार

बरेली, रविवार, 23 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

ट्रक की चपेट में आने से युवक की मौत

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : कोतवाली मोहम्मदी क्षेत्र के गांव लालगंज निवासी रामसागर का 36 वर्षीय पुत्र मकरंद शुक्रवार की शाम बाइक से सरसों का तेल निकलवाने गांव से करीब दूर पांच सौ मीटर दूर स्थित चक्की पर जा रहा था। बताते हैं कि वह गांव के बाहर सड़क पर पहुंचा था। इसी बीच निकले एक तेज रफतार ट्रक की चपेट में आ गया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

गोला गोकर्णनाथ में सपा की बैठक आज

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : सपा 139 विधानसभा गोला के अध्यक्ष शेर सिंह यादव ने बताया कि एसआईआर पर विचार विमर्श के लिए सभी फ्रंटल संगठनों के अध्यक्ष एवं उनके पदाधिकारी, जोन प्रभारी, सेक्टर प्रभारी, सेक्टर पर्यवेक्षक, सह सेक्टर प्रभारी समस्त बूथ लेवल एजेंट, बूथ प्रभारियों की बैठक 23 नवंबर को पूर्वान्ह 11 बजे से पूर्व विधायक विनय तिवारी के रॉयल लॉन में होगी।

मोबाइल पर लिंक किया तो खाते से उड़े 46 हजार

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : थाना हैदराबाद क्षेत्र के गांव उदयपुर निवासी संदीप कुमार वर्मा ने बताया कि उनके मोबाइल पर एक कॉल आई। कॉलर ने गूगल कंपनी का प्रतिनिधि बताते हुए कहा कि आपके मोबाइल पर ऑफर चल रहा है, उसके लिये लिंक खोलकर ओके कर देने से ऑफर का लाभ मिलेगा। संदीप ने जैसे ही लिंक खोला, थोड़ी देर बाद भारतीय स्टेट बैंक के उसके खाते से 46706 रुपये डेबिट हो जाने का मैसेज आया। तब उसे ऑनलइन ठगी का अहसास हुआ। पीड़ित ने रिपोर्ट दर्ज कराकर रुपया वापस दिलाने की मांग की है।

43 बीआरपी उम्मीदवारों ने दी परीक्षा

पलिया कलां, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत ब्लॉक रिसोर्स पर्सन (बीआरपी) के रिक्त पदों के लिए ब्लॉक सभागार में शनिवार को लिखित परीक्षा कराई गई। परीक्षा में 43 उम्मीदवारों ने भाग लिया। ब्लॉक मिशन मैनेजर विमल कुमार ने बताया कि चयनित उम्मीदवारों को जिला स्तर पर स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को विभिन्न विषयों का प्रशिक्षण देने का कार्य सौंपा जाएगा।

दुधवा से निकलकर हाथियों ने मचाया उत्पात

खेतों में बने मचान तोड़े, सुरक्षा फ्रेसिंग तोड़कर घुसे हाथियों का झुंड, 30 एकड़ से अधिक फसल की तबाह

संवाददाता, मझगईं

दुधवा नेशनल पार्क के किनारे हाथियों द्वारा तोड़ी गई तार फ्रेसिंग।

हाथियों द्वारा रौंदी गई फसल। ● अमृत विचार

अमृत विचार: दुधवा नेशनल पार्क से निकलकर आए हाथियों के झुंड ने चौखड़ा फॉर्म और भगवंतनगर गुलरा क्षेत्र में जमकर उत्पात मचाया। खेतों में रखवाली के लिए बनाए गए मचान तोड़ डाले। हाथियों का उग्र रूप देख किसानों ने किसी तरह से भाग कर अपनी जान बचाई। हाथियों ने करीब 30 एकड़ गन्ने की फसल रौंदकर तबाह कर दी। जिससे पूरे क्षेत्र में हड़कंप मचा है।

दुधवा नेशनल पार्क से निकलकर खेतों में आ रहे हाथी खूब उत्पात मचा रहे है। शुक्रवार की रात हाथियों का झुंड डब्ल्यूडब्ल्यूएफ द्वारा लगाई गई सुरक्षा फेंसिंग को भी तोड़ दिया, जिसके बाद हाथियों का झुंड आसानी से खेतों में घुस आया। खेतों की रखवाली के लिए बनाए गए मचान भी हाथियों ने पैरों तले कुचल दिए। गनीमत रही कि जिन मचानों पर हाथियों ने हमला किया। उन पर घटना के समय किसान मौजूद नहीं थे। किसान बताते हैं कि हाथी काफी गुस्से में थे।उग्र रूप देखकर किसानों ने किसी तरह से भाग कर अपनी जान बचाई। हाथियों ने मुकेश उर्फ माईकल की तीन एकड़, मुन्ना लाल की दो एकड़, हरभजन सिंह, बलवंत सिंह, राजा सिंह सहित अन्य किसानों की कुल मिलाकर लगभग 10 एकड़ फसल को पूरी तरह तहस-नहस कर दिया। पखवाड़े भर में हाथियों के खेतों में घुसकर तबाही मचाने की यह तीसरी घटना है। हाथी अब तक करीब 30 एकड़ गन्ने की फसल को पूरी तरह से बर्बाद कर चुके हैं।

● हाथियों को उग्र देख खेतों से भाग कर किसानों ने बचाई जान

किसानों का कहना है कि हाथियों के डर से रात में खेतों की रखवाली तक नहीं कर पा रहे हैं। पीड़ित किसानों ने वन विभाग और पार्क प्रशासन से हाथियों को नियंत्रित करने और तत्काल मुआवजा उपलब्ध कराने की मांग की है। वन क्षेत्रीय अधिकारी अंकित सिंह ने बताया कि क्षतिग्रस्त जाली को जल्द ठीक कराया जाएगा और प्रभावित किसानों को मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। साथ ही क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी गई है, ताकि हाथियों द्वारा दोबारा नुकसान न पहुंचाया जा सके।

हाथियों ने तोड़ा खेत में बना मचान।

बदमाशों ने कपड़ा व्यापारी से लूट का किया प्रयास

संवाददाता, बेहजम

● शोर पर मजदूर दौड़े बाइक से भाग निकले तीनों बदमाश

अमृत विचार: कस्बा सिकंद्राबाद में मेडिकल व्यवसायी की दुकान और मकान में हुई लूट की घटना का खुलासा पुलिस अभी कर भी नहीं पाई है कि शनिवार को बदमाशों ने पुलिस को एक बार फिर खुली चुनौती दे डाली। शनिवार की सुबह अपाचे बाइक सवार तीन बदमाशों ने एक कपड़ा व्यवसाई को रोक लिया और उससे लूटपाट करने लगे। शोर सुनकर आसपास खेतों में काम कर रहे मजदूर दौड़े तो बदमाश मौके से भाग निकले। घटना के बाद क्षेत्र में एक बार फिर बदमाशों की दहशत व्याप्त हो गई है।

कस्बा नीमगांव निवासी अंसारुद्दीन शनिवार सुबह करीब 7:30 बजे अपनी बाइक से सीतापुर कपड़ा खरीदने जा रहे थे। जैसे ही वे गांव सुनौरा के आगे एक मोड़ पर पहुंचे। तभी पीछे से आ रहे अपाचे बाइक पर सवार तीन बदमाशों ने उनकी बाइक रुकवा ली और गन प्वाइंट पर लेकर लूटपाट की कोशिश करने लगे। तभी अंसारुद्दीन के शोर मचाने पर पास के खेत में गन्ना छील रहे मजदूरों ने ललकारा और मौके की तरफ दौड़ पड़े। इस पर बदमाश घबराकर गुलौला की ओर भाग निकले। अंसारुद्दीन ने बताया कि उन्होंने अपनी जैकेट की अंदरूनी जेब में रुपये छुपा रखे थे, जो सुरक्षित बच गए। उन्होंने घटना की जानकारी नीमगांव पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच कर बदमाशों की तलाश की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल सका। थाना प्रभारी आदित्य कुमार मौर्य ने बताया कि पीड़ित के अनुसार घटना में लूट का प्रयास किया गया था, लेकिन वास्तविक रूप से लूट नहीं हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और बदमाशों की तलाश जारी है।

महेवागंज के चौकी इंचार्ज और सिपाही निलंबित

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: अवैध रूप से काटी गई लकड़ी मामले में महेवागंज चौकी इंचार्ज और एक सिपाही की संलिप्तता मिलने पर एसपी ने दोनों को निलंबित कर दिया है। साथ ही विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। हालांकि एसपी ने अभी कोई नई तैनाती नहीं की है। एसपी की कार्रवाई से पुलिसकर्मियों में हड़कंप मचा है। दरअसल तीन दिन पहले सीओ ने जांच की रिपोर्ट एसपी संकल्प शर्मा को दी। एसपी चौकी इंचार्ज रजनीश त्रिपाठी और सिपाही दुष्यंत यादव को निलंबित कर दिया है। विभागीय जांच के आदेश भी दिए हैं। एसपी ने बताया कि जल्द ही चौकी पर नए इंचार्ज की तैनाती की जाएगी।

तेंदुए ने घर के बाहर बंधे बछड़े का किया शिकार

संवाददाता, फरधान

● एक घर से कुछ दूरी पर झाड़ियों में बरामद हुआ अधखाया शव

अमृत विचार: शारदानगर वन रेंज की देवकली बीट में पिछले पंद्रह दिनों से आतंक मचा रहा तेंदुआ वन विभाग की पकड़ से बाहर है। शुक्रवार रात उसने घर के बाहर बंधे बछड़े का शिकार कर ग्रामीणों में दहशत फैला दी। बछड़े का अधखाया शव झाड़ियों में बरामद हुआ।

गांव अम्बुपुर बहेरवा निकट गूदर बाबा स्थान निवासी बेवा रामरानी ने बताया कि रोज की तरह उसने शाम को जानवरों को चारा खिलाकर कुछ को घर के अंदर और बछड़े को बाहर बांधा था। सुबह वह बछड़े को नदारद देख खोजबीन करने लगी झाड़ियों में उसका अधखाया शव मिला। मौके पर जंगली जानवर के पैरों के ताजा निशान मिले। ग्रामीणों के अनुसार दो सप्ताह पहले एक स्कूल के चौकीदार ने रात में तेंदुए को गांव में घूमते देखा था। इसकी सूचना ग्राम प्रधान अनुपम वर्मा ने वन विभाग को दी थी।

डिप्टी रेंजर अमित प्रकाश मिश्रा, वन दरोगा सतीश कुमार और वनरक्षक विकास सिंह ने बताया कि तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया है, लेकिन अब तक वह उसमें नहीं आया है। एक सप्ताह पहले गांव गनेशपुर निवासी कृपाशंकर भी तेंदुए के हमले से बचे थे। वह बकरियों को गन्ने के पास चरा रहे थे, तभी गन्ने के खेत में छिपे तेंदुए ने उनकी दो बकरियों का शिकार कर लिया।

बृज मौर्य को मिली विधान परिषद चुनाव की जिम्मेदारी

महंगापुर, अमृत विचार: पलिया 137 विधान सभा के ग्राम गोविंदनगर निवासी व किसान कांग्रेस उत्तर प्रदेश अध्यक्ष व कोआर्डिनेटर बृज मौर्या को भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव व पूर्व सांसद अविनाश पांडेय ने उत्तर प्रदेश विधान परिषद स्नातक व विधान परिषद शिक्षक चुनाव 2026 हेतु सहसंयोजक उत्तर प्रदेश बनाकर बड़ी जिम्मेदारी दी है। कांग्रेसजनों ने एक दूसरे का मुंह मीठा कराते हुए खुशी जताई है। विधान परिषद चुनाव-2025 के सफल संचालन एवं समन्वय हेतु बृज मौर्य को कांग्रेस ने चुनाव सह प्रभारी नियुक्त किया है। इनकी जिम्मेदारी प्रत्याशी चयन से लेकर मतदाता सूची का सत्यापन, प्रचार-प्रसार, बूथ स्तर पर समन्वय व निर्वाचन संबंधित कार्यों के निर्वाहन की होगी। संगठन अपेक्षा अनुरूप की प्रभारी नियुक्ति के बाद निर्वाचन प्रक्रिया के सभी चरण निर्बाध एवं सुचारू चल सकेंगे।

बृज मौर्य।

एसआईआर फार्म भरने का काम में आई तेजी

शिविर कैंप में एसआईआर का फार्म भरते बीएलओ प्रशांत कुमार। ● अमृत विचार

संवाददाता, मझगईं

● कई जगह लगाए जा रहे शिविर, लोगों की बढ़ी परेशानी

अमृत विचार: क्षेत्र में एसआईआर फार्म भरने का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। कई अध्यापक नियमित शिक्षण कार्य छोड़कर बीएलओ की जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

बल्लीपुर, मुर्गहा, छेदुई पतिया, गंगा बेहड़, बौधिया, दौलतापुर, बम्हनपुर समेत कई ग्राम पंचायतों में बीएलओ टीम घर-घर जाकर एसआईआर फार्म भरने का काम कर रही है। ग्रामीणों, विशेषकर कम पढ़े-लिखे परिवारों को फार्म भरने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई लोग फार्म सही ढंग से भरवाने के लिए लगातार चक्कर काट रहे हैं। एसआईआर फार्म भरने में आ रही दिक्कतों को देखते हुए बीएलओ गांवों में कैंप आयोजित कर रहे हैं। सिसवारा गदियाना में लगाए गए ऐसे ही एक कैंप में बड़ी भीड़ देखी गई। बीएलओ ने इससे पहले ग्राम सभाओं में घर-घर जाकर एसआईआर फार्म का वितरण किया था। जिन ग्रामीणों को फार्म भरने में कठिनाई हो रही थी, उनके लिए अब इन शिविरों की व्यवस्था की गई है ताकि लोगों की समस्याओं का समाधान मौके पर ही किया जा सके। इस अभियान में क्षेत्र के बीएलओ चंद्रशेखर, मुख्तार अली, प्रशांत कुमार टीम के साथ एसआईआर फार्म भरने का कार्य कर रहे हैं।

451 जोड़ों की शादी के लिए तैयारी शुरू

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: डीएस कॉलेज मैदान 25 जून को होने वाले सामूहिक विवाह समारोह की तैयारियां जोरों पर हैं। शनिवार सुबह सीडीओ अभिषेक कुमार जब स्थल पहुंचे, तो टेंट लगाया जा रहा था। कहीं स्टेज का एंगल नापा जा रहा था। सीडीओ ने मौके पर पहुंचकर 451 नवयुगलों के सामूहिक विवाह कार्यक्रम की तैयारियों को बारीकी से परखा। उनके साथ डीएसडब्लूओ वंदना सिंह, तेजस्वी मिश्रा, डीपीआरओ विशाल सिंह, डीसी-एनआरएलएम जितेंद्र कुमार मिश्र सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान सीडीओ ने वेदिकाओं के प्रस्तावित स्थान, बैठने की संभावित व्यवस्था, साफ-सफाई की रूपरेखा, रजिस्ट्रेशन काउंटर की प्लानिंग, ग्रीन रूम की लोकेशन, सामग्री वितरण प्वॉइंट आदि व्यवस्था का अवलोकन किया। स्थल पर आकर्षक सेल्फी पॉइंट, बड़ी एलईडी स्क्रीन और वधुओं की तैयारी के लिए विशेष मेकओवर कॉर्नर की जगह पहले ही चिन्हित कर दी गई है। सीडीओ अभिषेक कुमार ने कहा कि यह सिर्फ सरकारी आयोजन नहीं, 451 परिवारों के भविष्य को रोशन करने वाला सामाजिक पर्व है।

निलंबित इंस्पेक्टर की एक और शिकायत

घुंघचिहाई, अमृत विचार: गोकशी की घटनाओं की रोकथाम करने में नाकाम साबित होने पर एक दिन पूर्व निलंबित किए गए इंस्पेक्टर प्रकाश सिंह की एक और शिकायत एसपी से की गई है। आरोप है कि थाने से चंद कदम दूर हुई चोरी की घटना में कार्रवाई करने के बजाय पीड़ित पर ही एफआईआर दर्ज कर दी गई थी। अब एसपी से शिकायत की गई है। कस्बे के मिथलेश गुप्ता ने एसपी को दिए शिकायत पत्र में बताया कि उनकी जनसेवा केंद्र की दुकान है। 19 नवंबर शाम 8 बजे दुकान बंद कर घर आए थे। दूसरे दिन सुबह पहुंचे तो पता चला कि दुकान में चोरी हो चुकी है। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। दुकान से काफी सामान चोरी हो चुका था। आरोप है कि तत्कालीन इंस्पेक्टर प्रकाश सिंह ने चोरी की घटना को दबाने के लिए उनके खिलाफ ही रिपोर्ट दर्ज कर दी।

सीसी रोड का वरिष्ठजनों ने किया उद्घाटन

संवाददाता, गोलागोकर्णनाथ

नवनिर्मित सीसी रोड का उद्घाटन करते वरिष्ठजन। ● अमृत विचार

● एमआरएफ सेंटर तक कूड़ा निस्तारण में मिलेगी सुगमता

अमृत विचार: कोटवारा रोड से एमआरएफ सेंटर तक 15वें वित्त आयोग मद से निर्मित सीसी रोड का शनिवार को क्षेत्र के वरिष्ठजनों ने विधिवत उद्घाटन किया। नई सड़क बनने से कूड़ा निस्तारण वाहन, ग्रामीण क्षेत्रों की ट्रैक्टर-ट्रालियां और किसानों की आवागमन व्यवस्था अब और सुगम हो जाएगी।

शनिवार सुबह आयोजित उद्घाटन कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू भी मौजूद रहे। आचार्य लवकुश शास्त्री ने वैदिक मंत्रोच्चारण और पूजन के साथ सड़क का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर सिल्वर सिटी एकेडमी के प्रबंधक हरमोहन खुराना, शिक्षक राजकुमार मिश्रा और गुरबाज सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर सड़क का उद्घाटन किया।

नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला ने कहा कि नवनिर्मित सीसी रोड से एमआरएफ सेंटर तक नगर का कूड़ा अब तेज़ी और सुविधा से पहुंच सकेगा। साथ ही कृषि कार्यों हेतु खेतों तक जाने वाले किसानों को भी आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी। उद्घाटन कार्यक्रम में राम गुलाम पांडेय, सभासद सुफियान खान, खाद्य एवं सफाई निरीक्षक संदीप वर्मा, जेई सिविल अनिल यादव, नगर अध्यक्ष शत्रोहन मिश्रा, कुंभी मंडल अध्यक्ष रविन्द्र कटियार, काके सहगल सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

संदिग्ध हालात में गन्ने के खेत में में मिला युवक का शव

संवाददाता, बेहजम

● लखीमपुर के नर्सिंग होम में काम करता था गौतम और रोज साइकिल से आता-जाता था

अमृत विचार: नीमगांव थाना क्षेत्र में शनिवार की सुबह एक 45 वर्षीय युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में सड़क किनारे गन्ने के खेत में मिलने से में हड़कंप मच गया। इससे उसके परिवार में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

मृतक गौतम।

गांव परसेहरा निवासी गौतम (45) लखीमपुर शहर में अस्पताल रोड पर स्थित एक नर्सिंग होम में काम करता था। वह रोज साइकिल से लखीमपुर आता-जाता था। मृतक की मां शांति देवी ने बताया कि गौतम सुबह साइकिल से अपनी ड्यूटी पर लखीमपुर गए थे। उसके पास मोबाइल फोन भी नहीं रहता था, इसलिए परिवार को आशंका नहीं हुई कि वह घर वापस क्यों नहीं आए।

रिवार ने सोचा कि देर होने पर वह लखीमपुर में ही रुक गए होंगे। सुबह परसेहरा गांव के ग्रामीण शौच के लिए जा रहे थे, तभी उन्हें गन्ने के खेत में गौतम का शव पड़ा मिला। ग्रामीणों ने मृतक के पिता को शव मिलने की सूचना दी। सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मृतक के पिता मिठू लाल ने बताया कि परिवार की किसी से कोई रंजिश नहीं है। गौतम तीन भाइयों में सबसे बड़े थे। उनके परिवार में पत्नी सरिता, 10 वर्षीय बेटी अंजलि और 5 वर्षीय बेटा अनुराग है। कुछ ग्रामीणों के अनुसार गौतम शराब का सेवन करते थे और अनुमान लगाया जा रहा है कि अधिक नशे की हालत में उनकी मौत हुई होगी।

रोते-बिलखते परिजन व मौके पर मौजूद पुलिस। ● अमृत विचार

नीमगांव थाना प्रभारी आदित्य कुमार मौर्य ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारण का पता चलेगा। परिजनों की ओर से किसी तरह की रंजिश का आरोप नहीं लगाया गया है।

न्यूज ब्रीफ

हर्डल रेस में समृद्ध मोहन और निर्जला प्रथम

पीलीभीत, अमृत विचार : बेनहर पब्लिक स्कूल की प्राइमरी विंग के एथलेटिक मीट में अधिकांश गतिविधियों को बड़े उत्साह और जोश के साथ सम्पूर्णता मिली। विभिन्न प्रतियोगिताएं एक्टिविटीज इंचार्ज रोशनी बग्गा, हेडमिस्ट्रेस प्राइमरी रचना वाधवा ने कोआर्डिनेशन के साथ संपन्न कराई। कक्षा पांच की हर्डल रेस में समृद्ध मोहन और निर्जला प्रथम, एकमप्रीत और इशिता द्वितीय, पीयूष और हमीजा फातिमा तृतीय रहे। सैक रेस में अग्रिम राजपूत और इशिता वर्धन प्रथम, प्रिंस गंगवार और आराध्या द्वितीय, कुशाग्र सिंह और गुनगुन राणा तृतीय रहे। कक्षा चार के मल्टी इवेंट रेस में त्रियुग अग्रवाल और अवनी चंदेल प्रथम, स्वयं प्रताप और शिवी गोयल द्वितीय, अभिनव कुमार और नमरा हसन तृतीय रहे। ड्रैग द बॉल इवेंट में कक्षा दो के अनुराग तेवतिया और फैमिया हसन प्रथम रहे। कक्षा तीन की हर्डल रेस में अक्षत भदौरिया और कायनात फातिमा प्रथम, मनकीरत सिंह व शिवरंजनी वर्मा द्वितीय, मोहम्मद मुर्तजा और इनाया शाहबाज तृतीय रहे। कक्षा दो की बैलेंस रेस में मोईन रजवी और आद्या प्रथम, मोहम्मद अरहान और गुनगुन भारती द्वितीय व सक्षम प्रताप और कियारा महाजन तृतीय रहे। इस मौके पर देव सिंह, अमन सिंह, त्रिलोक चंद्र, राजेंद्र मौर्य, गीता शर्मा, पुष्पा पाल आदि मौजूद रहे।

फुटबॉल टर्फ ग्राउंड की हुई शुरुआत

पीलीभीत, अमृत विचार : लिटिल एंजेल्स स्कूल में टेरेस पर बने फुटबॉल टर्फ ग्राउंड का शनिवार को प्रबंधक डॉ.संजीव अग्रवाल, प्रधानाचार्य एनसी पाठक, कार्यकारी निदेशक उज्जवल अग्रवाल, उपप्रधानाचार्या अंजू सक्सेना, हेड मिस्ट्रेस नीना मेहरोत्रा ने संयुक्त रुप से रिबन काटकर उद्घाटन किया। फुटबॉल खिलाड़ियों ने मैत्री मैच खेला। प्रबंधक ने कहा कि यह टर्फ ग्राउंड बनाने की बहुत समय से योजना बन रही थी जोकि अब पूरी हुई है। इस ग्राउंड पर फुटबॉल के साथ-साथ तमाम खेलों की गतिविधियां हो सकतीं है।

कोहरे के बीच अव्यवस्था की मार, बढ़े हादसे, जिम्मेदार बेसुध

बरेली हाईवे पर ललौरीखेड़ा के पास खड़े ट्रक से टकराई रोडवेज बस, अफसरिया पुल के पास डीसीएम और ट्रैक्टर ट्रॉली में टक्कर, लगा जाम

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : इन दिनों सर्दी की दस्तक के साथ ही कोहरे की शुरुआत हो चुकी है। रात और तड़के घना कोहरा छा रहा है। हाईवे समेत अन्य मुख्य मार्गों पर फैली अव्यवस्था और उसके बाद वाहनों की तेज रफ्तार हादसे का सबब बन रही है। हादसों की संख्या में इजाफा होने के बाद भी जिम्मेदारों इस ओर कोई सुध नहीं ली जा रही है। शुक्रवार रात से शनिवार सुबह तक कई जगह सड़क हादसे हुए। एक कार तो पेड़ से टकराने के बाद आग का गोला बन गई घायलों को मेडिकल कॉलेज भर्ती कराया गया है।

बरेली हाईवे पर जहानाबाद क्षेत्र में ललौरीखेड़ा के पास शनिवार सुबह हादसा हुआ। कोहरे के बीच एक ट्रक सड़क पर खड़ा हुआ था। पीलीभीत डिपो की एक बस बरेली से आ रही थी। उसमें करीब 40 सवारियां बैठी थी। कोहरे की वजह से बस सड़क पर खड़े ट्रक से टकरा गई। हादसे के बाद चीख पुकार मच गई। सूचना मिलते ही जहानाबाद पुलिस मौके पर पहुंची। बस में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया। हादसे में दुधिया खुर्द गांव निवासी सुशील, सुनील, हरिशंकर, मुजफ्फरनगर गांव निवासी अर्जुन, कस्बा अमरिया निवासी शाहरुख, खैराबाद निवासी आमिर को मेडिकल कॉलेज भिजवाया गया। वहीं, अन्य कुछ यात्रियों को मामूली चोट आई। बताते हैं कि जब टक्कर हुई तो झटका लगने के बाद बस की सीटें भी आगे खिसक गई। पहले भी सड़क किनारे खड़े वाहनों से हादसे चुके हैं, लेकिन इसका स्थायी समाधान जिम्मेदारों की ओर से नहीं कराया जा सका है। दूसरा हादसा भी जहानाबाद थाना क्षेत्र में ही हुआ। बरेली-हरिद्वार नेशनल हाईवे पर अफसरिया पुल के पास मैली लदी ट्रैक्टर ट्रॉली और डीसीएम की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए इसमें सवार दो लोग भी घायल हुए, उन्हें पुलिस ने आनन-फानन में अस्पताल भिजवाया। इधर, हादसे के बाद जाम की स्थिति बन गई। जहानाबाद पुलिस ने मशक्कत कर वाहनों को निकलवाया। इस दौरान करीब एक घंटे तक आवागमन प्रभावित रहा।

बरेली हाईवे पर क्षतिग्रस्त ट्रक और रोडवेज बस। ● अमृत विचार

गजरौला क्षेत्र में कार में लगी आग बुझाते दमकल कर्मचारी।

अफसरिया पुल के पास दुर्घटनाग्रस्त ट्रैक्टर ट्रॉली।

रोडवेज चालक पर कार्रवाई

रोडवेज बाद के दुर्घटनाग्रस्त होने की जानकारी मिलने पर रोडवेज के अधिकारी मौके पर पहुंचे। बस की हालत देखने के बाद अन्य सवारियों से बातचीत की। इस पर सवारियों ने चालक के द्वारा फोन पर बात करने की बात कही। इस पर एआरएम ने प्रारंभिक जांच के बाद संविदा चालक सुमित को ऑफ रूट कर दिया गया है। विभागीय टीम दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है। एआरएम विपुल पाराशर ने बताया कि चालक सुमित को ऑफ रूट कर दिया गया है। जांच रिपोर्ट के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पेड़ से टकराकर आग का गोला बनी कार

गजरौला, अमृत विचार : रिछौला पुलिस चौकी के पास एक कार अनियंत्रित होकर पेड़ टकराई और आग का गोला बन गई। हालांकि कार सवार चार लोग सुरक्षित बाहर निकल गए। सूचना पर पहुंची दमकल टीम ने आग पर काबू किया। बताते हैं कि शहर के मोहल्ला देशनगर गौटिया के रहने वाले सर्वेश कुमार, मनोज पाल, मोहित पाल और कन्हैया कार में सवार थे। वह माधोटांडा थाना क्षेत्र के चांदूपुर गांव में शनिवार रात एक शादी समारोह से दावत खाकर घर लौट रहे थे। ग्राम ढेरम मडरिया के पास पहुंचते ही अचानक झाड़ियों से सियार निकला। सियार को बचाने के चक्कर में कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। टक्कर लगने के बाद कार में आग लग गई। हालांकि उसमें सवार लोग सुरक्षित बाहर निकल चुके थे। कुछ ही देर में कार आग का गोला बन गई। सूचना पर गजरौला पुलिस और दमकल टीम पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। एसओ गजरौला ब्रजवीर सिंह ने बताया कि हादसा रात करीब 11 बजे हुआ। कार में सवार चारों लोग सुरक्षित हैं। फायर ब्रिगेड की मदद से आग बुझाई गई।

हाईवे पर निर्माण सामग्री के लगे ढेर

हाईवे पर जहां-तहां निर्माण सामग्री के ढेर लगे हुए हैं। असम चौराहा पर फ्लाईओवर निर्माणाधीन है। बरेली हाईवे पर देवहा पुल की तरफ जाते वक्त बड़ी संख्या में ट्रक सड़क किनारे बेतरतीब खड़े रहते हैं। इसके अलावा निर्माण कार्य के चलते सामग्री रेत बजरी और बड़े-बड़े पत्थरों का भी ढेर लगा हुआ है। इससे भी कोहरे की दस्तक के बीच हादसे का डर बना हुआ है। मगर, जिम्मेदारों के स्तर से कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा सके हैं।

ट्रैक्टर ट्रॉली में जोखिम भरा सफर जारी

माल वाहक वाहनों में सवारी अभी भी खुलेआम ढोई जा रही है। जबकि पूर्व में कई बड़े हादसे हो चुके हैं। असम हाईवे पर बीते साल माल वाहक वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद करीब दस लोगों की जान भी चली गई थी। इसके अलावा भी कई बार जानें जा चुकी है। इन दिनों यातायात माह नवंबर चल रहा है। सख्ती और जागरुकता के दावों के बीच माल वाहक वाहनों में जोखिम भरा सफर जारी है।

कबड्डी में बच्चों ने दिखाया दम

संवाददाता, मझोला

अमृत विचार: एसके पब्लिक स्कूल में संपन्न तीन दिवसीय अंतर विद्यालयीय खो-खो, कबड्डी एवं रस्सा-कस्सी प्रतियोगिता का आयोजन चल रहा है। दूसरे दिन मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, नगरपालिकाध्यक्ष पीलीभीत डॉ.आस्था अग्रवाल रहे। अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर शुरुआत कराई। प्रबंधक जगजीत सिंह , प्रशासनिक अधिकारी राजेंद्र सिंह , प्रधानाचार्य मोहन चंद्र तिवारी समेत स्टाफ मौजूद था। अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन किया।

इस दौरान बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए, जिसकी लोगों ने सराहना की। खो-खो प्रतियोगिता के अंतर्गत जूनियर बालक वर्ग में मोहिन्दर सिंह मेमोरियल पब्लिक स्कूल, नोजगे पब्लिक स्कूल खटीमा, ट्रेफोर्ड पब्लिक स्कूल चकरपुर, सरस्वती पब्लिक स्कूल छिनकी फार्म के बीच मुकाबला हुआ। जिसमें नोजगे पब्लिक स्कूल खटीमा और ट्रेफोर्ड पब्लिक स्कूल चकरपुर ने विजय प्राप्त की। खो-खो जूनियर बालिका वर्ग में नालंदा पब्लिक स्कूल को हराकर अल्कैमिस्ट अकैडमी विजयी रहा। सीनियर बालिका वर्ग में होली कृष्णा कालेज दिनेशपुर को हराकर गोशन पब्लिक स्कूल ने जीत दर्ज की। रस्सा-कस्सी प्रतियोगिता में सीनियर बालिका वर्ग में स्प्रिंगडेल को हराकर मोहिन्दर सिंह पब्लिक स्कूल ने जीत प्राप्त की । होली कृष्णा कालेज को हराकर लिटिल एंजिल ने जीत प्राप्त की। सीनियर बालक वर्ग में अकाल अकैडमी व एसके पब्लिक स्कूल मझोला को हराकर डायनेस्टी मोर्डन गुरुकुल अकैडमी ने जीत प्राप्त की।

कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लेते छात्र।

इलाज व मरीज की भावनाओं को समझने की दी सीख

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में एमबीबीएस 2025 बैच के लिए आयोजित एटकॉम सत्र में छात्रों को चिकित्सा पेशे की मूल भावना से रूबरू कराया गया। डॉक्टर होने का वास्तविक अर्थ विषय पर आधारित यह सत्र न केवल ज्ञानवर्धक रहा, बल्कि छात्रों के भीतर उस मानवीय संवेदना और नैतिक जिम्मेदारी को भी जागृत किया।

मेडिकल कॉलेज में शनिवार को बायोकेमिस्ट्री विभाग की ओर से एमबीबीएस 2025 बैच के लिए एटकॉम (दृष्टिकोण, नैतिकता और संचार) सत्र का सफल आयोजन किया। यह सत्र प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. शिखा सक्सेना की अगुवाई में हुआ। जिसका विषय डॉक्टर होने का क्या अर्थ है..रहा। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ इस सीख पूर्ण बातचीत में भाग लिया। डॉ. शिखा सक्सेना ने छात्रों को डॉक्टर की समाज में सात महत्वपूर्ण भूमिकाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने क्लीनीसियन, हेल्थ केयर टीम के लीडर, उत्तम संचारकर्ता, आजीवन सीखने वाला, व्यावसायिक, समीक्षात्मक चिंतक व शोधकर्ता के बारे में सरल और स्पष्ट तरीके से समझाया। उन्होंने बताया कि एक आदर्श डॉक्टर सहानुभूति, सम्मान, ईमानदारी, गोपनीयता और नैतिक आचरण जैसे गुणों से पहचाना जाता है।उन्होंने कहा कि डॉक्टर का काम केवल रोग का इलाज ही नहीं, बल्कि मरीज की देखभाल और उसकी भावनाओं को समझना भी होता है। गंभीर मामलों में यह संवेदनशीलता और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। एक चिकित्सक को हमेशा मरीज की जरूरतों को प्राथमिकता देनी चाहिए। सत्र के अंत में सहायक प्रोफेसर डॉ. ज्योति त्रिवेदी द्वारा तैयार एक इंटरएक्टिव वीडियो दिखाया गया। जिसमें डॉक्टर-मरीज संबंधों में करुणा और ईमानदारी के महत्व को खूबसूरती से प्रस्तुत किया गया। छात्रों ने वीडियो और पूरे सत्र की जमकर सराहना की। प्राचार्य डॉ. संगीता अनेजा ने बायोकेमिस्ट्री विभाग के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे सत्र छात्रों को जिम्मेदार, संवेदनशील और रोगी-केंद्रित डॉक्टर बनने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में डॉ. पी सी श्रीवास्तव, पवन जोशी, अभिषेक, अरविंद का योगदान रहा।

एटकॉम सत्र में मौजूद एमबीबीएस के छात्र-छात्राएं। ● अमृत विचार

● बायोकेमिस्ट्री विभाग की ओर आयोजित किया गया सत्र, एक्सपर्ट ने साझा किया अनुभव

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बदायूँ–पीलीभीत वृत, लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 8034/7निविदा (सी0डी0–2)(ई0टेण्डर)–08/25–26 दिनांक: 31.10.2025

अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना

3. महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बदायूँ–पीलीभीत वृत, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, पीलीभीत के कार्यक्षेत्र के अंतर्गत जो मार्ग वर्षा एवं बाढ़ से क्षतिग्रस्त हो गये हैं, पर आम जनमानस को सुगम यातयात उपलब्ध कराये जाने के दृष्टिगत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ई–निविदा प्रतिशत दरों पर आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र साईट/पोर्टल पर दिनांक 15–11–2025 से दिनांक 25–11–2025 मध्यान्ह 12.00 बजे तक उपलबध रहेगे एवं तकनीकी बिड दिनांक 25–11–2025 को अपरान्ह 12.30 बजे खोली जायेगी।

क्रम सं0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत रू0 (लाख में)	धरोहर धनराशि रू0 (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदार की पात्रता श्रेणी (Bridge Work)
1	2	3	4	5	6	7
1.	जनपद पीलीभीत मे पूरनपुर दियोरिया कलां मार्ग से मटैना ता0 घुंघचाई सम्पर्क मार्ग के किमी0 2 में बाढ से क्षतिग्रस्त भागों के कटान के स्थान पर आरसीसी बॉक्स कल्वर्ट, पहुंच मार्ग, अतिरिक्त पहुंच मार्ग एवं सुरक्षात्मक मार्ग की मरम्मत का कार्य	68.00	5.40	2714.00	04 Month	A, B & C
2.	जनपद पीलीभीत मे पूरनपुर कलीनगर मार्ग किमी0 10 में क्षतिग्रस्त काजवे पर 5×5मी0 स्पान के आरसीसी लघुसतु एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य ।	238.00	13.90	2714.00	10 Month	A

4. निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग इन किया जा सकता है।

(राजेश चौधरी) अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, पीलीभीतं

(के0 के0 सिंह) अधीक्षण अभियन्ता बदायूँ–पीलीभीत वृत, लो0नि0वि0, बरेली

UP – 240815 दिनांक: 18/11/2025 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 11367/453सी0(ई0टेण्डर)–3/25 दिनांक: 17.11.2025

ऑन–लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

1–महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा निर्माण खण्ड–1 लो0नि0वि0, बरेली के कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार लो0नि0वि0 में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से प्रतिशत दरों पर ई–निविदा दिनांक 25.11.2025 से दिनांक 05.12.2025 की मध्यान्ह 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 05.12.2025 को अपरान्ह 12.30 बजे ऑन–लाइन खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:–

क्र0 सं0.	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	कार्य पूर्ण करने अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य((निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी0)	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1	वित्तीय वर्ष 2025–26 मे जनपद बरेली में आंवला रामनगर मार्ग से खनगंवा श्याम मार्ग के किमी 3 में बजरंग बाबा के थान के पास रपटा पर पीलिया नदी पर लघु सेतु का कार्य।	निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0,बरेली	192.88	11.65	08 माह	2725.00	ए, बी (सेतु कार्य)
2	वित्तीय वर्ष 2025–26 मे जनपद बरेली में ग्राम सैजना की गौटिया से सैजना मार्ग पर ह्यूम पाइप कल्वर्ट के स्थान पर 4×5×5 मी0 बाक्स कल्वर्ट टाइप लघु सेतु का निर्माण कार्य।	निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0,बरेली	112.03	7.60	08 माह	2725.00	ए, बी (सेतु कार्य)

2– निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

(राजीव अग्रवाल) अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड–1,लो0नि0वि0,बरेली

(प्रकाश चन्द्र) अधीक्षण अभियन्ता बरेली वृत, लो0नि0वि0,बरेली

UP – 240988 दिनांक: 20/11/2025 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

इमलिया के हवन में आहुतियां डालते यजमान। ● अमृत विचार

हवन पूजन और प्रज्ञा पुराण कथा संपन्न

केशवापुर , अमृत विचार : अजान कस्बे के निकटवर्ती गांव इमलिया में बरमबाबा स्थान पर अखिल विश्व गायत्री परिवार शान्तिकुंज के तत्वावधान में पंच कुंडीय शक्ति संवर्धन गायत्री महायज्ञ एवं प्रज्ञा सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन के दूसरे दिन शनिवार सुबह वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हवन पूजन और प्रज्ञा पुराण की कथा संपन्न हुई।

कार्यालय बरेली विकास प्राधिकरण, बरेली

विज्ञप्ति का प्रारूप

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है होम आफ आरोग्यवंश हेल्थ केयर प्राईवेट लि. द्वारा डायरेक्टर श्रीमती शुभी अग्रवाल पत्नी श्री कुशल अग्रवाल पुत्री श्री बाबी अग्रवाल निवासी-4/214 एफ विष्णुपुरी रोड लवकुश अपार्टमेन्ट के पास पुराना कानपुर नगर उ.प्र. व श्री राजीव अग्रवाल पुत्र श्री नवल किशोर अग्रवाल निवासी-207 कृष्णकुंज वेस्ट एन्ड रोड दीवान पब्लिक स्कूल के सामने, मेरठ कैन्ट, मेरठ व मधुकर पुत्र श्री सरेन्द्र सरन सक्सेना निवासी-10, नैना हाउसिंग फेस-2 जी.जी.आई.सी. रोड रोड नजदीक डॉ. सन्तोष पंत बिहारीपुर सिविल लाइन बरेली निर्माण स्थल ई.ए.-5/113 माधौबाड़ी बरेली क्षेत्रफल-516.70 वर्ग मी. भूमि पर 'नर्सिंग होम' के निर्माण की स्वीकृति हेतु ऑन लाइन मैप नम्बर बी.डी.ए./बी.पी./25-26 स्थल का भू-उपयोग 'बाजार मार्ग' में प्रस्तुत किया गया है।

मॉडल भवन निर्माण एवं विकास उपविधि तथा आदर्श (मॉडल) जोनिंग रेगुलेशन-2025 के प्रस्तर 15.32 के क्रम संख्या 5.7 के अन्तर्गत नर्सिंग होम क्रिया भू-उपयोग बाजार मार्ग (शर्तानुसार) सी-1 में अनुमन्य है। प्रस्तर 15.13 के बिन्दु (iv) में उल्लेख है कि 'महायोजना भू-उपयोग अथवा अनुमोदित ले-आउट में परिभाषित भू-उपयोग के अतिरिक्त अन्य क्रियाओं की अनुज्ञा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार जनता से आपत्ति/सुझाव आमंत्रित करने के उपरान्त दी जाएगी'। उक्त के क्रम में जन-सामान्य को कोई आपत्ति/सुझाव देने है तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 30 दिन के अन्दर प्राधिकरण लिपिक श्री मोहित कुमार (प्रथम) को प्राप्त करा सकते हैं, नियत अवधि के उपरान्त प्राप्त होने वाली किसी भी आपत्ति/सुझाव को स्वीकार नहीं किया जायेगा।

उपाध्यक्ष
बरेली विकास प्राधिकरण, बरेली।

कृषि क्षेत्र में पीलीभीत चढ़ा एक और सोपान, मोती की खेती का हुआ आगाज

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: जिला कृषि क्षेत्र में एक और सोपान चढ़ गया। एग्जॉटिक और डिजिटल खेती के साथ ही अब जनपद में मोती की खेती की भी शुरुआत हो चुकी है। मोती की खेती का कार्य लखनऊ की एक संस्था द्वारा अनुबंध पर शुरू कराया गया है। सीडीओ ने अमरिया ब्लॉक पहुंचकर मोती की खेती का फीता काटकर शुभारंभ किया। वहीं नवाचार पर खेती करने वाले किसान को भी सम्मानित किया।

कृषि प्रधान जिले में गेहूं, धान समेत गन्ना की मुख्य फसल के तौर पर पैदावार की जाती है। पिछले कुछ सालों से जनपद के प्रगतिशील किसानों ने नवाचार के तौर पर विदेशों में पैदा होने वाले धान-गेहूं के अलावा एग्जॉटिक सब्जियों और फलों आदि की खेती भी शुरू कर दी है। पिछले दिनों डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने किसानों से समन्वित कृषि प्रणाली (इंटीग्रेटेड फार्मिंग) से खेती करने की अपील की थी। इसी कड़ी में बीते दिनों प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया था। जिसमें मणिएग्रो हब कंपनी लखनऊ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. अयूब हुसैन द्वारा किसानों को मोती की खेती के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। मोती की खेती करके किसान अपनी आय को तीन गुना तक बढ़ा सकते हैं। मोती की खेती 12 से 18 माह की अवधि की होती है। खास बात यह है कि केंद्र सरकार द्वारा मोती की खेती करने पर 50 प्रतिशत अनुदान दिया जाता है। इसके लिए 1365 वर्ग फीट तालाब पर्याप्त होता है। जब सीप 12 से 18 माह की हो जाती है तो 200 रुपये प्रति सीप की दर से बिकती है। सीप का बीज देने से लेकर बाजार में बिक्री तक का पूरा प्रबंध कंपनी द्वारा करने की बात कही गई थी। इधर, कृषि विभाग के सहयोग से जनपद में मोती की खेती भी शुरू कर दी गई। कृषि क्षेत्र में यह नवाचार जनपद के अमरिया ब्लॉक के गांव मिलक सरैंदा पट्टी निवासी वीरपाल ने किया है। यह जनपद का मोती की खेती का पहला प्रोजेक्ट है। खेती के लिए तालाब कृषि विभाग के भूमि संरक्षण अनुभाग द्वारा अनुदान पर खुदवाया गया है। मोती की खेती का कार्य मणि एग्रो हब कंपनी के द्वारा अनुबंध पर कराया जा रहा है। इस अनुबंध के तहत ही कंपनी की ओर से किसान को बीज उपलब्ध कराने से लेकर मोती खरीदने तक की सुविधा दी जा रही है।

● अमरिया के मिलक सरैंदा पट्टी के किसान वीरपाल ने शुरू की खेती

● सीडीओ ने पहुंचकर किया शुभारंभ किसान को किया सम्मानित

तालाब में सीप का बीज छोड़ते सीडीओ व अन्य। ● अमृत विचार

तालाब में 10 हजार सीप से हुई शुरुआत

किसान वीरपाल ने मोती की खेती शुरू करने के लिए तालाब में 10,000 सीप को डाला है। एक सीप की कीमत 62 रुपये है। इस प्रोजेक्ट पर 62 हजार रुपये खर्च किए जा रहे हैं। किसान के मुताबिक मोती की खेती 18 महीने में तैयार हो जाएगी। बता दें कि मोती की खेती से किसान को 13 .80 लाख की कमाई होगी। जोकि निवेश लागत का लगभग तीन गुना है। इधर शनिवार को सीडीओ राजेंद्र कुमार श्रीवास अमरिया ब्लॉक पहुंचे और उन्होंने फीता काटकर मोती की खेती का शुभारंभ किया। इस दौरान सीडीओ ने किसान वीरपाल को इस महत्वपूर्ण नवाचार के लिए स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। बताया गया कि जनपद में जो भी किसान मोती की खेती करना चाहते हैं वह भूमि संरक्षण अधिकारी कौशल किशोर से संपर्क कर सकते हैं। इस मौके पर उप कृषि निदेशक राम मिलन परिहार, भूमि संरक्षण अधिकारी कौशल किशोर, मणि एग्रो हब कंपनी के सीईओ डॉ. अयूब हुसैन समेत कृषि विभाग के कर्मचारी आदि मौजूद रहे।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 11342/413सी0(ई0टेण्डर)–3/2025–26 दिनांक 15.11.2025

अल्पकालीन ऑन–लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बरेली के कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार लो0नि0वि0 में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से प्रतिशत दरों पर ई–निविदा दिनांक 25.11.2025 से दिनांक 05.12.2025 की मध्यान्ह 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 05.12.2025 को अपरान्ह 12.30 बजे ऑन–लाइन खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:–

क्र0 सं0.	कार्य व योजना का नाम	खण्ड का नाम	अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य((निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी0)	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1-	जनपद बरेली में 8वीं वाहिनी पी0ए0सी0 बरेली के परिसर में 3.285 कि0मी0 मार्गों का सुदृढ़ीकरण का कार्य।	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,बरेली	128.00	8.40	4 माह	2725.00	ए,बी (मार्ग कार्य)

2– निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

(भगत सिंह) अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड लो0नि0वि0 बरेली

(प्रकाश चन्द्र) अधीक्षण अभियन्ता बरेली वृत, लो0नि0वि0 बरेली

UP – 240989 दिनांक: 20/11/2025 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अमृत विचार

रविवार, 23 नवंबर 2025

खुसरो दरिया प्रेम का, उल्टी वा की धार
जो उतरा सो डूब गया, जो डूबा सो पार

अमीर खुसरो जी कहते हैं, प्रेम की नदी अजीब दिशाओं में बहती है। जो इसमें उतरता है, वो डूब जाता है और जो डूब जाता है, उसका जीवन सफल हो जाता है।

गौरवशाली हैं प्राचीन भारत की उपलब्धियां

भारतीय स्वाधीनता को मिले 78 वर्ष हो गए। देश ने विकास के नए अंतरिक्ष स्पर्श किए हैं, लेकिन अंग्रेजी राज के और उसके बाद भी साम्राज्यवादी परंपराएं विद्यमान हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि अगले 20 वर्षों में गुलामी के प्रतीक समाप्त करेंगे। भारत का मन बदल रहा है। आत्मनिर्भरता बढ़ी है। संप्रभु राष्ट्र राज्य किसी दूसरे देश की सभ्यता का अनुकरण नहीं करते। साम्राज्यवादी मानसिकता से छुटकारा पाना पंच प्रण में एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। प्रधानमंत्री ने उचित ही इस मामले को फिर से दोहराया है।

स्वाधीनता संग्राम के समय गांधी जी का जोर भी इस बात पर था। ब्रिटिश संसद में लॉर्ड मैकाले ने भी भारतीय संस्कृति को नष्ट करने वाले विचार व्यक्त किए थे। कहा था, "उच्चतर जीवन मूल्य और उत्कृष्ट क्षमताओं को देखते हुए भारतवासियों पर तब तक विजय नहीं प्राप्त हो सकती जब तक भारत की सांस्कृतिक परंपरा की सशक्त रीढ़ नहीं तोड़ी जाती।" मैकाले जानता था कि सांस्कृतिक परंपरा में ही राष्ट्र का वैभव अंतर्निहित है। गांधी जी अंग्रेजी सत्ता के विरुद्ध आंदोलन कर रहे थे। यह आंदोलन राष्ट्रव्यापी था। राष्ट्रीय आंदोलनकारी अंग्रेजी सरकार के साथ ही अंग्रेजी सभ्यता से भी टकरा रहे थे। गांधी जी ने मैकाले के ज्ञान को अधम बताकर सत्याग्रही आक्रामकता का मार्ग चुना था। उन्होंने 'हिंद स्वराज' में लिखा था, "मैकाले हिन्दुस्तानियों को कमजोर मानता है। वह उसकी अज्ञान दशा है।" गाँधी जी ने कहा, "हिंदुस्तानी कभी कमजोर नहीं रहे। खेतों में हमारे किसान आज भी निर्भय होकर सोते हैं, जबकि अंग्रेज और आप वहां सोने के लिए आनाकानी करेंगे।"

> यूरोप के पास विश्व मानवता को देने के लिए कुछ नहीं था। दर्शन यूनान की उधारी है। चिकित्सा विज्ञान भारत से अरब गया था और अरब से यूरोप। गणित के अंक भारत में खोजे गए। ऐसे अनेक उल्लेख संभव हैं। नाट्य शास्त्र का उद्भव भारत में हुआ। दुनिया का पहला अर्थशास्त्र कौटिल्य ने भारत में लिखा। प्राचीन भारत की बड़ी उपलब्धियां हैं। उन पर गर्व करना चाहिए, लेकिन साथ में यह भी देखना है कि जिस प्राचीन भारत की उपलब्धियां गौरवशाली हैं, यहां पिछले 500 वर्षों में वैज्ञानिक आविष्कार कम क्यों हुए हैं?

भारतीय इतिहास का विरूपण किया गया। यूरोपीय विद्वानों ने इतिहास के साथ छल किया। आर्य भारत के मूल निवासी हैं। उन्हें योजनाबद्ध तरीके से विदेशी हमलावर बताया गया। कहा गया कि आर्य बाहर से आए और उन्होंने यहां की सभ्यता नष्ट कर दी। साम्राज्यवादी शक्तियों का तर्क था कि भारत में शक और हूण आए थे। सातवीं शताब्दी में इस्लाम आया। हमलावरों ने देश के भिन्न-भिन्न हिस्सों में लूटपाट की। उन्होंने देश पर कब्जा कर लिया, फिर यहां मुगलों का शासन हो गया। उन्होंने भारतीय संस्कृति और परंपरा के अनुसार जीवन यापन को कष्टप्रद बनाया। उसके बाद ईस्ट इंडिया कंपनी आई। कंपनी यहां व्यापार करने आई थी और सत्ताधीश हो गई। लगभग 200 साल तक ब्रिटिश सत्ता ने भारत की धन संपदा को लूटने का काम किया। उन्होंने स्कूली पाठ्यक्रम को भी विदेशी रंग में रंग दिया। साम्राज्यवादी शक्तियों का तर्क था कि वह भारत के लोगों को शिक्षित कर रहे हैं। अंग्रेजीराज का विरोध करने वाले लोगों का तर्क था कि भारत विदेशी सत्ता के अधीन ही रहता है। कभी इस्लामी शासकों के रूप में और कभी अंग्रेजों के रूप में। उनकी मानें तो भारत एक होटल जैसा है। यहां विदेशी आते हैं। लूटपाट करते हैं। आर्यों को हमलावर बताना भी इसी रणनीति का हिस्सा था।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उत्तर प्रदेश

अंग्रेजों द्वारा प्रचारित आर्य आक्रमण का कोई साक्ष्य इतिहास में नहीं मिलता। डॉक्टर अंबेडकर ने भी 'हू वेयर शूद्राज' में आर्यों के आक्रमण की बात को गलत बताया है। उन्होंने कहा कि आर्यों का सबसे बड़ा ग्रंथ ऋग्वेद है। ऋग्वेद में कहीं भी आर्य आक्रमण नहीं मिलता। डॉ. अंबेडकर ने भारत में बहने वाली नदियों का उल्लेख किया है। ऋग्वेद के ऋषि यहां की नदियों के गीत गाते हैं। अगर आर्य दूसरे देश से आए थे, तो उनके साहित्य में वहां की नदियों के उल्लेख क्यों नहीं हैं? ऋग्वेद की सबसे प्रिय दो नदियां हैं। सरस्वती और सिंधु। सिंधु प्रत्यक्ष है और सरस्वती किसी प्राकृतिक घटना के कारण विलुप्त हो गई थी। सरस्वती पर शोध जारी है। वैदिक संस्कृति को इतिहास से बाहर करना, साम्राज्यवादी साजिश का ही हिस्सा है। इस मनोग्रंथि से शीघ्रातिशीघ्र छुटकारा पाने की आवश्यकता है।

लगभग 200 वर्ष के लंबे शासन में भारत पर अंग्रेजी सभ्यता के प्रभाव पड़ रहे थे। कुछ लोग अंग्रेजों को प्रशंसा की दृष्टि से देखते थे। कुछ लोग अंग्रेजों को भारतीय राष्ट्र निर्माण का श्रेय दे रहे थे। गांधी जी ने इस बात को गलत बताया और कहा कि भारत एक प्राचीन राष्ट्र है। पूरी अंग्रेजी सभ्यता मानवता विरोधी है। उन्होंने ब्रिटिश सभ्यता को भारत के लिए खतरनाक बताया। दरअसल अंग्रेजों का ज्ञान उधार का है। प्राचीन रोम और यूनान यूरोप के प्रेरणास्रोत रहे हैं। भारत का दर्शन जब धरती-आकाश नाप रहा था, तब तक अंग्रेजों की अपनी कोई दार्शनिक परंपरा विकसित नहीं हो पाई थी।

आखिरकार भारत के लोग कालवाह्य सभ्यताओं के चक्कर में क्यों फंसे हुए हैं? उन्होंने लिखा, "जो रोम और ग्रीस गिर चुके हैं, उनकी किताबों से यूरोप के लोग सीखते हैं।" उन्होंने लिखा, "सभ्यता वह आचरण है, जिससे व्यक्ति अपना फर्ज अदा करता है।" भारत आदिकाल से ही सामूहिक जीवन में है, इसीलिए मनुष्य को सामाजिक प्राणी कहा जाता है। पूर्वजों ने परस्पर मेल मिलाप का आचार शास्त्र विकसित किया था। सामाजिक संगठन की मजबूती के लिए अनेक स्तर पर प्रयास करने होते हैं। भारतीय ऋषियों ने, "सबके साथ-साथ चलने, परस्पर संवाद करने और सभा समितियों के माध्यम से कर्तव्य निर्धारित करने की व्यवस्था की है।"

ऋग्वेद के आखिरी सूक्त में ऋषि कहते हैं, "हम साथ-साथ चलें- संगच्छध्वं-संवदध्वं-हम साथ-साथ वार्तालाप करें। हमारी समितियां समान हों। मन समान हों।" पूर्वज भी ऐसी ही उपासना करते रहे हैं, लेकिन ब्रिटिश सत्ता अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करना चाहती थी। गांधी जी ने लिखा, "अंग्रेज हिंदुस्तानी बनकर रहे तो हम उनको यहां समावेश कर लेंगे।" भारत की सभ्यता की क्षति राष्ट्रवादियों के बर्दाश्त के बाहर थी। गांधी जी ने लिखा, "अंग्रेज अगर अपनी सभ्यता के साथ रहना चाहें, तो उनके लिए हिंदुस्तान में जगह नहीं है।" यह गांधी जी ने बहुत बड़ी बात कह दी है।" उन्हें अपना भारतीयकरण करना चाहिए। ईसाईकरण भारतीय सभ्यता पर खतरा है। ईसाई मिशनरियां राष्ट्रीय चरित्र बिगाड़ रही हैं। अन्य भी कई वर्ग भारत में ऐसा ही कर रहे हैं।

स्वाधीनता आंदोलन भारतीय संस्कृति, दर्शन और सभ्यता का ही प्रतिनिधि था। ब्रिटिश सत्ता व सभ्यता से सीधा संघर्ष करने के लिए गांधी जी ने अनेक विदेशी विद्वानों का उल्लेख किया। उन्होंने 'इंडियन एंपायर' पुस्तक से तमाम उद्धरण दिए। उन्होंने मैक्समूलर के लेखन से भारतीय दर्शन की श्रेष्ठता सिद्ध करने वाले अनेक उदाहरण दिए। उन्होंने एचएस मेन की पुस्तकों से पाणिनि के व्याकरण और भारतीय भाषा विज्ञान की प्राचीनता वाले हिस्से उद्धरत किए। यूरोप के पास विश्व मानवता को देने के लिए कुछ नहीं था। दर्शन यूनान की उधारी है। चिकित्सा विज्ञान भारत से अरब गया था और अरब से यूरोप।

एनसाइक्लोपीडिया ब्रिटानिका के अनुसार गणित के अंक भारत में खोजे गए। ऐसे अनेक उल्लेख संभव हैं। नाट्य शास्त्र का उद्भव भारत में हुआ। दुनिया का पहला अर्थशास्त्र कौटिल्य ने भारत में लिखा। प्राचीन भारत की बड़ी उपलब्धियां हैं। उन पर गर्व करना चाहिए, लेकिन साथ में यह भी देखना है कि जिस प्राचीन भारत की उपलब्धियां गौरवशाली हैं, यहां पिछले 500 वर्षों में वैज्ञानिक आविष्कार कम क्यों हुए हैं?

एकाकी महिलाएं: विवादों से बचाएगी वसीयत

देश के सुप्रीम कोर्ट ने अदालतों में क़ानूनी मामलों को कम करने के उद्देश्य से हाल ही में देश की उन समस्त एकल महिलाओं से, जिनके पति या बच्चे नहीं हैं, उन्हें अपनी संपत्ति और अधिकारों को लेकर जल्द से जल्द वसीयतनामा तैयार करने की अपील की है। सुप्रीम कोर्ट की यह अपील कई मामलों में महत्वपूर्ण है, क्योंकि देश में इस समय एकल महिलाओं के निधन के बाद उनकी संपत्ति को लेकर मायके और ससुराल वालों के बीच अदालती मामले काफी बढ़ने लगे हैं। सुप्रीम कोर्ट के दो सदस्यीय बेंच के न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश की पीठ ने माना है कि देश की अदालतों में एकल महिलाओं की मृत्यु के बाद उनकी संपत्ति को लेकर मायके और सुसराल पक्ष के बीच चलने वाले लम्बे क़ानूनी विवादों से एक और न्यायपालिका पर तो बोझ बढ़ता ही है, साथ ही मृतका के परिजनों का भी आर्थिक नुकसान होता है। इसका देश भर में रहने वाली एकल महिलाओं पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा और वसीयतनामा बनाने के मामले में तेजी भी आएगी।

अरविंद रावल
लेखक

लाखों महिलाएं अलग-अलग कारणों से एकाकी जीवन यापन कर रही हैं, जिनमें अधिकतर महिलाएं या तो शासकीय सर्विस में हैं या फिर प्राइवेट सर्विस में। कुछ महिलाएं बिजनेस के क्षेत्र में भी कार्य कर अपना जीवन यापन करती हैं। पिछले कुछ वर्षों से एकल महिलाओं की तादाद तेजी से बढ़ी भी है। एकल महिलाओं कि मृत्यु के बाद उनकी संपत्ति को लेकर उनके माता-पिता के साथ ही ससुराल पक्ष के लोग भी हक जताते हैं! देश भर की अदालतों में इस समय मृतक एकल महिलाओं की संपत्ति और अधिकारों को लेकर लाखों की तादाद में क़ानूनी मामले लंबित हैं, यह मुकदमे लंबे और खर्चीले होते जाते हैं, जिससे अदालतों का वक्त भी जाया होता है और मृतक एकल महिलाओं से संबंधित उसके वास्तविक हकदारों का समय और पैसा भी बर्बाद होता है।

> सुप्रीम कोर्ट ने अदालतों में क़ानूनी मामलों को कम करने के उद्देश्य से हाल ही में एकल महिलाओं से, जिनके पति या बच्चे नहीं हैं, उन्हें अपनी संपत्ति और अधिकारों को लेकर जल्द से जल्द वसीयतनामा तैयार करने की अपील की है! यह अपील कई मामलों में महत्वपूर्ण है।

कई बार देखा गया है कि वसीयत न होने की बिना पर मामले काफी ज्यादा उलझ जाते हैं। कई दूसरे दावेदार भी आ जाते हैं, जो संपत्ति पर अपना हक जताते हैं। कई पक्षकार होने की वजह से अदालतों में यह मामले लंबे घसिटते रहते हैं। इन लंबित मुकदमों की वजह से सही दावेदारों का नुकसान होता है। अहम बात यह भी है कि वसीयत को रजिसटर्ड जरूर कराया जाना चाहिए। रजिस्टर्ड वसीयत न होने के बिना पर उसे फर्जी या गलत कहने का मामला भी बनता है और कई बार अदालत तक मामला पहुंच जाता है।

एकल महिलाओं की तरह ही देश का हर आदमी भी अपने जीते जी संपत्ति या अधिकारों की वसीयत क़ानूनी रूप से तैयार कर लेता है, तो निश्चित ही फिर कोई क़ानूनी विवाद की गुंजाईश नहीं के बराबर रहेगी और अदालतों पर भी अनावश्यक दबाव नहीं बढ़ेगा। उनका भी वक्त बचेगा तथा अन्य क़ानूनी मुकदमों के भी जल्द निराकरण होने की संभावनाएं बनेंगीं।

शोर खत्म कर रहा है संवेदनशीलता

आधुनिक जीवन की गति इतनी तीव्र हो चुकी है कि व्यक्ति अपने ही भीतर सिमटने लगा है। हेडफोन आज हर उम्र के हाथ में दिखते हैं। सड़क पर चलते हुए, बस में बैठे या रात की नीरवता में मोबाइल स्क्रीन के सामने। संगीत, पॉडकास्ट, गेम या रील यह सब अब हमारे कानों की दुनिया में स्थायी रूप से बस चुके हैं। पर क्या हम यह समझ रहे हैं कि यह सुविधा धीरे-धीरे हमारे स्वास्थ्य, व्यवहार और संवेदनशीलता को निगल रही है।

तकनीक ने मनुष्य के जीवन को अत्यंत सुविधाजनक बना दिया है। मोबाइल, लैपटॉप और इंटरनेट ने हमें आपस में जोड़ा है। दुनिया को हमारी हथेली पर ला खड़ा किया है, परंतु इस सुविधा के साथ एक अदृश्य खतरा भी धीरे-धीरे हमारे स्वास्थ्य को घेरे में ले रहा है और वह है हेडफोन का बढ़ता उपयोग। आज हेडफोन आधुनिक जीवन का प्रतीक बन चुके हैं। चाहे यात्रा हो या व्यायाम, ऑनलाइन क्लास हो या दफ्तर की मीटिंग, हर उम्र का व्यक्ति इनसे जुड़ा है। यह आवश्यकता धीरे-धीरे एक आदत में और फिर लत में बदलती जा रही है। भारत सहित पूरी दुनिया में हेडफोन का बाजार लगातार बढ़ रहा है।

कभी गांवों में पत्तों की सरसराहट, पक्षियों की चहचहाहट और बहते पानी की ध्वनि मन को शांति देती थी। आज इन प्राकृतिक स्वरों की जगह इलेक्ट्रॉनिक बीट्स ने ले ली है। हमारी पीढ़ी वह संगीत सुन रही है, जो सुकून नहीं देता, बल्कि उत्तेजना पैदा करता है। यह एक ऐसी स्थिति है, जहां शोर अब मनोरंजन नहीं, बल्कि निर्भरता बन चुका है। आज जब हर जगह तेज़ आवाज़ों का साया फैला है, तब यह समझना जरूरी है कि यह 'मौन खतरा' हमारी पीढ़ी को भीतर से कमजोर कर रहा है।

संध्या राजपुरोहित
लेखिका

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की एक अन्यर रिपोर्ट के अनुसार, विश्व भर में लगभग एक अरब से अधिक युवा प्रतिदिन अत्यधिक आवाज़ में संगीत सुनने के कारण भविष्य में सुनने की क्षमता खोने के खतरे में हैं। भारत में भी यह प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। 2024 की एक सर्वे रिपोर्ट के अनुसार, शहरी युवाओं में से लगभग 78 प्रतिशत प्रतिदिन चार घंटे से अधिक समय तक हेडफोन का उपयोग करते हैं। कई विद्यार्थी और किशोर तो दस-दस घंटे तक इनसे जुड़े रहते हैं। दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) के एक अध्ययन में यह तथ्य सामने आया है कि शहरी युवाओं में लगभग 15 फीसदी लोग आंशिक सुनने की समस्या से जूझ रहे हैं, जिसका मुख्य कारण हेडफोन का अत्यधिक उपयोग है।

दिनभर कानों में गूंजती आवाज़ें, न केवल श्रवण तंत्र को क्षतिग्रस्त करती हैं, बल्कि मस्तिष्क पर निरंतर दबाव भी डालती हैं। यही कारण है कि आजकल 'साइलेंस' का अर्थ ही बदल गया है। हम शोर के इतने अभ्यस्त हो चुके हैं कि बिना आवाज़ हमें बेचैनी घेर लेती है। डॉक्टरों का मानना है कि लंबे समय तक हेडफोन में तेज़ संगीत सुनने से श्रवण नाड़ी को स्थायी नुकसान पहुंचता है। परिणामस्वरूप व्यक्ति को 'टिनिटस' जैसी समस्या हो सकती है।

भावनात्मक एआई की उम्मीदें और खतरे

इन दिनों आए दिन एआई को लेकर कुछ न कुछ सामने आ रहा है। कभी वीडियो को लेकर तो कभी अनुवाद और लेखन के संदर्भ में पढ़ने और देखने को मिल जाता है। कहा जा रहा है कि एआई सब कुछ करने में समर्थ है। एक नया शब्द सामने आया है भावनात्मक एआई और उसका भविष्य। रिसर्च कहती है कि भावनात्मक एआई का भविष्य उज्ज्वल है। उनका मानना है कि जैसे-जैसे यह तकनीक बेहतर होती जाएगी, हम देखेंगे कि एआई हमारे साथ और अधिक सहज तरीकों से बातचीत करेगा। एआई न केवल बुनियादी भावनाओं को, बल्कि उन गहरी और जटिल भावनाओं को भी ग्रहण करेगा, जो हमारे अनुभवों को आकार देती हैं। यह प्रगति मशीनों के साथ हमारी बातचीत के तरीके को पूरी तरह से बदल सकती है।

एक्सपर्ट का मानना है कि एआई के विकास में जटिल भावनाओं को समझने की क्षमता भी विकसित हुई है। मशीन लर्निंग और प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण में हुई प्रगति की बदौलत एआई अब साधारण भावनाओं की पहचान से आगे बढ़ गया है। यह निराशा, व्यंग्य और सहानुभूति जैसे सूक्ष्म संकेतों को पहचान सकता है। आज एआई मानवीय भावनाओं के सूक्ष्म विवरणों को बेहतर ढंग से समझने में सक्षम होता जा रहा है। यह सिर्फ इस बात पर निर्भर नहीं करता कि क्या कहा जा रहा है, बल्कि यह भी कि कैसे कहा जा रहा है। एआई अब आवाज, चेहरे के भावों और यहां तक कि वाणी की लय में भावनात्मक बदलावों को भी पहचान सकता है। इससे उसे किसी व्यक्ति की भावनाओं को और गहराई से समझने में मदद मिलती है। बुनियादी भावना पहचान से लेकर संदर्भ और जागरूक व्याख्या तक की इस छलांग ने एआई के साथ हमारी बातचीत को किसी दूसरे व्यक्ति से बात करने जैसा बना दिया है।

> फिलहाल एआई इंसानी भावनाओं को नहीं पढ़ सकता और न ही वह इन्हें शब्द दे सकता है। तकनीक का प्रयोग अच्छी बात है, लेकिन उस पर निर्भर होना ठीक नहीं है। तकनीक कितनी भी समुन्नत क्यों न हो जाए, आदमी के दिमाग को वह पीछे नहीं छोड़ सकती।

अमित बैजनाथ गर्ग
वरिष्ठ पत्रकार

भावनात्मक एआई तकनीक के साथ हमारी बातचीत के तरीके में क्रांति ला रहा है। जहां तक स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र की बात है, तो इसमें भावनात्मक एआई मानसिक स्वास्थ्य सहायता के क्षेत्र में बदलाव ला रहा है। आभासी साथी रोगियों को अपनी भावनाओं को नियंत्रित करने में मदद करते हैं और टेलीमेडिसिन सत्रों के दौरान स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों के लिए बहुमूल्य जानकारी प्रदान करते हैं। वहीं मनोरंजन और गेमिंग उद्योग भी इसका लाभ उठा रहे हैं। खेलों और फिल्मों में एआई चालित पात्र खिलाड़ियों या दर्शकों की भावनाओं के अनुकूल ढल सकते हैं, जिससे अधिक आकर्षक और यथार्थवादी अनुभव बनते हैं। इसके अलावा कार्यस्थल पर भावनात्मक एआई कर्मचारियों की भलाई पर नजर रखता है। बर्नआउट के लक्षणों का पता लगाता है और उत्पादकता बढ़ाने वाले सहायक वातावरण को बढ़ावा देता है।

जैसे-जैसे भावनात्मक एआई हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा बनता जा रहा है, यह महत्वपूर्ण चुनौतियां और नैतिक प्रश्न भी उठा रहा है। एक बड़ी चिंता एआई द्वारा भावनाओं की गलत व्याख्या करने का जोखिम है। मानवीय भावनाएं जटिल होती हैं। जब एआई गलत व्याख्या करता है, तो इससे निराशाजनक या हानिकारक अनुभव भी हो सकते हैं, जिससे उपयोगकर्ताओं को गलत समझे जाने का एहसास होता है। इसमें निजता भी चिंता का विषय है। भावनाओं और व्यक्तिगत डाटा पर नजर रखने की संवेदनशील प्रकृति का मतलब है कि मजबूत सुरक्षा के बिना इस जानकारी का दुरुपयोग हो सकता है। एक और चुनौती एआई प्रणालियों में पूर्वाग्रह की है। ये अक्सर विभिन्न संस्कृतियों, भाषाओं और व्यक्तिगत अनुभवों में भावनाओं की सटीक व्याख्या नहीं कर पाते, जिसके परिणामस्वरूप गलत व्याख्या हो जाती है।

हमें इस बात को भी स्वीकार करना होगा कि एआई में भावनात्मक हेर-फेर का भी खतरा है। उदाहरण के लिए मार्केटिंग के क्षेत्र में एआई का इस्तेमाल मुनाफे के लिए भावनाओं का शोषण करने के लिए किया जा सकता है। वहीं फैसलों को ऐसे तरीके से प्रभावित किया जा सकता है, जो उपयोगकर्ता के सर्वोत्तम हितों के अनुरूप न हों। इससे गंभीर नैतिक चिंताएं पैदा होती हैं। खासकर जब एआई का इस्तेमाल पारदर्शिता या निष्पक्षता के बिना व्यवहार को प्रभावित करने के लिए किया जाता है। जैसे-जैसे हम भावनात्मक एआई को अपनाते हैं, इन चुनौतियों का सावधानीपूर्वक सामना करना महत्वपूर्ण हो जाता है। साथ ही यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक हो जाता है कि यह नैतिक सीमाओं को पार किए बिना हमारे जीवन को बेहतर बनाए।

ज्ञानेंद्रियां और कर्मेंद्रियां होती हैं 10 और एक होता है मन

श्रीमद्भगवत गीता की व्याख्याओं का अंत नहीं है। इस ग्रंथ के 18 अध्यायों में वैचारिक-स्तर के विविध-योग पर सूक्ष्म दृष्टि डालने पर लगता है कि अर्जुन की जिज्ञासाओं के समाधान का यह ग्रंथ है। महाभारत के भीष्म पर्व के बीच श्रीकृष्ण-अर्जुन संवाद का प्रथम अध्याय अर्जुन विषाद योग है, तो अंतिम 18वां अध्याय मोक्ष संन्यास योग है। पहले अध्याय में नेत्र विहीन धृतराष्ट्र के युद्ध परिणाम जानने की जिज्ञासा का समाधान 18वें अध्याय में संजय द्वारा किया जाता है। धृतराष्ट्र की नेत्रविहीनता का आशय अंधकार और वह भी मन के भटकाव का सूचक है, तो अंतिम 18वें अध्याय के अंतिम श्लोक में संजय 'जहां कृष्ण और अर्जुन हैं, वहीं श्री, विजय, विभूति है' का उत्तर देते हुए समाधान प्रस्तुत करते हैं।

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

कृष्ण योगेश्वर हैं, तो संजय का यह उत्तर सार्थक लगता है कि योग के जरिए यदि मूलाधार से लेकर सहस्रार तक के चक्रों को जागृत कर लिया जाए, तो यह शरीर रूपी पृथ्वी जो 'सुर-दुर्लभ सब ग्रंथन गावा' कहा गया है, वह शतप्रतिशत लागू हो जाएगा, क्योंकि अंतिम श्लोक में अर्जुन के लिए पार्थ शब्द का प्रयोग हुआ है। यानी पृथ्वीपुत्र अर्जुन पहले अध्याय में विषाद नहीं, बल्कि अपने जिज्ञासु स्वरूप को संपूर्ण पुरुष कृष्ण के समक्ष प्रकट करते हैं।

इसके अलावा इस ग्रंथ में अनेकानेक बार श्रीकृष्ण इंद्रिय, मन, शरीर की चर्चा अर्जुन से करते हैं कि इन्हें ही साध लेने वाला सच्चा साधक होता है। यदि श्रीकृष्ण के इन संकेतों पर ध्यान दिया जाए तो ज्ञानेंद्रियां और कर्मेंद्रियां दस होती हैं। एक मन होता है तथा योगशास्त्र के अनुसार सात चक्र होते हैं।

महाभारत ग्रंथ में भी कुल 18 पर्व आते हैं। युद्ध के मैदान में कौरवों के पास 11 तथा पांडवों के पास सात कुल 18 अक्षौहिणी सेना का संकेत भी उक्त अवधारणा को पुष्ट करता है। पांडवों के इन सात अक्षौहिणी सेना को साधने का मतलब मूलाधार से सहस्रार तक सातों चक्रों को जागृत करने से है। इस स्थिति में कोई भी पांडव जैसा श्रीकृष्ण का सखा हो सकता है तथा इस शरीर रूपी रथ की लगाम विवेक रूपी श्रीकृष्ण के हाथों में आ जाती है, वरना भौतिकता में अंधा डूबा मन धृतराष्ट्र बन जाता है और उससे निकलने वाले पुत्र रूपी भाव और कार्य दुर्योधन की सेना जैसे हो जाते हैं।

बीजेपी की सियासत गलत तो मजलिस की सही कैसे!

मुसलमानों की अपनी पार्टी, हिंदुओं की अपनी पार्टी, सिखों की अपनी पार्टी, जंगे आज़ादी के दौरान यह सोच उभरी थी, लेकिन महात्मा गांधी, पंडित नेहरू, सरदार पटेल, मौलाना आज़ाद, सुभाष चंद्र बोस, यहां तक कि शुरूआती दिनों में जिन्ना तक इस विचार के घोर विरोधी थे, लेकिन अंग्रेजों की साज़िश ने ऐसा दांव खेला की जिन्ना न सिर्फ इस विचार के समर्थक बने, बल्कि देश के बंटवारे तक पर अड़ गए I यहां यह बात बताना ज़रूरी है कि जिन्ना और उनके चेले-चपाटों को छोड़ कर उस समय के सभी मुसलिम नेता और उलमा इस विचार के घोर विरोधी थेI मौलाना आज़ाद के अलावा मौलाना हुसैन अहमद मदनी, मौलाना अबुल अला मौदूदी, मौलन अनजर शाह कश्मीरी, खान अब्दुल गफ्फार खान आदि सभी उलमा और मुसलिम नेता धर्म की बुनियाद पर सियासी पार्टियों के गठन के विरोधी थे।

इन दूर दृष्ट वाले नेताओं ने बंटवारे का पूरी ताक़त से विरोध किया। सड़कों पर लीगी लंपटों की गालियां सुनीं, मौलाना आज़ाद को जूते का हार तक पहनाया गया, मगर उन्होंने उस खतरे का आखिरी दम तक विरोध किया जो मुस्लिम लीग के उन्मादियों ने बंटवारे की शक्ल में देश के सामने खड़ा कर दिया था। मुस्लिम लीग और हिंदू महासभा ने साझा सरकारें तक बनाई थीं। जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंगाल में मुस्लिम लीग और हिंदू महासभा की साझा सरकार में उप मुख्यमंत्री थे, जिसके मुख्यमंत्री चौधरी फजल इलाही थे, जिन्होंने मुस्लिम लीग के ढाका इजलास में पाकिस्तान का प्रस्ताव पेश किया था। मुस्लिम लीग के जहरीले और 'पाकिस्तान का मतलब क्या ला इलाहा इल लल्ला' जैसे अधार्मिक गैर इस्लामी और घोर विभाजनकारी नारों ने देश के वातावरण को प्रदूषित कर रखा था।

लगभग एक सदी के बाद यह विभाजनकारी विचार फिर सर उठाने लगा है, 'नज़रियेए पाकिस्तान' की तरह अब देश के मुसलमानों को 'अपनी कयादत' का जहर पिलाया जा रहा है और जिस तरह मुस्लिम लीग और जिन्ना को आरएसएस और हिंदू महासभा का मूक समर्थन हासिल था, ठीक उसी तरह आज बीजेपी का मूक समर्थन आल इंडिया मजलिस इत्तेहादुल मुस्लमीन और बैरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी को हासिल हैI बीजेपी की चाल है कि जिस तरह जिन्ना खुद को एक क्षत्र मुस्लिम नेता के तौर पर पेश करते थे, उसी तरह ओवैसी भी मुस्लिम नेता के तौर पर उभरें, ताकि कांग्रेस समेत अन्य सेक्युलर पार्टियों को जो 15% वोट बैंक है, उसमें और बिखराव हो और उसका रास्ता बिलकुल साफ हो जाएI यह हिंदू नेता मुस्लिम नेता और हिंदू पार्टी मुस्लिम पार्टी का जो खेल है, वह देश की 'भावनात्मक एकता और अखंडता' के लिए जहर हलाहल है।

अगर हम बीजेपी-आरएसएस की धर्म की बुनियाद वाली राजनीति के विरोधी हैं, तो हमें इसी पैमाने से मजलिस की राजनीति का भी विरोध करना होगाI धार्मिक उन्माद पर देश का बंटवारा हो जाने पर भारतीय मुसलमान पीढ़ी दर पीढ़ी इसका खामियाजा भुगतते रहेंगे। वह एक ऐसे जुर्म की सजा पाते रहेंगे, जो उन्होंने क्या उनके पुरखों ने भी नहीं किया था। दो राष्ट्रवाद के ज़हरीले विचार को लात मार कर उसी सरज़मीन पर ही बसे रहने का फैसला किया था, जहां वह सदियों से अपने हिंदू, सिख और अन्य धर्म के भाइयों के साथ मिलजुल कर रह रहे थेI उन्होंने मौलाना आजाद के फैसले को माना और गांधी नेहरू के आश्वासन और आंबेडकर के संविधान के साथ ही साथ अपने गैर मुस्लिम पड़ोसियों पर भी विश्वास किया था।

समाज का एक बड़ा वर्ग बंटवारे के इस जख्म को भरने में लगा हुआ है, लेकिन जितना मजलिस की राजनीति और उसकी स्वीकारता मुसलमानों में बढ़ती जाएगी, उतना ही यह वर्ग कमज़ोर होता जाएगा और जो बंटवारा अभी 60 फीसदी सेक्युलर वोटर्स का है, वह घटते-घटते 15-20 प्रतिशत ही रह जाएगा I मजलिस जैसी पार्टियां और उनके तंग दिल, तंग नज़र समर्थक रंग भर रहे हैंI भेड़ों की गड़रिये से नाराजगी पर भेड़िए से दोस्ती वाली कहावत यह लोग चरितार्थ कर रहे हैं।

-उबैद उल्लाह नासिर

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

नौटंकी शैली में रामायण लिखने वाले
राधेश्याम कथावाचक

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

नौटंकी की शैली में लिखी गई रामायण ऐसी अनोखी कृति थी जिसने राधेश्याम कथावाचक को प्रसिद्धि के शिखर पर पहुंचा दिया, इस कृति का नाम भी उनके नाम पर राधेश्याम रामायण पड़ा। अपने जीवनकाल में राधेश्याम कथावाचक ने न सिर्फ तमाम नाटक लिखे, बल्कि कई फिल्मों की पटकथा लिखने के साथ गीतों की रचना की। हालांकि सबसे ज्यादा ख्याति उन्हें राधेश्याम रामायण से ही मिली। रामलीला के मंचों पर आज भी उनकी गायन शैली का प्रयोग किया जाता है। इस रामायण की विशेषता यह है कि राधेश्याम कथावाचक ने इसमें संवाद और अभिनय पक्ष को भी जोड़ा। इस कारण इसके संवाद मंचों पर की जाने वाली रामलीला में अपनाए गए। इस रामायण के मंचनीय होने के साथ संवाद और गायन गुण भी है। आज घर-घर में राधेश्याम रामायण है।

राधेश्याम कथावाचक का जन्म 25 नवंबर 1890 में शहर के मोहल्ला बिहारीपुर में हुआ था। राधेश्याम कथावाचक पर शोध कर कई किताबें लिखने वाले कृष्णायन कॉलोनी डेलापीर निवासी हरिशंकर शर्मा बताते हैं कि नौटंकी शैली राधेश्याम रामायण की सबसे बड़ी विशेषता है। उदाहरण के तौर पर पंचवटी के प्रसंग में उन्होंने लिखा है- 'मेरी नाक गई सो गई, अब अपनी नाक संभालो तुम, यदि जग में ऊंची नाक नहीं तो नकटा नाम धरा लो तुम', उन्होंने इसी लोक छंद के आधार पर अपनी रामायण की रचना की है, जो आगे चलकर तर्ज राधेश्याम या राधेश्यामी छंद के नाम से प्रसिद्ध हुई। इन छंदों को उनके नाम से जाना गया, जो उनकी बड़ी उपलब्धि थी। हरिशंकर शर्मा कहते हैं, पंडित जी लोक व्यक्ति थे, उस वक्त नौटंकी (स्वांग), रामलीला, रास, आला गायकी, लोक गीत का चलन था। सबसे ज्यादा उत्तर भारत में आल्हा गाई जाती थी, राधेश्याम रामायण इतनी प्रसिद्ध हुई कि वह सावन के दिनों में गांवों की चौपाल और शहरी इलाकों में गाकर सुनाई जाती थी। हरिशंकर बताते हैं कि पांच साल पहले उनकी मुलाकात जैसलमेर के एक बुजुर्ग सज्जन से हुई थी, वह उन्हें जयपुर में मीरा महोत्सव में मिले थे। उन्होंने पंडित जी से जुड़ा एक वाकया सुनाया। बताया कि पंडित जी यहां कथा सुनाते थे, उनका खेतों में बड़ा सा मंच के रूप में मचान बनता था। पंडितजी ने पूर्व दिशा से रामायण की शुरुआत की थी, उनके चारों ओर श्रोता बैठे थे, उन्होंने रामायण के विभिन्न प्रसंग पूर्व, पश्चिमी और दक्षिण दिशा की ओर अपना आसन करके सुनाए, वहां पर 50 से हजार से ज्यादा श्रोता थे। वहां कोई माइक नहीं था, उन्होंने अपने कंठ से रामायण सुनाई, उनकी आवाज आखिर में बैठे व्यक्ति तक पहुंचती थी। वर्ष 1930 में बरेली के साहूकारा स्थित दाऊ जी मंदिर में वहां के एक संगीतज्ञ नारायाण गोस्वामी थे, जिन्होंने राधेश्याम कथावाचक की रामायण को संगीतमय गायन ग्रामोफोन रिकार्ड के लिया किया था। जिसके रिकार्ड एचएमबी व अन्य कंपनियों ने रिकार्ड जारी किए थे।

नाटकों को राष्ट्रीय भावनाओं से जोड़ा

राधेश्याम का पेशा कथावाचन का था, नाटक उनका शौक था। लोगों के बीच उनके नाटक बेहद लोकप्रिय थे। उनके वीर अभिमन्यु नाटक को सबसे ज्यादा प्रसिद्ध मिली, जिसका देशभर के स्कूल- कॉलेजों, थिएटर, मंचों पर डेढ़ हजार से अधिक बार मंचन किया जा चुका है। आज भी इस नाटक का मंचन होता है। राधेश्याम ने अपने नाटकों को राष्ट्रीय भावनाओं से भी जोड़ा, जिसमें अछूत उद्धार और समाज सुधार की प्रमुखता थी। उन्होंने करीब 14 नाटक लिखे। जिसमें श्रवणकुमार, परिवर्तन, मशरिकी हूर, नारद मोह, महर्षि वाल्मीकि आदि सम्मिलित हैं। जिस समय राधेश्याम ने इस क्षेत्र में कदम रखा, उस समय पारसी रंगमंच का प्रभाव था। उन्होंने भारतीय पौराणिक आख्यानों को लेकर नाटकों की रचना की। नाटकों को नई दिशा दी।

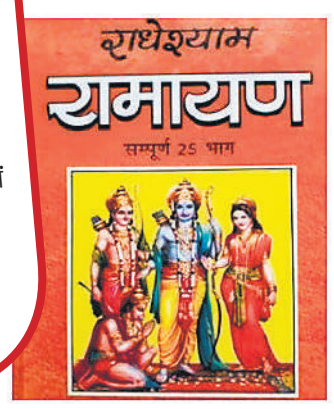

25 कथा खंड और आठ भाग में है राधेश्याम रामायण

राधेश्याम रामायण 25 कथा कांड और आठ भाग में है। मोहल्ला बिहारीपुर में वर्ष 1920 में राधेश्याम प्रेस की स्थापना हुई थी। इससे पहले उनकी रामायण आगरा, मुरादाबाद, लखनऊ और मथुरा से प्रकाशित होती थी। छोटे कथा खंड यहीं से प्रकाशित होते थे। उनका गायन, ढोलक और हारमोनियम पर होता था। वह खुद हारमोनियम बजाते थे। राधेश्याम रामायण संस्कृत और उर्दू मिश्रित खड़ी बोली में है। जिसमें मुहावरे, लोकयुक्तियों का प्रयोग किया गया, जो बहुत सरल है, जिसे लोग आसानी से समझ जाते हैं, जिन्हें उन्हें छंद का अर्थ बताने की जरूरत नहीं पड़ती है। यही वजह है कि यह बहुत जल्दी घर-घर तक पहुंच गई। राधेश्याम के पिता बांकेलाल शर्मा कथावाचक थे, वह भी चाहते थे कि बेटा उन्हीं की तरह कथावाचक बने। राधेश्याम ने 17-18 वर्ष की अवस्था में ही रामायण के कथा खंडों को लिख डाला था।

राधेश्याम कथावाचक का फिल्मी सफर

राधेश्याम कथावाचक ने 1931 में फिल्म शकुंतला के संवाद और कहानी लिखी थी। श्री सत्यनारायण फिल्म की कहानी के साथ गीतों को भी लिखा। फिल्म झांसी की रानी लक्ष्मीबाई में लिखे उनके गीत को मोहम्मद रफी ने गाया था। उनकी फिल्में काफी सफल रहीं। 26 अगस्त 1963 में उनका देहांत हो गया।

राधेश्याम पर लिखी किताबें

'सनातन के प्रहरी पं. राधेश्याम कथावाचक' किताब के लेखक हरिशंकर शर्मा कहते हैं कि पंडितजी ने राधेश्याम रामायण को सरल रूप में प्रस्तुत किया। उनके द्वारा संपादित पुस्तक राधेश्याम कथावाचक की डायरी 'अपने समय का सच' महाराष्ट्र विवि से संबद्ध महाविद्यालयों के पाठ्यक्रम में शामिल है। गुरुकुल कांगड़ी विवि के आर्काइव में उनकी दो किताबें 'रंगायन' और 'राधेश्याम कथा वाचक : सफर एक सदी' है।

कथावाचक राधेश्याम का हारमोनियम

विंडरमेयर : रंगमंच की सिखा रहा बारीकियां

शहर के सिविल लाइंस में स्थापित विंडरमेयर रंगमंच की दिशा में लगातार कुछ न कुछ नया कर रहा है। न सिर्फ लोगों को रंगमंच के करीब ला रहा है बल्कि बरेली की छिपी प्रतिभाओं को निकालने और उन्हें मंच देने का भी काम कर रहा है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के रंगमंच के मझे हुए कलाकारों के जरिये नई पौध को अभिनय की बारीकियों से सींचने काम कर रहा है।

विंडरमेयर नाम के ब्लैक बॉक्स थिएटर की स्थापना शहर के जाने माने चिकित्सक डॉ. बृजेश्वर सिंह ने वर्ष 2013 में की थी। रंग विनायक रंगमंडल समूह का गठन वर्ष 2007 में हुआ था। करीब 12 सालों से बरेली के लोगों को यह थिएटर रंगमंचीय दुनिया से रूबरू करा रहा है। यहां राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त तमाम नाटकों का मंचन हो चुका है और यह क्रम लगातार जारी है। रंगमंच के दिग्गज कलाकार, लेखक, नाटककार मानव कौल, रोहिणी हट्टंगड़ी, कुमुद मिश्रा, अश्वथ भट्ट, मकरंद देशपांडे, कुलभूषण खरबंदा, सुमित व्यास यहां मंचन कर चुके हैं। इस वक्त यहां अंतर्राष्ट्रीय स्तर की वर्कशॉप चल रही है, जिसमें जर्मन रंगमंच के कलाकार माटेन युवा कलाकारों को रंगमंचीय कौशल सीखाने के साथ उसकी बारीकियां बता रहे हैं। साथ ही मॉर्डन, पोस्ट मॉर्डन और एक्सिस थिएटर के बारे में भी अहम जानकारी दे रहे हैं। एक्सिस थिएटर में कई चीजों के माध्यम से दर्शकों से संवाद किया जाता है।

रंग विनायक रंग मंडल टीम के सदस्य एवं रंगमंच के कलाकार पुराना शहर के सैलानी निवासी दानिश खान बताते हैं कि रंग विनायक रंग मंडल की टीम रामलीला का मंचन करती है। अभी हाल में इस टीम ने अयोध्या में आयोजित दीपोत्सव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में मंचन किया था। रामलीला में श्रीराम का किरदार निभाने वाले दानिश बताते हैं कि मुख्यमंत्री ने उनकी टीम के रामलीला मंचन के कुछ अंश पोर्टल पर भी जारी किए थे। वह बताते हैं कि जो कलाकार नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में नहीं जा पाते हैं। विंडरमेयर की कोशिश रहती है, वहां के शिक्षकों के जरिये यहां के युवा कलाकारों को प्रशिक्षित किया जाए। यहां से जुड़े कई लोग टीवी, फिल्म और डायरेक्शन में अपना हुनर दिखा रहे हैं, इनमें कौशल मिश्रा, शिवा, सृष्टि माहेश्वरी, सविता, वर्षा जैसे तमाम नाम हैं। टीम में करीब 18 कलाकार हैं। बताया कि नवरात्र के समय विंडरमेयर में रामलीला का मंचन होता है।

विंडरमेयर को स्थापित करने वाले और दया दृष्टि चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. बृजेश्वर सिंह को रंगमंच से गहरा लगाव है। यही वजह कि वह डॉक्टरी पेशा के साथ इस विधा सी भी जुड़े हैं। लोगों को भी इससे जोड़कर रखना चाहते हैं। उन्हें रंगमंच-कला-संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए कई प्रतिष्ठित पुरस्कार मिल चुके हैं। वर्ष 2020 के रंगमंच प्रोत्साहन के लिए उन्हें प्रतिष्ठित यूपीएसएनए (उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी) पुरस्कार से सम्मानित किया गया। ऐसे कई प्रदेशों से उन्हें सम्मान मिल चुके हैं।

संगीत और रंगमंच के क्षेत्र में बरेली की एक गहरी और बहुआयामी विरासत है। बरेली की यह कलात्मक पहचान पारंपरिक कला विधाओं और आधुनिक अभिव्यक्तियों के एक अनूठे संगम का प्रमाण है, जो शहर के सांस्कृतिक ताने-बाने को निरंतर समृद्ध कर रही है। इतिहास की गूंज वर्तमान की आवाज़ के साथ मिलकर यहां का संगीत और रंगमंच एक अनूठी और जीवंत सांस्कृतिक पहचान बना रहा है। यह शहर इस बात का एक उत्कृष्ट उदाहरण है कि कैसे पारंपरिक कला विधाएं आधुनिक अभिव्यक्तियों के साथ मिलकर किसी क्षेत्र की कलात्मक पहचान को न केवल जीवित रखती हैं, बल्कि उसे निरंतर समृद्ध भी करती हैं।

मील के पत्थर

बरेली नाट्य महोत्सव में जुटे थे रंगमंच के दिग्गज

बरेली शहर में रंगमंच को आगे बढ़ाने के लिए अस्तिता फाउंडेशन की ड्रामा ड्रॉप आउट्स विंग भी काम कर रही है। इसके चेयरमैन एवं रंगमंच कलाकार कैंट स्टेशन रोड निवासी राजू सिंह चौहान बताते हैं कि दो जनवरी वर्ष 2025 में इस संगठन का गठन किया गया। जो किसी कारण कलाकार रंगमंच से छूट गए हैं, उन्हें जोड़ने का भी काम ड्रामा ड्रॉप आउट्स विंग कर रहा है। हम सभी कलाकारों का काम थियेटर को आगे बढ़ाना है। वर्तमान में इस संगठन से 35 कलाकार जुड़े हैं। संस्था की ओर से अर्बन हॉट स्थित प्रभावे में एक से सात सितंबर तक बरेली नाट्सय महोत्सव का आयोजन हुआ था। जिसमें रंगमंच के दिग्गज कलाकार जुटे थे। इसमें मेटा-पंचलाट समेत कई नाटकों का मंचन हुआ था। बड़ी संख्या में दर्शकों ने पहुंचकर कलाकारों के अभिनय को सराहा था। गोरखपुर, दिल्ली के श्रीराम सेंटर आदि स्थानों से रंगमंच के कलाकारों की टीमें आई थीं। इससे पहले मोहन राकेश के नाटक आषढ़ का एक दिन का मंचन हुआ था। अभिनेता सौरभ शुक्ला ने नाटक बर्फ का मंचन किया था। राजू बताते हैं कि दिसंबर में भी पांच नाटकों का मंचन किया जाएगा। बरेली नाट्य महोत्सव भी हर साल होगा।

चेयरमैन एवं रंगमंच कलाकार राजू सिंह चौहान

कला-संस्कृति की विरासत को संजो रहा रिद्धिमा

एसआरएमएस ट्रस्ट ने 8 फरवरी 2021 को अपने प्रेरणा स्रोत स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय राम मूर्ति के 111वें जन्मदिन पर रिद्धिमा ए सेंटर आफ परफार्मिंग एंड फाइन आर्टस को म्यूजिक संस्थान के रूप में स्थापित किया था। कथक गुरु जितेंद्र महाराज, शायर वसीम बरेलवी और शब्बू मियां की मौजूदगी में इसका लोकार्पण हुआ था। हाजियापुर स्थित रिद्धिमा में गायन, वादन, फाइन आर्ट्स, कथक, भरतनाट्यम और अभिनय की शिक्षा दी जा रही है। एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति ने सांस्कृतिक धरोहर और कला को संरक्षण देने का जो संकल्प लिया। इसी का नतीजा रहा कि स्थापना से ही रिद्धिमा ने संगीत और थिएटर प्रेमियों पर अपना जादू बिखेरना शुरू कर दिया था। रिद्धिमा ने कला को सहेजने का काम तो किया ही कलाकारों को अपना हुनर दिखाने के लिए मंच भी समर्पित किया। यही वजह रही कि यहां सांस्कृतिक कार्यक्रमों का मंचन अनवरत रूप से जारी है। प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जा रही हैं। यहां पर थिएटर प्रेमियों के लिए वर्ष 2021 में मार्च में जिंदगी डॉट काम से नाटक के मंचन का आगाज हुआ। इसके बाद नाटकों के मंचन का सिलसिला प्रति सप्ताह पहुंच गया। यहां पर पं.राधेश्याम कथावाचक के चर्चित नाटक वीर अभिमन्यु, अंधायुग, पोस्टर, प्रमोशन, अकबर द ग्रेट ने गुदगुदाया, दयाशंकर की डायरी, गालिब इन न्यू दिल्ली, अर्जुन प्रतिज्ञा, अंधायुग, पैगाम ए खुसरो, त्रिशंकु, टुकड़े टुकड़े धूप, वरदान, मैं पापिन क्यों, चाचा छक्कन इन एक्शन जैसे 150 से ज्यादा नाटकों का मंचन किया जा चुका है। स्थापना वर्ष से ही रिद्धिमा में थिएटर फेस्टिवल इंद्रधनुष का भी आयोजन किया जा रहा है। जिसमें सप्ताह में सात प्रसिद्ध नाटकों का मंचन होता है। इसके साथ ही फाग महोत्सव, सूफियाना कव्वाली, बज्म ए सुखन और साहित्य सरिता कार्यक्रम से रिद्धिमा के श्रोताओं को बरेली और आसपास के नवोदित शायरों और कवियों से रूबरू होने का मौका दिया जा रहा है। चित्रकला के प्रति विद्यार्थियों का रुझान बढ़ाने और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए रिद्धिमा में वार्षिक राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिताएं भी आयोजित होती हैं। इसके साथ ही नृत्य कला, फोटोग्राफी और थिएटर टेक्निक्स के लिए भी वर्कशाप का आयोजन अनवरत किया जाता है।

दुर्लभ वाद्य यंत्रों की विरासत

श्रीराम मूर्ति स्मारक रिद्धिमा में इंस्ट्रूमेंट म्यूजियम स्थापित किया गया है, जिसमें दुर्लभ वाद्ययंत्रों को संरक्षित करने की पहल की गई है। इसमें दो सौ से ज्यादा दुर्लभ वाद्य यंत्रों को देश के कोने कोने से लाकर यहां रखा गया। यह देश का ऐसा अनोखा इकलौता इंस्ट्रूमेंट म्यूजियम है, जहां पर इतनी बड़ी संख्या में वाद्ययंत्रों एक साथ संरक्षित किया गया है। संगीत प्रेमियों और युवा पीढ़ी को अपने गौरवशाली संगीत इतिहास के इन दुर्लभ वाद्य यंत्रों से परिचित कराने और सहेजने के लिए ही यहां संग्रहालय बनाया गया। वर्ष 2021 में तीन सितंबर को एसआरएमएस ट्रस्ट के सेक्रेटरी आदित्य मूर्ति ने वाद्य यंत्र संग्रहालय का शुभारंभ किया था। आदित्य मूर्ति के अनुसार हमारे हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की विश्व भर में धूम है। सभी देशों में हमारे वाद्य यंत्रों को सराहा जाता है। ट्रस्ट के चेयरमैन एवं पिता देव मूर्ति ने इन्हें संरक्षित करने का संकल्प लिया और रिद्धिमा में इंस्ट्रूमेंट म्यूजियम स्थापित किया। यहां जोगी सारंगी, रावण हत्था, गुलगुबा, अलगोजा, एकतारा जैसे फोक वाद्ययंत्र के साथ ही विचित्र वीणा, रुद्र वीणा, सरस्वती वीणा, मयूरी वीणा, सुरबहार, दिलरुबा, पखावज, मृदंग, गोपीचंद, कश्मीरी सारंगी, संतूर, सारिंदा जैसे शास्त्रीय वाद्ययंत्र भी रखे गए हैं।

प्रस्तुति : रामराज मिश्रा

एयर इंडिया व एयर कनाडा में फिर बहाल हुआ कोडशेयर

नई दिल्ली। टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया ने कनाडा की एयरलाइंस एयर कनाडा के साथ कोडशेयर समझौता फिर बहाल किया है, जिससे यात्रियों को ज्यादा विकल्प मिल सकेंगे। एयर इंडिया ने शनिवार को बताया कि यह समझौता 2 दिसंबर से प्रभावी होगा। इससे उसके यात्री वैंकूवर और लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे के जरिये कनाडा के छह शहरों तक एयर इंडिया की वेबसाइट से एआई कोड के साथ टिकट बुक करा सकेंगे।

अमृत विचार

बरेली, रविवार, 23 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

8,000 करोड़ रुपये जुटाएगी सागरमाला

नई दिल्ली। सागरमाला फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एसएमएफसीएल) देश की समुद्री ताकत को और मजबूत करने के लिए चालू वित्त वर्ष में बैंकों, वित्तीय संस्थानों और बॉण्ड के जरिए 8,000 करोड़ रुपये जुटाएगी। एसएमएफसीएल को पहले सागरमाला डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड के नाम से जाना जाता था। यह भारत की पहली समुद्री क्षेत्र विशिष्ट गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी है। एसएमएफसीएल ने कहा कि हाल ही में आयोजित वार्षिक आम बैठक में कंपनी के निदेशक मंडल ने चालू वित्त वर्ष में 8,000 करोड़ रुपये जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। साथ ही उधारी सीमा 25,000 करोड़ रुपये निर्धारित करने को भी स्वीकृति दी गई।

रवींद्रन को एक अरब डॉलर चुकाने का आदेश

नई दिल्ली। अमेरिका की अदालत ने बायजू अल्फा और अमेरिका स्थित ऋणदाता जीएलएएस ट्रस्ट कंपनी एलएलसी की याचिका पर बायजू रवींद्रन के खिलाफ डिफॉल्ट निर्णय सुनाया है। आदेश के तहत रवींद्रन को एक अरब डॉलर से अधिक की राशि चुकानी होगी। यह फैसला 20 नवंबर को आया। सुनवाई के दौरान डेलावेयर दिवाला अदालत ने पाया कि रवींद्रन ने उसके दस्तावेजी जानकारी आदेश का पालन नहीं किया और कई मौकों पर टालमटोल करते रहे। अदालत ने प्रतिवादी रवींद्रन के खिलाफ डिफॉल्ट निर्णय सुना दिया है। इसमें 533,000,000 डॉलर भुगतान के लिए तय की गई है, और खंड 2, 5 और 6 से संबंधित मामले में 540,647,109 .29 डॉलर की राशि चुकाने का आदेश दिया गया है।

इंडिगो की मूल कंपनी सेंसेक्स में होगी शामिल

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो का संचालन करने वाले इंटरग्लोब एविएशन 22 दिसंबर से बीएसई के 30 शेयरों वाले सूचकांक सेंसेक्स में शामिल हो जाएगी। बीएसई इंडेक्स सर्विसेज ने शनिवार को यह जानकारी दी। बीएसई इंडेक्स सर्विसेज ने बताया कि टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड को इस सूचकांक से बाहर कर दिया जाएगा। बीएसई इंडेक्स सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड ने अपने सूचकांकों के पुनर्गठन के तहत इन बदलावों की घोषणा की है, जो 22 दिसंबर को बाजार खुलते ही प्रभावी हो जाएंगे। बीएसई 100 सूचकांक में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड को शामिल किया जाएगा, जो अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड की जगह लेगा।

श्रम संहिता से मजबूत होगा देश का निर्यात तंत्र

अस्थिर वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धा और अनुपालन मानकों को पूरा करने के लिए सुधार की थी जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को कहा कि श्रम संहिताओं के लागू होने से देश का निर्यात तंत्र मजबूत होगा। यह सुधार अस्थिर वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धा और अंतर्राष्ट्रीय अनुपालन के मानकों को पूरा करने के लिए बहुत जरूरी थे।

अधिकारी ने कहा कि श्रमिकों के लिए ये प्रावधान निष्पक्ष मजदूरी, सामाजिक सुरक्षा, समानता, कौशल उन्नयन के अवसर और श्रम की गरिमा सुनिश्चित करते हैं। एक ऐतिहासिक कदम में सरकार ने शुक्रवार को 2020 से लंबित चारों श्रम संहिताओं को लागू कर दिया। वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारी ने कहा कि संहिताओं के हर प्रावधान अलग-अलग तरीके से भारत के निर्यात तंत्र को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि निर्यात करने वाले उद्योगों के लिए ये संहिताएं लचीलापन, सरलीकरण और पूर्वानुमान उपलब्ध कराती हैं, जो वैश्विक बाजारों की अस्थिरता में प्रतिस्पर्धा करने और विदेशी अनुपालन मानकों को पूरा करने के लिए जरूरी है। नियुक्ति और मजदूरी में लिंग के आधार पर भेदभाव पर रोक से समान काम के लिए समान वेतन सुनिश्चित होगा। निर्यात उद्योगों के लिए इससे घरेलू प्रथाएं अंतर्राष्ट्रीय श्रम और मानवाधिकार मानकों के अनुरूप होंगी। महिलाओं को उनकी सहमति और पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था के साथ रात की पाली में काम करने की अनुमति देने का प्रावधान उन निर्यात उद्योगों के लिए बहुत फायदेमंद है, जो 24 घंटे लगातार उत्पादन करते हैं, ताकि अंतर्राष्ट्रीय ऑर्डर समय से जा सकें। अब परिधान, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी सेवाओं जैसे क्षेत्र की कंपनियां उचित परिवहन, सुरक्षा और कल्याण व्यवस्था के साथ कानूनी रूप से महिलाओं को देर रात काम पर रख सकती हैं।

सरकार, नियोक्ता और कर्मचारियों के बीच संवाद जरूरी : आईएलओ

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के महानिदेशक गिल्बर्ट एफ हौंग्बो ने कहा कि भारत में श्रम संहिताएं लागू होने के बीच सरकार, नियोक्ता और कर्मचारियों के बीच सामाजिक संवाद बहुत जरूरी है, तभी ये संहिताएं कर्मचारियों और कारोबार, दोनों के लिए फायदेमंद होंगी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, भारत में श्रम संहिताओं को लागू किए जाने को मैं बड़ी दिलचस्पी से देख रहा हूं। खासकर सामाजिक सुरक्षा और न्यूनतम मजदूरी से जुड़े हिस्सों को। इस बीच श्रम संहिताओं पर प्रतिक्रिया देते हुए पॉलिसीबाजार फॉर बिजनेस के निदेशक सञ्जा प्रवीण चौधरी ने कहा कि 40 साल से ऊपर के कर्मचारियों के लिए सालाना स्वास्थ्य जांच अनिवार्य करना यह दिखाता है कि अब संगठन अपने कर्मचारियों की सेहत को कितनी गंभीरता से ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि लंबे समय में यह नीति और सक्रिय स्वास्थ्य प्रबंधन का मेल नियोक्ता और कर्मचारी दोनों को फायदा देगा। फाउंडेशन फॉर इकॉनॉमिक डेवलपमेंट के संस्थापक और निदेशक राहुल अहलूवालिया ने कहा कि नई श्रम संहिताएं विनिर्माताओं के लिए अनुपालन बोझ कम करती हैं और छंटनी की सीमा, तिमाही कार्य घंटे जैसे कई मामलों में राज्यों को अच्छा लचीलापन देती हैं।

गिग श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा देगी श्रम संहिता

जोमैटो और ब्लिंकिट की मूल कंपनी इटरनल लिमिटेड ने शनिवार को चारों श्रम संहिताओं के लागू होने का स्वागत किया। इससे गिग श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा तक पहुंच मजबूत होगी, जिसमें उसके जोमैटो और ब्लिंकिट कारोबार से जुड़े डिलीवरी साझेदार भी शामिल हैं। इटरनल ने शेयर बाजार को बताया कि लंबी अवधि में इन नए नियमों का उसके कारोबार की सेहत और स्थिरता पर कोई नकारात्मक वित्तीय असर नहीं पड़ेगा। सरकार ने शुक्रवार को चारों श्रम संहिताओं को अधिसूचित कर दिया, जिनके जरिए मौजूदा 29 श्रम कानूनों को एकीकृत किया गया है। ये संहिताएं - वेतन संहिता 2019, औद्योगिक संबंध संहिता 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य दशाएं संहिता 2020 हैं।

चावल-गेहूं नरम, दालों व खाद्य तेलों में घट-बढ़

नई दिल्ली, एजेंसी

- चावल 40 और गेहूं 15 रुपये प्रति क्विंटल हुआ सस्ता

दिल्ली थोक जिंस बाजार में आवक बढ़ने से शनिवार को चावल के भाव उतर गए। गेहूं में भी नरमी रही जबकि चीनी के दाम लगभग गत दिवस के स्तर पर ही स्थिर रहे। दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया।

औसत दर्जे के चावल का औसत भाव 40 रुपये प्रति क्विंटल घट गया। गेहूं भी 15 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। आटे की कीमत में पांच रुपये कमी आई। उड़द दाल की औसत कीमत 14 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ी जबकि अन्य दालें सस्ती हुईं। मसूर दाल 43 रुपये और तुअर दाल 38 रुपये प्रति क्विंटल गयी। मूंग दाल की कीमत 11 रुपये और चना दाल की 13 रुपये प्रति क्विंटल उतर गयी। स्थानीय बाजारों में सरसों तेल औसतन 38 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ।

सोया तेल के भाव 36 रुपये और पाम ऑयल के 10 रुपये प्रति क्विंटल बढ़े। सूरजमुखी तेल की कीमत कमोबेश गत दिवस के स्तर पर ही रही। मूंगफली तेल 157 रुपये और वनस्पति आठ रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया। मीठे के बाजार में आवक अधिक रहने से आज गुड़ 17 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। चीनी के भाव लगभग पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर ही रहे।

रेलवे ने एक अरब टन माल ढुलाई का आंकड़ा किया पार

नई दिल्ली, एजेंसी

- रेल मंत्रालय के अनुसार, यह उपलब्धि प्रमुख क्षेत्रों से व्यापक समर्थन से हुआ प्राप्त

रेलवे का माल ढुलाई प्रदर्शन भारत की आर्थिक रीढ़ को लगातार मजबूत कर रहा है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 19 नवंबर तक कुल माल ढुलाई ने एक अरब टन का आंकड़ा पार कर लिया है। रेल मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि इस दौरान कुल माल ढुलाई 102 करोड़ टन से अधिक रही।

मंत्रालय के अनुसार, यह उपलब्धि प्रमुख क्षेत्रों से व्यापक समर्थन को दर्शाती है। कोयला सबसे बड़ा योगदानकर्ता रहा, जिसकी मात्रा 50.5 करोड़ टन है। लौह अयस्क 11.5 करोड़ टन, सीमेंट 9.2 करोड़ टन, कंटेनर व्यापार 5.9 करोड़ टन, कच्चा लोहा और तैयार इस्पात 4.7 करोड़ टन, उर्वरक 4.2 करोड़ टन, खनिज तेल 3.2 करोड़ टन, खाद्यान्न तीन करोड़ टन, इस्पात संयंत्रों के लिए कच्चा माल लगभग दो करोड़ टन और अन्य माल 7.4 करोड़ टन रहा। दैनिक माल ढुलाई लगभग 44 लाख टन पर मजबूत बनी हुई है, जो पिछले वर्ष के 42 लाख टन से अधिक है, और यह बेहतर संचालन दक्षता और लगातार मांग को दर्शाता है।

इस्पात उद्योग को राहत 55 आईएस मानकों का प्रवर्तन टला

नई दिल्ली। इस्पात उद्योग को बड़ी राहत देते हुए सरकार ने 55 आईएस (इंडियन स्टैंडर्ड) मानकों का प्रवर्तन एक से तीन साल के लिए टाल दिया है। इस्पात मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि संभावित डाउनस्ट्रीम मूल्य निर्धारण प्रभावों, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) तथा उपभोक्ता उद्योगों के लिए इस्पात की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने की जरुरत और कुछ विशेष ग्रेड के लिए आयात पर निरंतर निर्भरता को ध्यान में रखते हुए गैर-वित्तीय नियामक सुधारों पर उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों के आधार पर यह फैसला किया है। समिति ने अनुचित व्यापार प्रथाओं की रोक, छोटे इस्पात उत्पादकों को समर्थन और आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहन देने के विचारों का आकलन किया।

भारत इजराइल कृषि सहयोग बढ़ाने पर सहमत

- इजराइल के कृषि मंत्री से मिले केंद्रीय उद्योग गोयल, द्विपक्षीय सहयोग पर हुई चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अपने इजरायल दौरे के दूसरे दिन शुक्रवार को यहूदी राष्ट्र के कृषि एवं खाद्य सुरक्षा मंत्री एवी डिचर से मुलाकात की, जिसमें दोनों देश खेती-बाड़ी के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए। गोयल और डिचर की बैठक के दौरान कृषि क्षेत्र में आपसी सहयोग की स्थित और उसके भविष्य पर विस्तार से चर्चा की गयी।

डिचर ने इज़राइल के 25 साल के खाद्य सुरक्षा रोडमैप, आधुनिक बीज-वर्धन रणनीति और कृषि के लिए पानी के पुनः उपयोग की प्रौद्योगिकी में देश की अग्रणी स्थिति के बारे में जानकारी दी। गोयल पेरेस सेंटर फ़ॉर पीस एंड इनोवेशन भी गये जहां उन्हें इजराइल के अग्रणी प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी के बारे में बताया गया। उन्होंने वहां ड्रिप सिंचाई प्रणाली, स्टेंट प्रौद्योगिकी और आयरन डोम प्रणाली सहित कई महत्वपूर्ण नवाचार देखे। साथ ही, भविष्य की प्रौद्योगिकी और इमर्सिव वर्चुअल-रियलिटी समाधानों से भी रूबरू हुए। उन्होंने पेरेस सेंटर को एक प्रेरणा देने वाला संस्थान बताया जो इजराइल की रचनात्मकता, नवाचार और सामाजिक प्रभाव की यात्रा को दिखाता है।

केंद्रीय मंत्री किबुत्ज़ रमत राचेल भी गए जहां उन्होंने को-ऑपरेटिव लिविंग, टिकाऊ कृषि पद्धति और समुदाय आधारित नवाचार के मॉडल को देखा। इन सबके जरिये गोयल ने इजराइल की प्रौद्योगिकी ताकत और ग्रामीण एवं सतत विकास के प्रति उनकी सोच के बारे में जानकारी मिली। अपनी यात्रा के पहले दिन 20 नवंबर को गोयल ने इजरायल के आर्थिक मामलों के मंत्री नीर बरकत से मुलाकात की थी।

दोनों नेता मुक्त व्यापार समझौते के लिए वार्ता द्विपक्षीय वार्ता शुरू करने पर सहमत हुए और वार्ता प्रक्रिया के निर्देशन के लिए टर्म्स ऑफ रिफ्रेंस समझौते पर हस्ताक्षर किये। उसी दिन उन्होंने विभिन्न इजराइली कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों से भी मुलाकात की। उन्होंने हीरा व्यापारियों से मुलाकात की। दोनों देशों के आर्थिक संबंधों में हीरे का व्यापार काफी महत्व रखता है। वाणिज्य एवं व्यापार मंत्रालय की विज्ञप्ति में बताया गया है कि गोयल ने इस यात्रा के दौरान कृषि, प्रौद्योगिकी, नवाचार और व्यापार में दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को मजबूती प्रदान करने के लिए कई बैठकें कीं।

राष्ट्रीय

शीतकालीन सत्र के लिए 10 विधेयक सूचीबद्ध

निजी कंपनियों के लिए असैन्य परमाणु क्षेत्र को खोलने के प्रावधान वाला विधेयक भी सूची में सरकार ने किया शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान पेश करने के लिए कुल 10 विधेयकों को सूचीबद्ध किया है, जिनमें निजी कंपनियों के लिए असैन्य परमाणु क्षेत्र को खोलने के प्रावधान वाला एक विधेयक भी शामिल है। 'परमाणु ऊर्जा विधेयक, 2025' भारत में परमाणु ऊर्जा के उपयोग और विनियमन को नियंत्रित करने के उद्देश्य लाया जा रहा है। इस सत्र के लिए उच्च शिक्षा आयोग विधेयक भी सरकार के एजेंडे में है।

लोकसभा बुलेटिन के अनुसार, प्रस्तावित कानून विश्वविद्यालयों और अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों को स्वतंत्र और स्वशासी संस्थान बनने और मान्यता व स्वायत्तता की एक मजबूत और पारदर्शी प्रणाली के माध्यम से उत्कृष्टता को बढ़ाने के लिए भारत के उच्च शिक्षा आयोग की स्थापना का मार्ग प्रशस्त करता है। राष्ट्रीय राजमार्ग (संशोधन) विधेयक भी परिचय के लिए सूचीबद्ध है, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय राजमार्गों के लिए तेज़ और पारदर्शी भूमि अधिग्रहण करना है।

कॉरपोरेट कानून (संशोधन) विधेयक भी एजेंडे में है, जिसका उद्देश्य व्यवसाय करने में आसानी की सुविधा के लिए कंपनी अधिनियम, 2013 और एलएलपी (सीमित देयता भागीदारी) अधिनियम, 2008 में संशोधन करना है। सरकार के एजेंडे में प्रतिभूति बाजार संहिता विधेयक (एसएमसी), 2025 है, जो भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड अधिनियम, 1992, डिपॉजिटरी अधिनियम, 1996 और प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) अधिनियम, 1956 के प्रावधानों को एक तर्कसंगत एकल प्रतिभूति बाजार संहिता में समेकित करने का प्रस्ताव करता है। सरकार मध्यस्थता और सुलह अधिनियम में संशोधन की भी योजना बना रही है।

विधि मंत्रालय ने कहा कि कानून की धारा 34 में प्रस्तावित संशोधन और कंपनी निदेशकों पर उच्चतम न्यायालय की टिप्पणी पर सरकार को इस मुद्दे को समिति के पास भेजना पड़ा है। प्रस्तावित संशोधन इसी का परिणाम है। पिछले सत्र के दो विधेयक भी विचार और पारित करने को सूचीबद्ध हैं। वर्ष का पहला अनुपूरक बजट भी एजेंडे में है। शीतकालीन सत्र आगामी एक दिसंबर को शुरू होगा। कुल 15 कार्य दिवस वाला यह सत्र 19 दिसंबर को समाप्त होगा।

यूजीसी का स्थान लेगा शिक्षा विनियामक

उच्च शिक्षा के एकीकृत विनियामक के लिए संसद सत्र में विधेयक पेश होगा जो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) का स्थान लेगा। प्रस्तावित विधेयक का नाम भारतीय उच्च शिक्षा आयोग विधेयक रखा गया है। नई नीति के तहत प्रस्तावित भारतीय उच्च शिक्षा आयोग (एचईसीआई), यूजीसी, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) और राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) का स्थान लेगा। यूजीसी गैर तकनीकी उच्च शिक्षा का विनियामक है जबकि एआईसीटीई तकनीकी शिक्षा का विनियमन करता है और एनसीटीई शिक्षक शिक्षा का नियामक निकाय है।

बाजार कानून से कारोबार होगा आसान

लोकसभा सचिवालय ने बताया कि शीतकालीन सत्र के लिए प्रतिभूति बाजार संहिता विधेयक को सूचीबद्ध किया गया है। यह एकीकृत बाजार संहिता कारोबार को आसान बनाएगा। विधेयक का मकसद सेबी कानून 1992, डिपॉजिटरीज कानून 1996 और प्रतिभूति लेनदेन (नियमन) कानून 1956 के प्रावधानों को संहिता में मिलाना है। बाजार संहिता का प्रस्ताव 2021-22 के आम बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने घोषणा की थी। बाजार संहिता से अनुपालन की लागत कम होगी और पूंजी बाजार नियामक सेबी, डिपॉजिटरी तथा सरकार द्वारा बनाए नियमों के बीच टकराव कम होगा।

मप्र : काम के दबाव से दो बीएलओ की मौत

रायसेन/दमोह (मप्र), एजेंसी

मध्यप्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए सर्वे करने वाले दो शिक्षक-सह-बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) की रायसेन और दमोह ज़िलों में बीमारी से मौत हो गई। शिक्षकों के परिजनों ने ज्यादा काम के दबाव को मौत का कारण बताया है।

सूत्रों के अनुसार, अधिकारियों ने बताया कि रायसेन ज़िले में बीएलओ छह दिनों से लापता है, उसकी तलाश जारी है। मृतकों में बीएलओ रमाकांत पांडे और सीताराम गोंड है। दोनों रायसेन और दमोह ज़िलों में पदस्थ थे। भोजपुर विधानसभा क्षेत्र के अनुविभागीय अधिकारी (एसडीओ) और इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर, चंद्रशेखर श्रीवास्तव ने शनिवार को बताया, सतलापुर के शिक्षक रमाकांत पांडे मंडीदीप में एसआईआर पर काम कर रहे थे। पांडे की मौत की सही वजह पर उन्होंने कहा, हम पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतज़ार कर रहे हैं। श्रीवास्तव ने कहा कि लापता बीएलओ भव्य सिटी निवासी शिक्षक नारायण दास सोनी है। वह छह दिनों से लापता हैं। पांडे की पत्नी रेखा ने दावा किया कि वह बहुत ज्यादा काम के बोझ से जूझ रहे थे।

जिला शिक्षा अधिकारी एसके नेमा ने बताया कि दमोह जिले में, रंजरा गांव में नियुक्त बीएलओ शिक्षक गोंड गिनती के फॉर्म भरते समय बीमार पड़ गए। उन्हें दमोह के जिला अस्पताल ले जाया गया और गंभीर हालत में जबलपुर रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। गोंड के दोस्तों ने दावा किया कि उन पर काम दबाव था क्योंकि वह केवल 13 प्रतिशत काम कर पाए थे। वहीं, दमोह ज़िले में सड़क हादसे में बीएलओ श्याम सुंदर शर्मा की मौत हो गई थी। उनके परिजनों ने बताया कि वह काम की वजह से दबाव में थे।

प. बंगाल: नदिया में मिला बीएलओ का शव मिला

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले में महिला बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) शनिवार सुबह अपने घर में मृत मिली। पुलिस के अनुसार, उसके परिजनों ने आरोप लगाया है कि वह मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) संबंधी काम से तनाव में थी और उसने आत्महत्या की। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बीएलओ की मौत पर दुख व्यक्त किया और कहा कि यह अब वास्तव में चिंताजनक है। बनर्जी ने 'एक्स' पर कहा, एक और बीएलओ, एक महिला पैरा-शिक्षक की मौत की खबर सुनकर सदमा लगा है, जिसने आज कृष्णानगर में आत्महत्या कर ली। एसी 82 छपरा के भाग संख्या 201 की बीएलओ श्रीमती रिंकू तरफदार ने अपने आवास पर आत्महत्या करने से पहले अपने सुसाइड नोट में भारत निर्वाचन आयोग को दोषी ठहराया है। इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि रिंकू तरफदार (52) नाम की बीएलओ का शव छपरा के कृष्णानगर स्थित बंगालझी इलाके में उनके घर के कमरे में छत से लटका मिला है।

अल-फलाह के कुलाधिपति के मकान पर कार्रवाई से रोक

दिल्ली कार विस्फोट

इंदौर, एजेंसी

फरीदाबाद के अल-फलाह विश्वविद्यालय के कुलाधिपति जवाद अहमद सिद्दीकी के महू स्थित पैतृक मकान का अनधिकृत निर्माण हटाने को लेकर छावनी परिषद के नोटिस के अमल पर मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ ने अंतरिम रोक लगा दी है। हिबानामा (इस्लामी परंपरा के मुताबिक भेंट स्वरूप किसी व्यक्ति के नाम जायदाद कर देना) के जरिये इस मकान पर मालिकाना हक का दावा करने वाले व्यक्ति की याचिका पर अदालत ने यह आदेश जारी किया।

दिल्ली में लाल किला के निकट धीमी गति से चलती कार में हुए विस्फोट की घटना के बाद, अल-फलाह विवि कानून प्रवर्तन एजेंसियों की जांच के घेरे में है। दस नवंबर को हुए इस विस्फोट में 15 लोगों की जान चली गई थी। विवि के कुलाधिपति सिद्दीकी महू के हैं और उनके पिता हम्माद अहमद महू के शहर काजी रहे थे जिनका वर्षों पहले निधन हो चुका है। इंदौर से 30 किमी दूर महू की छावनी परिषद के रिकॉर्ड में मुकेरी मोहल्ले का मकान जवाद के दिवंगत पिता के नाम पर दर्ज है।

जम्मू एसआईए ने सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल मामले में एक को पकड़ा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस की राज्य अन्वेषण अभिकरण (एसआईए) ने शनिवार को सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल मामले में एक व्यक्ति को पकड़ा है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी की पहचान बटमालू इलाके के निवासी तुफैल नियाज भट के रूप में हुई है। उसे सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल की जांच के दौरान गिरफ्तार किया गया है। अक्टूबर के मध्य में नौगाम के बनपोरा में दीवारों पर पुलिस और सुरक्षा बलों को धमकी देने वाले पोस्टर चिपकाने के मामले में श्रीनगर पुलिस द्वारा जांच शुरू करने के बाद पूरे गिरोह का भंडाफोड़ हुआ। श्रीनगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. जीवी संदीप चक्रवर्ती ने व्यक्तिगत रूप से जांच का नेतृत्व किया और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पहले तीन संदिग्धों (आरिफ निसार डार उर्फ साहिल, यासिर-उल-अशरफ और मकसूद अहमद डार उर्फ शाहिद) को गिरफ्तार किया गया। उनसे पूछताछ के बाद मौलवी इरफान अहमद को गिरफ्तार किया गया। वह पूर्व पैरा-मेडिक था और अब इमाम है। उसने कथित तौर पर पोस्टर मुहैया कराए थे और चिकित्सकों को कट्टरपंथी बनाया था। जांचकर्ता फरीदाबाद स्थित अल फलाह विश्वविद्यालय पहुंचे। वहां डॉ. मुजफ्फर गनई और डॉ. शाहीन सईद को गिरफ्तार किया गया और 2,900 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री जब्त की गई।

आरोपी की एनआईए मुख्यालय में वकील से मुलाकात की याचिका मंजूर

नई दिल्ली। अदालत ने लाल किला के पास चलती कार में हुए विस्फोट मामले के आरोपी जसीर बिलाल वानी की एनआईए मुख्यालय में अपने वकील से मुलाकात की अनुमति देने वाली याचिका को स्वीकार कर लिया। अदालत के सूत्रों ने बताया कि यह अनुमति पटियाला हाउस अदालत की प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना ने दी। शुक्रवार को दिल्ली उच्च न्यायालय ने आरोपी की इस याचिका पर कोई आदेश देने से यह कहते हुए इनकार कर दिया था कि वानी यह दर्शाने में विफल रहा कि निचली अदालत ने उसके अनुरोध को खारिज कर दिया है।

श्रम संबंधी 29 मौजूदा कानून चार संहिताओं में किए गए पेश: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस में शनिवार को दावा किया कि श्रम संबंधी 29 मौजूदा कानूनों को चार संहिताओं में समाहित करके नए रूप में पेश किया गया और इसे एक क्रांतिकारी सुधार के रूप में प्रचारित किया जा रहा है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि केंद्र सरकार को कर्नाटक की कांग्रेस सरकार और राजस्थान की पूर्व कांग्रेस सरकार से सामाजिक सुरक्षा उपायों के संबंध में सीख लेनी चाहिए।

रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 29 कानूनों को चार संहिताओं में समाहित करके नए रूप में पेश कर दिया गया है। इसे क्रांतिकारी सुधार के रूप में प्रचारित किया जा रहा है जबकि नियमों को अभी तक अधिसूचित नहीं किया गया है। क्या ये संहिताएं श्रमिक न्याय के लिए भारत के श्रमिकों की पांच आवश्यक मांगों को वास्तविकता बना देंगे? इन मांगों में राष्ट्रीय न्यूनतम मजदूरी 400 रुपये प्रति दिन करने की बात भी है और इसमें मनरेगा भी है। रमेश के अनुसार, शहरी क्षेत्रों के लिए रोजगार गारंटी अधिनियम हो, जीवन बीमा और दुर्घटना बीमा सहित सभी असंगठित श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा देने और सरकारी कार्यों में रोजगार की ठेकेदारी को रोकने की प्रतिबद्धता होनी चाहिए।

सीजेआई गवई के कार्यकाल में हुए 11 ओबीसी, 10 एससी जज नियुक्ति

नई दिल्ली, एजेंसी

- हाईकोर्ट के जजों के रूप में नियुक्ति के लिए सरकार को 129 नामों में से 93 नामों को गवई ने दी है मंजूरी

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) न्यायमूर्ति बीआर गवई के छह महीने के कार्यकाल में देश के विभिन्न उच्च न्यायालयों में अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग के 10, जबकि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और पिछड़ा वर्ग (बीसी) के 11 जलों की नियुक्ति हुई। न्यायमूर्ति गवई देश के पहले बौद्ध और दूसरे दलित प्रधान न्यायाधीश हैं। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम का नेतृत्व किया, जिसने विभिन्न हाईकोर्ट के जजों के रूप में नियुक्ति के लिए सरकार को 129 नामों की सिफारिश की, जिनमें से 93 नामों को मंजूरी दी गई। न्यायमूर्ति गवई के कार्यकाल के दौरान पांच न्यायाधीशों-न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया, न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई, न्यायमूर्ति एएस चंदुरकर, न्यायमूर्ति आलोक अराधे और न्यायमूर्ति विपुल मनुभाई पंचोली की भी शीर्ष अदालत में नियुक्ति हुई। उच्चतम न्यायालय की वेबसाइट पर 14 मई से लेकर अब तक अपलोड किए गए न्यायाधीशों की नियुक्ति संबंधी विवरण के मुताबिक, जब न्यायमूर्ति गवई भारत के प्रधान न्यायाधीश बने, उसके बाद सरकार की ओर से उच्च न्यायालयों में नियुक्ति के लिए मंजूर किए गए 93 नामों में अल्पसंख्यक समुदायों के 13 न्यायाधीशों और 15 महिला न्यायाधीशों के नाम शामिल थे। विवरण के अनुसार, न्यायमूर्ति गवई के कार्यकाल में जिन न्यायाधीशों की नियुक्ति को मंजूरी दी गई, उनमें से पांच पूर्व या सेवारत न्यायाधीशों से संबंधित हैं, जबकि 49 न्यायाधीश बार से नियुक्त किए गए और बाकी सेवा संवर्ग से हैं। न्यायमूर्ति गवई रविवार (23 नवंबर) को पदमुक्त हो जाएंगे। उनके उत्तराधिकारी न्यायमूर्ति सूर्यकांत 24 नवंबर को शपथ लेंगे। भारत के 52वें प्रधान न्यायाधीश गवई ने अपने छह महीने के कार्यकाल के दौरान कई महत्वपूर्ण फैसले दिए हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की सदस्य ग्रीन ने की इस्तीफा देने की घोषणा

वाशिंगटन। अमेरिका के जॉर्जिया से प्रतिनिधि सभा की सदस्य मार्जोरी टेलर ग्रीन ने कहा कि वह जनवरी में संसद की सदस्यता से इस्तीफा दे देंगी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की किसी समय समर्थक रहीं ग्रीन अब उनकी आलोचक हैं। ग्रीन ने 'सोशल मीडिया' पर साझा किए गए करीब 10 मिनट के वीडियो में कहा कि उन्हें वाशिंगटन डीसी में हमेशा से ही तिरस्कृत किया गया है और वह कभी वहां के अनुसार नहीं ढल पाईं। ग्रीन ने यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़ी फाइल पर ट्रंप के रुख के साथ-साथ विदेश नीति और स्वास्थ्य देखभाल को लेकर उनकी आलोचना की थी। इसके बाद उनका हाल के महीनों में ट्रंप के साथ सार्वजनिक विवाद हुआ था।

चीन-अमेरिका ने की हवाई में सैन्य समुद्री परामर्श वार्ता की

बीजिंग। चीनी और अमेरिकी सेनाओं ने 18 से 20 नवंबर तक हवाई, संयुक्त राज्य अमेरिका में वर्ष 2025 के लिए चीन-अमेरिका सैन्य समुद्री परामर्श समझौते (एमएमसीए) की दूसरी कार्यकारी समूह बैठक तथा वार्षिक सत्र आयोजित किया। यह जानकारी शनिवार को चीनी नौसेना ने दी। यह वार्ता समानता और आपसी सम्मान के आधार पर हुई। दोनों पक्षों ने समुद्री तथा हवाई सुरक्षा स्थिति पर खुलकर और रचनात्मक ढंग से विचार-विमर्श किया। चीनी नौसेना के बयान के अनुसार दोनों पक्षों ने समुद्र और हवा में आमने-सामने की स्थितियों की समीक्षा की।

अमेरिका में पहली बार एक की 'बर्ड फ्लू' से मौत की आशंका

वॉशिंगटन। अमेरिका के वॉशिंगटन राज्य में एक व्यक्ति के पहली बार 'बर्ड फ्लू' के एक दुर्लभ प्रकार से मरने की आशंका जताई जा रही है। राज्य के स्वास्थ्य अधिकारियों ने हालांकि कहा है कि इससे लोगों को अधिक खतरा नहीं है। वॉशिंगटन के स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि मरने वाला व्यक्ति बुजुर्ग था जिसे पहले से स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याएं थीं और एच5एन5 (बर्ड फ्लू) वायरस से संक्रमित होने के कारण उसका इलाज चल रहा था। ऐसा लगता है कि वह वायरस के इस प्रकार से संक्रमित होने वाला पहला इंसान था। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि सिएटल से लगभग 125 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में ग्रेज हार्बर काउंटी के रहने वाले इस व्यक्ति के घर के पीछे पालतू मुर्गियों का झुंड रहता था जो जंगली पक्षियों के संपर्क में आ गया था।

कोटा में जेईई अभ्यर्थी ने की आत्महत्या

कोटा (राजस्थान), एजेंसी

छात्र आत्महत्या मामले में सहपाठियों के बयान दर्ज

नई दिल्ली। पुलिस ने दसवीं कक्षा के छात्र की आत्महत्या में सेंट कोलंबस स्कूल के कई छात्रों के बयान दर्ज किए और सीसीटीवी फुटेज खंगाले हैं। एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि 10वीं कक्षा के 16 वर्षीय छात्र ने महीनों तक शिक्षकों की प्रताड़ना सहने के बाद मंगलवार को राजेन्द्र प्लेस मेट्रो स्टेशन के प्लेटफॉर्म से छलांग लगा दी थी। ऐसा आरोप है कि घटना वाले दिन स्कूल के शिक्षक ने छात्र के फिसल कर गिरने के बाद उसका मजाक बनाया और अपमानित किया। पुलिस ने बताया कि डिजिटल वीडियो रिकॉर्डर (डीवीआर) जब्त किया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, इसमें उस क्षण की रिकॉर्डिंग है जब स्कूल के नाटक क्लब के प्रदर्शन के दौरान लड़के के फिसलने के बाद कर्मियों ने उसे डांटा और अपमानित किया। मौके पर मौजूद रहे लड़के के सहपाठियों और अन्य छात्रों के बयान दर्ज किए गए हैं और उनके बयानों की पुष्टि के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

कोटा में नौवीं मंजिल से गिरकर 17 वर्षीय जेईई अभ्यर्थी की मौत के मामले में पुलिस ने शनिवार को कहा कि प्रथम दृष्टया यह आत्महत्या प्रतीत होती है। मृतक छात्र की पहचान ईशान पालीवाल (17) के रूप में हुई है। वह मध्य प्रदेश के भोपाल के निवासी था और दो साल से कोटा में जेईई की तैयारी कर रहा था। वह राजीव गांधी नगर में बहुमंजिला इमारत में मां के साथ रह रहा था।

ईशान शुक्रवार दोपहर को नौवीं मंजिल की बालकनी से गिर गया। उसे गंभीर चोटें आईं और उसे निजी अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान ईशान की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि शनिवार को पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिवार को सौंप दिया गया। घटना के संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जा रही है।

जवाहर नगर पुलिस थाने के निरीक्षक राम लक्ष्मण ने कहा कि छात्र का इमारत की बालकनी से गलती से गिरना लगभग असंभव है। सबसे अधिक आशंका इस बात की है कि वह कूदा है। हालांकि, इसके पीछे का कारण जांच के बाद ही पता चलेगा, क्योंकि परिवार अभी सदमे में है। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया छात्र के कूदने की आशंका अधिक है और कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

यूक्रेन-रूस युद्ध समाप्ति की योजना से जेलेंस्की बाहर

वाशिंगटन, एजेंसी

● अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने यूक्रेन-रूस युद्ध को समाप्त करने के लिए 28 सूत्री नई योजना पेश की

रूस-यूक्रेन युद्ध पर अमेरिका की शांति योजना को लेकर यूरोपीय नेता दक्षिण अफ्रीका में बैठक करेंगे

कीव। यूरोपीय संघ (ईयू) के नेता शनिवार को दक्षिण अफ्रीका में एक बैठक में भाग लेंगे, जहां वे रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकने के लिए अमेरिका की प्रस्तावित योजना के विकल्प तलाशेंगे। कई यूरोपीय देशों का मानना है कि यह अमेरिकी योजना मॉस्को के हित में झुकी हुई है। रूस द्वारा यूक्रेन पर हमला किए जाने के लगभग चार साल बाद यह कूटनीतिक कवायद तेज हुई है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि इस योजना के चलते यूक्रेन एक कठिन स्थिति में आ सकता है, जहां उसे अपनी संप्रभुता की रक्षा और अमेरिका से मिलने वाले जरूरी समर्थन को बनाए रखने के बीच चुनाव करना पड़ सकता है। यूरोपीय देशों का मानना है कि यूक्रेन का रूस के खिलाफ संघर्ष उनकी अपनी सुरक्षा और भविष्य से जुड़ा हुआ है, इसलिए वे किसी भी शांति पहल में अपनी भागीदारी और परामर्श को आवश्यक मानते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन-रूस युद्ध को समाप्त करने के लिए 28 सूत्री नई योजना पेश की और साथ ही साफ कर दिया है कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के पास लड़ाई को लंबे समय तक जारी रखने का विकल्प नहीं है और उन्हें इस योजना को स्वीकार करना होगा जो रूस की ओर झुकी प्रतीत होती है। ट्रंप पहले भी जेलेंस्की की सहमति के बिना ही यूक्रेन-रूस युद्ध को समाप्त करने की अपनी योजना पर आगे बढ़ चुके हैं।

ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यूक्रेन के राष्ट्रपति उनकी सरकार की युद्ध समाप्त करने की नई योजना पर अगले गुरुवार तक प्रतिक्रिया देंगे। ट्रंप ने ओवल ऑफिस में कहा, हम मानते हैं कि हमारे पास शांति स्थापित करने का एक तरीका है। जेलेंस्की को इसे मंजूर करना होगा। यूक्रेन की जेलेंस्की सरकार पर भ्रष्टाचार के साथ युद्ध के मैदान से मिल रही चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है रूस लगातार उसके ऊर्जा अवसंरचना पर बमबारी कर रहा है जिससे यूक्रेनवासियों के लिए सर्दी का मौसम कठिनाई भरा होने की आशंका है। ट्रंप द्वारा योजना के सार्वजनिक किये जाने के बाद से जेलेंस्की ने उनसे बात नहीं की है। जेलेंस्की ने कहा कि आने वाले दिनों में उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति से बातचीत होने की उम्मीद है। ट्रंप ने नई योजना में यूक्रेन पर दबाव डाल रहे हैं कि वह रूस को जमीन दे, सेना में कटौती पर सहमत हों साथ ही यूरोप भरोसा दे कि वह यूक्रेन को कभी नाटो सैन्य गठबंधन में शामिल नहीं करेगा।

अमेरिका की अड़चन के बावजूद जोहानिसबर्ग में जारी किया गया जी-20 घोषणा पत्र

द. अफ्रीका के मंत्री लामोला ने एसएबीसी के साथ वार्ता में घोषणा पत्र को बहुपक्षवाद की पुष्टि करार दिया

● सम्मेलन के शुरुआत में घोषणा पत्र का अपनाया जाना असामान्य

जोहानिसबर्ग, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल वैश्विक नेता।

दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग में जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने वाले शासनाध्यक्षों ने शनिवार को अमेरिका की अड़चन के बावजूद एक घोषणा पत्र को सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया। दक्षिण अफ्रीका के अंतर्राष्ट्रीय संबंध एवं सहयोग मामलों के मंत्री रोनाल्ड लामोला ने सरकारी प्रसारक 'एसएबीसी' के साथ बातचीत में इस घोषणा पत्र को 'बहुपक्षवाद की पुष्टि' करार दिया।

उन्होंने कहा कि यह उनके लिए एक महान पल है, क्योंकि उनका मानना है कि इससे (अफ्रीकी) महाद्वीप में क्रांति आएगी। आमतौर पर घोषणा पत्र को जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन के अंत में अपनाया जाता है। हालांकि, इस बार इसे सम्मेलन की शुरुआत में ही स्वीकार कर लिया गया। लमोला ने शिखर सम्मेलन के शुरुआती चरण में ही घोषणा पत्र को अपनाए जाने के असामान्य घटनाक्रम पर कहा कि उन शेरपाओं ने घोषणा पत्र पर विचार-विमर्श किया और सहमति जता दी, जिन्हें इसे स्वीकार करना था। घोषणा पत्र में क्या है, यहां मौजूद विभिन्न नेताओं के शेरपाओं ने उन्हें इसकी जानकारी दे दी है, इसलिए ऐसी कोई वजह नहीं थी, जो हमें इस घोषणा पत्र को (दो दिवसीय) शिखर सम्मेलन के पहले सत्र में मौजूद नेताओं के समक्ष पेश करने से रोके। उन्होंने कहा कि उन्हें खुशी है कि वे इसे अपनाने के लिए सहमत हो गए। इसमें अफ्रीकी महाद्वीप और दुनिया के लिए कई क्रांतिकारी पहलू शामिल हैं।

अमेरिका के बिना जारी रहेगा जी-20

शिखर सम्मेलन में हिस्सा न लेने और अपनी गैर-मौजूदगी में घोषणा पत्र को अपनाने के प्रयासों में बाधा डालने के अमेरिका के कदम के बारे में लमोला ने दोहराया कि जी-20 अमेरिका के साथ या उसके बिना भी बरकरार रहेगा। उन्होंने कहा कि जी-20 को केवल आमंत्रित व्यक्ति की अनुपस्थिति के आधार पर ठप नहीं किया जा सकता। बहुपक्षीय मंच को सक्रिय रहना चाहिए। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से इसने अच्छा काम किया है, इसलिए दक्षिण अफ्रीका सभी बैठकों में यही संदेश दे रहा था कि हमें घोषणा पत्र के साथ आगे बढ़ना होगा। लमोला ने कहा कि यह सुनिश्चित करना होगा कि घोषणा पत्र सफल हो और पूरी दुनिया इसमें शामिल हो। वे इस बात पर सहमत हुए हैं कि यही सही रास्ता है। अब यह सहयोग का ऐसा मंच है, जहां दुनिया के सभी नेता कह रहे हैं कि दुनिया को इसी राह पर जाना चाहिए। सहयोग ही एक मात्र रास्ता है। यह बहुपक्षवाद की पुष्टि है।

वैश्विक स्तर पर असमानताएं अन्यायपूर्ण : रामाफोसा

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने शनिवार को देशों के अंदर और देशों के बीच धन एवं विकास में असमानताओं को अन्यायपूर्ण और असतत बताते हुए इन्हें वैश्विक प्रगति के सबसे बड़े अवरोधों में से एक करार दिया। यहां जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करने के दौरान रामाफोसा ने यह बात कही। जोहानिसबर्ग में एकत्र लगभग 40 राष्ट्राध्यक्षों को संबोधित करते हुए रामाफोसा ने टिकाऊ भविष्य सुनिश्चित करने के लिए आर्थिक स्थिति, लैंगिक, नस्लीय और भौगोलिक आधार पर विभाजनों को समाप्त करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

ट्रंप के बॉयकॉट के साये में वैश्विक नेताओं की मौजूदगी

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा जी-20 शिखर सम्मेलन के बॉयकॉट और इस पर दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा की गहरी नाराजगी के बीच शिखर सम्मेलन शुरू हुआ। यह सम्मेलन पहली बार दक्षिण अफ्रीका में हो रहा है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तय्यिप एर्दोआन, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला फॉन डेर लेयेन, कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज़, चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग, जर्मनी के चांसलर फ्रीडरिष मेर्ज़, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीयर स्टार्मर, ब्राज़ील के राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला डा सिल्वा, इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा आदि शामिल हो रहे हैं।

मानव सेवा ही ईश्वर की सच्ची सेवा : राष्ट्रपति

राष्ट्रपति का स्वागत करते तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा व मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी।

पुट्टपर्थी (आंध्र प्रदेश), एजेंसी

● श्री सत्यसाई जिले के पुट्टपर्थी में सत्य साई बाबा के जन्म शताब्दी समारोह को किया संबोधित

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को कहा कि पूज्य आध्यात्मिक गुरु सत्य साई बाबा ने लाखों लोगों को सेवा के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। श्री सत्यसाई जिले के पुट्टपर्थी में सत्य साई बाबा के जन्म शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि सत्य साई बाबा ने इस विश्वास का प्रचार किया कि मानव सेवा ही ईश्वर सेवा है।

मुर्मू ने कहा कि सत्य साई बाबा ने अध्यात्म को निस्वार्थ सेवा और व्यक्तिगत परिवर्तन से जोड़ा। साईं बाबा ने लाखों लोगों को सेवा के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रपति के अनुसार, सत्य साई बाबा ने अपने अनुयायियों से आध्यात्मिकता को लोक कल्याण के साथ जोड़ने का आग्रह किया। यह देखकर खुशी होती है कि इतने सारे देशों में उनके भक्त वंचितों की सेवा कर रहे हैं। सत्य साई बाबा का निःस्वार्थ सेवा के माध्यम से निःस्वार्थ प्रेम का संदेश श्री सत्य साई संगठन को सेवा के वास्ते स्वयंसेवा करने के लिए प्रेरित कर रहा है।

राष्ट्रपति ने कहा कि प्राचीन काल से ही हमारे ऋषि-मुनियों ने अपने कार्यों और वचनों से समाज का मार्गदर्शन किया है और जन कल्याण के लिए अनेक पहल की हैं। उन्होंने कहा कि श्री सत्य साई बाबा ने व्यापक कल्याणकारी कार्यों के माध्यम से आदर्शों को वास्तविकता में बदलकर इस परंपरा का उदाहरण प्रस्तुत किया। इस बीच, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि सत्य साई बाबा के सिद्धांतों पर अमल करने से विश्व शांति स्थापित होगी। नायडू ने कहा कि वे (बाबा) जल परियोजनाओं के लिए प्रशांति निलयम को गिरवी रखने को भी तैयार थे। यह बात जानने पर उनके भक्तों ने इन परियोजनाओं के लिए भारी मात्रा में दान एकत्र किया।

ब्रिटेन ने 200 साल पुराने हिंदू चित्रों की अनूठी शृंखला के निर्यात पर लगाई रोक

लंदन, एजेंसी

● देवी मां की उत्पत्ति और विजय को दर्शाने वाले 56 चित्रों के लिए खरीदार की तलाश

ब्रिटेन सरकार ने इस सप्ताह 200 वर्ष पुराने उन रंगीन और अनूठे चित्रों की एक शृंखला के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है, जिनके बारे में कहा जाता है कि वे हिंदू धर्म के सबसे महत्वपूर्ण आख्यानों में से एक को दर्शाते हैं।

देवी मां की उत्पत्ति और विजय को दर्शाने वाले 56 चित्रों की एक शृंखला को रखने के लिए एक खरीदार की तलाश की जा रही है। इन चित्रों का मूल्य लगभग 2,80,000 पाउंड है। इस अनूठी शृंखला में, 56 चित्रों में सोने और चांदी के रंग का उपयोग किया गया है। ब्रिटेन की संस्कृति मंत्री बैरोनेस फियोना ट्विक्रॉस ने कहा कि यह शृंखला न केवल सुंदर है, बल्कि अद्वितीय है। क्योंकि हमारे देश में इस तरह की कोई अन्य लगभग पूर्ण कथा मौजूद नहीं है, इसलिए यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम इस शृंखला को ब्रिटेन में ही रखने का अवसर लें और शोधकर्ताओं को इसके रहस्यों को उजागर करने के लिए महत्वपूर्ण समय दें। यह शृंखला लगभग पूरी तरह से अक्षुण्ण है, जिसमें मूल 59 चित्रों में से 56 पृष्ठ हैं, तथा आवरण पृष्ठ पर संस्कृत और हिन्दी में शिलालेख हैं, जिनमें अलग-अलग चित्रों के विषयों का वर्णन है। ये 1810 की हैं और पंजाब के कांगड़ा क्षेत्र में चित्रित की गई थीं। संस्कृति, मीडिया और खेल विभाग (डीसीएमएस) ने कहा कि ब्रिटेन में कोई अन्य तुलनीय श्रृंखला मौजूद नहीं है, जिसका अर्थ है कि यह निर्यात प्रतिबंध ऐसे सचित्र आख्यानों के निर्माण और विकास दोनों के अध्ययन के लिए एक अद्वितीय अवसर पैदा करता है। ब्रिटेन सरकार ने इस सप्ताह कहा था कि ये चित्र ब्रिटेन और पंजाब के बीच जारी सांस्कृतिक संबंधों की याद दिलाते हैं, क्योंकि आधुनिक ब्रिटेन में दस लाख से अधिक हिंदू रहते हैं।

नाइजीरिया में 300 बच्चों का अपहरण

अबुजा। नाइजीरिया के नाइजर में बंदूकधारियों ने कैथोलिक संस्थान पर हमला कर 303 स्कूली छात्रों और 12 अध्यापकों का अपहरण कर लिया। देश के 'क्रिश्चियन एसोसिएशन ऑफ नाइजीरिया' (सीएएन) ने यह जानकारी दी।

सीएएन ने पहले बताया था कि 215 छात्रों का अपहरण किया गया है। सीएएन की नाइजर राज्य शाखा के अध्यक्ष मोस्ट रेवरेंड बुलुस दाऊवा योहाना के अनुसार सत्यापन प्रक्रिया और अंतिम गणना के बाद संख्या में बदलाव किया गया। योहाना ने शुक्रवार को स्कूल का दौरा किया था। उन्होंने बताया कि हमले के दौरान 88 अन्य छात्रों को भागने की कोशिश करते समय पकड़ लिया गया।

रवानगी

पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के हकीमपुर चेकपोस्ट पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद अपने वतन लौटने का इंतजार करते बांग्लादेशी नागरिक।

कांस्टेबल सहित तीन 7.11 करोड़ की लूट में गिरफ्तार

बेंगलुरु। बेंगलुरु के पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने शनिवार को बताया कि शहर में 7.11 करोड़ की लूट में पुलिस कांस्टेबल समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सिंह ने कहा कि अब तक 5.76 करोड़ रुपये बरामद किए जा चुके हैं और शेष राशि का पता लगाने के प्रयास जारी हैं।

सिंह ने कहा, हमने 11 टीम गठित की थीं और इस काम के लिए 200 पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को तैनात किया था। पूछताछ 30 से अधिक लोगों से की गई और तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। वाहन प्रभारी, सीएमएस इन्फोसिस्टम्स के एक पूर्व कर्मचारी और गोविंदपुरा पुलिस थाने में तैनात एक कांस्टेबल को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में कांस्टेबल अन्नप्पा नाईक, सीएमएस इन्फो सिस्टम का पूर्व कर्मचारी जेवियर और वाहन प्रभारी गोपी शामिल है। घटना में शामिल लोगों का पता लगाने के लिए सभी दक्षिणी राज्यों और गोवा में छह टीम भेजी गई थीं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 23 नवंबर, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, तृतीया 19 .24 तक तत्पश्चात चतुर्थी।

आज का पंचांग

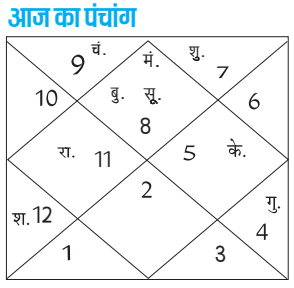

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल-मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुंभ, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-मूल 19 .28 तक तत्पश्चात पूर्वाषाढ़ा।

मेष आज सहकर्मियों के माध्यम से गंभीर समस्याओं का निराकरण कर लेंगे। प्रेम संबंधों में मधुरता का भाव रहेगा। आपके काम की गुणवत्ता में वृद्धि होगी। नए संबंधों को लेकर परेशानी हो सकती है। संतान के कार्यों पर नजर बनाकर रखें।

वृष आज गुप्त शत्रुओं से सावधान रहने की आवश्यकता है। बच्चे अपना समय बर्बाद कर सकते हैं। संतान के साथ अपना व्यवहार अच्छा रखें। परिवार में कलह उत्पन्न हो सकता है। अजनबी व्यक्तियों पर अधिक विश्वास न करें।

मिथुन आज भोग-विलास का आनंद उठाएंगे। धार्मिक स्थल पर जाने का विचार बना सकते हैं। किसी दुविधा का समाधान मिल सकता है। आपको कुछ नया सीखने का मौका मिल सकता है। पुरानी डील में लाभ मिलने की संभावना है।

कर्क आज व्यापार में नए साझेदार बन सकते हैं। परिश्रम का सार्थक परिणाम मिलेगा। इंटरव्यू आदि में सफलता मिलने के योग बनेंगे। आय के साथ-साथ आपके खर्च भी बढ़ेंगे। गैस-चूल्हा और बिजली के प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह आज सरकारी कार्यों में बाधा आ सकती है। पैतृक संपत्ति प्राप्त होने के योग बन रहे हैं। रिलेशनशिप के मामलों में भाग्यशाली रहेंगे। धर्म-कर्म को लेकर अंधविश्वासी न बनें। दूसरों के विवादों में आपको नहीं फंसना चाहिए।

कन्या आज व्यवसाय में बड़ा परिवर्तन करने से आपको बचना चाहिए। किसी भी कार्य में ठीक तरह से काम करने में मुश्किल होगी। कार्यक्षेत्र में अकस्मात परिवर्तन आ सकते हैं। दुष्टजन आपको हानि पहुंचाने का प्रयास करेंगे।

तुला आज सहकर्मी आपके विरुद्ध चुगली कर सकते हैं। व्यापार में पार्टनर्स का सहयोग मिलेगा। प्रबुद्ध व्यक्तियों का सानिध्य प्राप्त होगा। आपकी कार्यकुशलता की लोग प्रशंसा करेंगे। इससे आपका उत्साह बढ़ेगा। घरेलू खर्च को लेकर बजट का ध्यान रखें।

वृश्चिक आज उधार चुकाने के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। वाहन का प्रयोग सावधानी से करें। मेहनत में कमी न करें। राजनीति से जुड़े लोगों को सोच-समझकर दान करना चाहिए। जल्दबाजी के कारण कार्यों में विघ्न आ सकते हैं।

धनु आज ज्ञानवर्धक साहित्य का अध्ययन करें। शुभ कार्यों में आपका मन लगेगा। व्यापार में इच्छित परिणाम प्राप्त होंगे। घर का वातावरण शांतिपूर्ण रहेगा। रचनात्मक कार्यों में आप रुचि लेंगे। अपनी जिम्मेदारियों को लेकर थोड़े परेशान हो सकते हैं।

मकर आज वायरल से पीड़ित लोगों को सेहत का विशेष ध्यान रखना चाहिए। मन में हीन भावना पनप सकती है। वृद्धजनों के साथ बहसबाजी से बचें। विदेश यात्रा में आ रही बाधा दूर होगी। परिवार में कलह-क्लेश का वातावरण हो सकता है।

कुंभ आज कुछ कड़े और महत्वपूर्ण निर्णय आपको लेने पड़ सकते हैं। आवश्यक सामान की खरीदारी में धन खर्च करेंगे। भारी उद्योगों से जुड़े लोगों की आय बढ़ सकती है। जीवनसाथी की सहायता से आपको करियर में लाभ मिलेगा।

मीन आज आप अत्यधिक व्यस्त रहेंगे। अपनी प्रतिभा को पुनर्विकसित करने का अवसर मिल सकता है। सामाजिक कार्यक्रमों में आप सम्मिलित हो सकते हैं। आपका स्वास्थ्य काफी अच्छा रहने वाला है। प्रियजनों के साथ हर्षोल्लास में समय व्यतीत होगा।

सुडोकू-169

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		1						
			2					
		6		7				
				1		3		
9								
	5				8			
					4			

सुडोकू - 168 का हल

1	5	8	6	2	7	3	9	4
9	2	4	1	8	3	5	7	6
7	6	3	5	4	9	1	8	2
3	4	9	8	7	5	6	2	1
5	8	2	4	6	1	7	3	9
6	1	7	3	9	2	4	5	8
4	7	6	2	3	8	9	1	5
8	3	1	9	5	6	2	4	7
2	9	5	7	1	4	8	6	3

यह टेस्ट क्रिकेट का एक अच्छा दिन था, जिसमें बल्लेबाज को फोकस करके रन बनाने थे, जबकि गेंदबाज को विकेट के लिए उतनी ही मेहनत करनी पड़ी। इंडिया और साउथ अफ्रीका दोनों ने बहुत अच्छा अनुशासन दिखाया। भारत थोड़ा खुश हो सकता है, क्योंकि उसने वापसी की।

-अनिल कुंबले

स्टेडियम

अमृत विचार

बरेली, रविवार 23 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

कुलदीप ने कराई भारत की वापसी

दूसरा टेस्ट मैच : अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज

गुवाहाटी, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए और भारत ने कुलदीप यादव की अगुवाई में आखिरी सत्र में चार विकेट लेकर दूसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच के पहले दिन शनिवार को यहां अच्छी वापसी की। भारत ने पहले दो सत्र में एक-एक विकेट लिया लेकिन तीसरे सत्र में वापसी करके उसने पहले दिन दोनों टीम का पलड़ा बराबरी पर रखा।

खराब रोशनी के कारण जब 81.5 ओवर में दिन का खेल समाप्त किया गया तब दक्षिण अफ्रीका ने छह विकेट पर 247 रन बनाए थे। पिच से अभी बहुत अधिक टर्न नहीं मिल रहा है, लेकिन भारत ने दिन में जो छह विकेट हासिल किए उनमें से चार विकेट स्पिनर ने लिए। कोलकाता में पहले टेस्ट मैच में स्पिनरों के सामने नतमस्तक होने वाले भारतीय बल्लेबाजों के लिए इसे अच्छा संकेत नहीं माना जा सकता। इस पर भी गौर करना होगा कि दक्षिण अफ्रीका इस मैच में तीन विशेषज्ञ स्पिनरों के साथ उतरा है। भारत की तरफ से बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप ने 48 रन देकर तीन विकेट लिए हैं। उनके अलावा जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और रविंद्र जडेजा को एक-एक विकेट मिला है। भारत ने दक्षिण अफ्रीका के दोनों सलामी बल्लेबाजों को तीन गेंद के अंदर पवेलियन की राह दिखा दी थी। बुमराह ने सुबह के सत्र के अंतिम ओवर की पांचवीं गेंद पर एडेन मार्करम (38) को बोल्ड किया। कुलदीप ने दूसरे सत्र के शुरू में ही दूसरे सलामी बल्लेबाज रियान रेकेलटन (35) को आउट करके दक्षिण अफ्रीका के खेमे में खलबली मचा दी थी। इन दोनों ने पहले विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी करके अपने कप्तान के पहले बल्लेबाजी करने के फैसले को सही साबित किया था।

इसके बाद तेम्बा बावुमा (41) और ट्रिस्टन स्टब्स (49) भी अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए। इन दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 84 रन की साझेदारी की। बुमराह को मार्करम का विकेट पहले ही मिल जाता लेकिन केएल राहुल ने स्लिप में उनका आसान कैच छोड़ दिया था। मार्करम तब छह रन पर खेल रहे थे। बुमराह ने हालांकि उन्हें इसका ज्यादा फायदा नहीं उठाने दिया। उनकी फुल लेंथ गेंद पर मार्करम ने ड्राइव करने की कोशिश की लेकिन गेंद ने उनकी गिल्लियां बिखेर दी। रिकेलटन ने विकेटकीपर ऋषभ पंत को कैच दिया। बावुमा और स्टब्स ने धैर्य से काम लिया और दूसरे सत्र में अपनी टीम को कोई और झटका नहीं लगने दिया। स्टब्स को लय हासिल करने में कुछ समय लगा लेकिन इसके बाद उन्होंने आत्मविश्वास से भरे शॉट खेले। भारतीय गेंदबाज हालांकि तीसरे सत्र के शुरू में ही इन दोनों की एकाग्रता भंग करने में सफल रहे।

बावुमा ने जडेजा की गेंद मिड ऑफ के ऊपर से खेलने का प्रयास किया लेकिन यशस्वी जायसवाल ने डाइव लगाकर उसे खूबसूरत कैच में बदल दिया। कुलदीप ने स्टब्स को अर्धशतक पूरा नहीं करने दिया जिन्होंने फ्लाइट लेकर गेंद पर स्लिप में राहुल को कैच थमाया। वियान मुल्डर (13) ने कुलदीप की ऑफ स्टंप से बाहर जा रही गेंद पर जायसवाल को कैच देकर अपना विकेट इनाम में दिया।

दक्षिण अफ्रीका

247/6 (पहली पारी) (81.5 ओवर)

ऐडन मारक्रम बो बुमराह	38
रेयान रिकलटन का पंत बो कुलदीप	35
ट्रिस्टन स्टब्स का राहुल बो कुलदीप	49
बावुमा का जायसवाल बो जडेजा	41
टोनी डि जॉर्जी का पंत बो सिराज	28
मुल्डर का जायसवाल बो कुलदीप	13
सेनुरन मुथुसामी नाबाद	25
काइल वेरेने नाबाद	01

गेंदबाजी : बुमराह 17-6-38-1, सिराज 17.5-3-59-1, रेड्डी 4-0-21-0, सुंदर 14-3-36-0, कुलदीप 17-3-48-3, जडेजा 12-1-30-1

दिन की सबसे अच्छी गेंद पर आउट हुआ : स्टब्स

दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज ट्रिस्टन स्टब्स को जरा भी अंदाजा नहीं था कि भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव के नए स्पैल की पहली गेंद ही दिन की उनकी सबसे अच्छी गेंद होगी जिस पर वह अपना विकेट गंवा देंगे। दक्षिण अफ्रीका के इस खिलाड़ी ने स्वीकार किया कि दिल्ली कैपिटल्स टीम के अपने साथी कुलदीप का नेट पर कई बार सामना करने के बावजूद वह उनकी गेंदों के खिलाफ असहज रहे।

हाईलाइट

भारतीय टीम को खुश होना चाहिए : कुंबले

गुवाहाटी। पूर्व भारतीय स्पिनर अनिल कुंबले ने कहा है कि भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के पहले दिन अपने प्रदर्शन से खुश होना चाहिए। दक्षिण अफ्रीका ने गुवाहाटी में दूसरे टेस्ट के पहले दिन 247/6 पर खत्म किया, जिसमें भारत ने शानदार बॉलिंग की। क्रिकेट लाइव' में बात करते हुए, एक्सपर्ट अनिल कुंबले ने कहा मुझे खुशी है कि लंच के बाद भारतीय बॉलर्स ने लगातार दबाव बनाया, जिससे जल्दी विकेट गिरे, जिससे सेशन में छह विकेट लेना एक असली लक्ष्य बन गया।

इटली लगातार डेविस कप फाइनल में

बोलोग्ना। इटली लगातार तीसरे साल डेविस कप फाइनल में पहुंच गया है। फ्लेवियो कोबोली ने सात मैच पॉइंट बचाए और जिजो बर्न्स को हराकर सबसे शानदार 32-पॉइंट का फाइनल सेट टाई-ब्रेक जीता और अपने देश के लिए बेल्जियम पर 2-0 से जीत पक्की की। बोलोग्ना में बर्न्स पर कोबोली की 6-3, 6-7(5), 7-6(15) की रोमांचक जीत दर्ज की।

वियान मुल्डर का विकेट लेने के बाद जश्न मनाते कुलदीप यादव। एजेंसी

शुभमन एकदिवसीय सीरीज से बाहर रहेंगे

गुवाहाटी, एजेंसी

- विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत कप्तानी की दौड़ में

शुभमन गिल गर्दन की चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की आगामी वनडे श्रृंखला से भी बाहर रहेंगे। बीसीसीआई के सूत्रों ने शनिवार को जानकारी दी कि उनकी गर्दन की चोट के सही होने में लंबा समय लगने की उम्मीद है। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और सीनियर बल्लेबाज केएल राहुल के नाम पर कप्तानी के लिये विचार किया जा सकता है जबकि सीनियर बल्लेबाज रोहित शर्मा भी टीम में हैं।

गिल के दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नौ दिसंबर से शुरू होने वाली आगामी टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में भी खेलने की संभावना भी कम ही है। बीसीसीआई के विश्वस्त सूत्रों के अनुसार गिल की चोट सिर्फ गर्दन की ऐंठन नहीं है। उन्हें आराम की जरूरत होगी और भारतीय टीम प्रबंधन उनकी वापसी के लिये हड़बड़ी नहीं करेगा। गिल को कोलकाता में पहले टेस्ट में बल्लेबाजी के दौरान गर्दन में ऐंठन का सामना करना पड़ा था। वह चोट के कारण गुवाहाटी टेस्ट नहीं खेल सके हैं। वह इस समय मुंबई में हैं जहां उनके एमआरआई समेत बाकी टेस्ट हो रहे हैं। यह देखने के लिये टेस्ट किये जा रहे हैं कि मांसपेशी में चोट है या टिश्यू में चोट लगी है। अभी तक तो चयनकर्ताओं को उम्मीद है कि वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 खेल सकेंगे। पता चला है कि गिल ने मुंबई के रीढ़ की हड्डी के विशेषज्ञ डा. अभय नेने से परामर्श लिया है और चिकित्सा रिपोर्ट की जांच को मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर को फॉरवर्ड किया है। बीसीसीआई सूत्र ने कहा गिल को दर्द के लक्षणों को कम करने के लिए एक इंजेक्शन दिया गया है।

पर्थ टेस्ट : ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे ही दिन इंग्लैंड को दी शिकस्त

पर्थ, (एपी), एजेंसी

- एशेज सीरीज में ट्रेविस हेड ने खेली शतकीय पारी

संक्षिप्त स्कोर बोर्ड

इंग्लैंड (पहली पारी)	172/10
ऑस्ट्रेलिया (पहली पारी)	132/10
इंग्लैंड (दूसरी पारी)	164/10
ऑस्ट्रेलिया (दूसरी पारी)	205/2

ट्रेविस हेड (123) के शतक की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को यहां एशेज सीरीज के पहले टेस्ट में दूसरे दिन इंग्लैंड को आठ विकेट से शिकस्त दी।

जीत के लिए 205 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए हेड ने इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाते हुए 83 गेंद में 16 चौके और चार छक्के की मदद से 123 रन बनाए। उनके अलावा मार्नस लाबुशेन ने 51 रन की नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली। इंग्लैंड की दूसरी पारी सुबह 164 रन पर सिमट गई जिससे ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 205 रन का लक्ष्य मिला। ऑस्ट्रेलिया के लिए मिचेल स्टार्क 'प्लेयर ऑफ द मैच' रहे जिन्होंने मैच में कुल 10 विकेट झटके। इंग्लैंड ने पहली पारी में 172 और ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 132 रन बनाए थे।

लक्ष्य सेन पहुंचे फाइनल में

सिडनी, एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई ओपन

भारत के स्टार शटलर लक्ष्य सेन ने शनिवार को यहां चीनी ताइपे के विश्व के छठे नंबर के खिलाड़ी चोउ टिएन चेन को तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के फाइनल में प्रवेश किया।

विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने शुरुआती गेम में मिली हार से उबरने के लिए जबरदस्त मानसिक दृढ़ता दिखाई और 86 मिनट तक चले सेमीफाइनल में दूसरे वरीय खिलाड़ी को 17-21, 24-22, 21-16 से हराया। वर्तमान सत्र में अभी तक कोई भी खिताब नहीं जीत पाने वाले 24 वर्षीय सेन का फाइनल में मुकाबला जापान के युशी तनाका से होगा। फाइनल रविवार को खेला जाएगा।

तनाका ने चीनी ताइपे के पांचवीं वरीयता प्राप्त लिन चुन यि को 21-18, 21-15 से हराया।